मंगलवार
09 जून
वर्ष-1
अंक-27

रफ्तार मीडिया

RANCHI, चैत्र कृष्ण पक्ष-12 | ₹04 | RNI No.-JHHIN/26/A3481 | www.raftaarmedia.com

टीएमसी के 28 में से 20 लोकसभा सांसद टूटे

बागी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने दावा किया कि कम से कम 20 सांसदों ने राजग का समर्थन करने का फैसला किया

नई दिल्ली/एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद अब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) टूटती नजर आ रही है। पहले टीएमसी के कई विधायकों ने अलग गुट बनाया और अब यह टूट संसदीय दल तक पहुंच गई है। टूट की अटकलों के बीच सोमवार को तृणमूल कांग्रेस के करीब 14 सांसद केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव के घर पहुंचे और बंद कमरे में बैठक की। बैठक में राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने वाले सुखेंदु शेखर भी शामिल हुए। सुखेंदु ने आज ही राज्यसभा और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफे की घोषणा की थी। सूत्रों के अनुसार बैठक में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के साथ त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लव देब भी मौजूद रहे। इस राजनीतिक हलचल के बीच तृणमूल कांग्रेस की मुखिया ममता बनर्जी इंडी गठबंधन की बैठक के लिए दिल्ली में मौजूद हैं। इससे पहले तृणमूल कांग्रेस छोड़ने वाले सुखेंदु शेखर ने मीडिया से बातचीत में आरजी कर अस्पताल मामले में तृणमूल कांग्रेस के रवैये की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि आरजी कर अस्पताल मामले पर सार्वजनिक रूप से उन्होंने राय रखी थी। तब से पार्टी के भीतर उन्हें नजरअंदाज किया जाने लगा। सुखेंदु ने कहा कि उन्होंने कुछ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ आंतरिक जांच की मांग की थी क्योंकि मेरा मानना था कि सबूतों को नष्ट करने में उनकी अहम भूमिका थी। इसके कारण उन्हें पार्टी से अलग थलग कर दिया गया था। उल्लेखनीय है कि संसद में दलबदल विरोधी कानून को दरकिनार करने के लिए बागी गुट को दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है। लोकसभा में भाजपा, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बाद टीएमसी चौथी सबसे बड़ी पार्टी है। तृणमूल कांग्रेस के पास वर्तमान में लोकसभा में 28 और राज्यसभा में 13 सदस्य हैं।

तृणमूल सांसद सुखेंदु शेखर राय ने छोड़ी पार्टी, सांसद पद से भी दिया इस्तीफा

कोलकाता/नई दिल्ली

तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर राय ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के साथ-साथ राज्यसभा की सदस्यता भी छोड़ दी है। सोमवार सुबह दिल्ली से उन्होंने पार्टी छोड़ने की घोषणा की और आरजी कर अस्पताल की चर्चित घटना तथा भ्रष्टाचार के मुद्दे पर पार्टी नेतृत्व के खिलाफ खुलकर नाराजगी जताई। सुखेंदु शेखर राय ने दावा किया कि उन्होंने आरजी कर प्रकरण के बाद ही पार्टी छोड़ने का निर्णय ले लिया था, जिसे अब अमल में लाया गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में बढ़ते भ्रष्टाचार तथा जनता के भीतर बढ़ते असंतोष ने तृणमूल के पतन को अपरिहार्य बना दिया था।दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वह भविष्य में सक्रिय राजनीति से भी संन्यास लेने पर विचार कर सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के भीतर भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया था।

'पुष्पा' की गिरफ्तारी के बाद फलता में तृणमूल कार्यालय में तोड़फोड़, शराब की बोतलें और दस्तावेज मिलने का दावा

कोलकाता। दक्षिण 24 परगना जिला अंतर्गत फलता से तृणमूल कांग्रेस के पूर्व उम्मीदवार जहांगीर खान उर्फ पुष्पा की नेपाल सीमा से गिरफ्तारी की खबर सामने आते ही उनके कार्यालय में स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया। प्रदर्शनकारियों ने कार्यालय का शटर और ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया तथा वहां रखे सामान की तलाशी ली। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कार्यालय के भीतर से बड़ी संख्या में शराब की बोतलें और विभिन्न दस्तावेज बरामद हुए हैं। इसके बाद लोगों ने कार्यालय के कमरों और फर्नीचर की भी जांच की। हालांकि कुछ लोगों ने प्रदर्शनकारियों से केवल तलाशी लेने और किसी सामान को नुकसान नहीं पहुंचाने की अपील भी की।

बागी टीएमसी सांसदों लोकसभा स्पीकर को लिखा पत्र

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की बागी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने सोमवार को दावा किया कि कम से कम 20 सांसदों ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का समर्थन करने का फैसला किया है। इस संबंध में उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को अपनी स्थिति से अवगत करा दिया है। पश्चिम बंगाल के बारासात लोकसभा क्षेत्र की सांसद काकोली घोष ने बताया कि 20 सांसदों की ओर से पहले ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक पत्र भेजा जा चुका है, जिसमें केंद्र की सत्तारूढ़ राजग सरकार का समर्थन करने की इच्छा व्यक्त की गई है।

घोष ने कहा कि वे लोकसभा में टीएमसी की मुख्य सचेतक हैं और यह निर्णय अन्य सांसदों के साथ विचार-विमर्श के बाद लिया गया है। उन्होंने कहा कि उन्हें मुख्य सचेतक पद से हटाने का फैसला मनमाना और एकतरफा था। पार्टी अध्यक्ष ने भले ही मेरे स्थान पर किसी और की नियुक्ति की घोषणा कर दी हो, लेकिन इससे संवैधानिक और संसदीय स्थिति रातोंरात नहीं बदल जाती।

भविष्य में हमारी राजनीतिक दिशा राजग के साथ होनी चाहिए: काकोली घोष

हमने जनता के जनादेश को स्वीकार किया है। हमारा मानना है कि भविष्य में हमारी राजनीतिक दिशा राजग के साथ होनी चाहिए।

वर्तमान में संसद के दोनों सदनों में टीएमसी के कुल 40 सांसद हैं। टीएमसी के लोकसभा में 28 और राज्यसभा में 12 सदस्य हैं। सुखेंदु शेखर रॉय ने आज ही टीएमसी और राज्यसभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। बागी सांसदों ने केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव के साथ बैठक की है। इस संबंध में उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को अपनी स्थिति से अवगत करा दिया है। पश्चिम बंगाल के बारासात लोकसभा क्षेत्र की सांसद काकोली घोष ने बताया कि 20 सांसदों की ओर से पहले ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक पत्र भेजा जा चुका है, जिसमें केंद्र की सत्तारूढ़ राजग सरकार का समर्थन करने की इच्छा व्यक्त की गई है।

यमुना को पुनर्जीवित करने के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने ली बैठक

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को दिल्ली में यमुना पुनजीर्वीकरण (रिवाइवल) परियोजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि स्वच्छ और निर्मल यमुना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का संकल्प है। इसे शीघ्र पूरा करने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों को मिलकर कार्य करना होगा। बैठक में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल, दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता तथा दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश साहिब सिंह सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। गृह मंत्रालय में हुई इस बैठक में गृह मंत्री ने कहा कि दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सरकारों के साथ-साथ सभी संबंधित मंत्रालय यमुना की सफाई के लिए अलग-अलग नहीं बल्कि टीम भावना के साथ एकीकृत कार्ययोजना के तहत काम करें। हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश तीनों राज्य मिलकर यमुना नदी में मानक ईको-फ्लो सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि केवल संतोषजनक प्रयास नहीं, बल्कि ठोस और सटीक परिणाम दिखाई देने चाहिए। अमित शाह ने निर्देश दिया कि यमुना नदी की गाद निकासी (डी-सिल्टिंग) का कार्य तेजी से पूरा किया जाए तथा निकाली गई गाद का उपयोग विभिन्न विनिर्माण और विकास परियोजनाओं में किया जाए, ताकि बरसात के दौरान यह दोबारा नदी में न पहुंचे। उन्होंने कहा कि दिल्ली की डेयरियों से निकलने वाले अपशिष्ट को यमुना में जाने से रोकने के लिए नगर निगम (एमसीडी) और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इसके तहत डेयरियों और गौशालाओं से निकलने वाले गोबर को सीधे बायोगैस और जैविक खाद संयंत्रों तक पहुंचाया जाएगा। गृह मंत्री ने कहा कि एनडीडीबी मॉडल के तहत यमुना किनारे जमा होने वाले कचरे का भी वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन किया जाएगा।

भारत ने अफगानिस्तान को पारी और 300 रन से हराकर दर्ज की जीत

न्यू चंडीगढ़/एजेंसी

महाराजा यादविंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारतीय टीम ने ऐसा प्रदर्शन किया, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। सोमवार को अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र मुकाबले में भारत ने पारी और 300 रन से जीत दर्ज कर अपने इतिहास की सबसे बड़ी जीत हासिल कर ली। तीन दिन के भीतर समाप्त हुए इस मुकाबले में भारत हर विभाग में अफगानिस्तान पर पूरी तरह हावी रहा। बल्लेबाजी में विशाल स्कोर, गेंदबाजी में लगातार दबाव और मैदान पर बेहतरीन नियंत्रण ने इस जीत को ऐतिहासिक बना दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 564 रन बनाकर अपनी पारी घोषित की। शीर्ष क्रम ने मजबूत नींव रखी और मध्यक्रम ने उसे बड़े स्कोर में बदला। भारतीय बल्लेबाजों ने अफगान गेंदबाजों को पूरे मैदान में थकाया और विशाल बढ़त की भूमिका तैयार कर दी। जवाब में अफगानिस्तान की पहली पारी सिर्फ 152 रन पर सिमट गई। भारतीय स्पिन और तेज गेंदबाजों ने उन्हें संभलने का कोई मौका नहीं दिया। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल ने फॉलोऑन देने का फैसला किया। दूसरी पारी में भी अफगानिस्तान की कहानी नहीं बदली। भारतीय गेंदबाज लगातार सही लाइन और लेंथ पर हमला करते रहे और पूरी टीम केवल 112 रन पर ढेर हो गई।

दूसरी पारी में सुंदर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट लिए

भारत ने मुकाबला तीसरे दिन ही समाप्त कर दिया। दूसरी पारी में वाशिंगटन सुंदर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट लिए। उन्होंने बल्लेबाजी में भी अर्धशतक लगाया और मुकाबले के नायकों में शामिल रहे। जीत के बाद सुंदर ने कहा कि उन्हें शुरूआत से ही अपनी लय महसूस हो रही थी। उन्होंने कहा कि लंबे समय बाद इस प्रारूप में खेलकर अच्छा लगा और गेंद तथा बल्ले दोनों से योगदान देना संतोषजनक रहा।

भारत की पारी से सबसे बड़ी जीतें

पारी और 300 रन बनाम अफगानिस्तान, मुल्लांपुर (2026)
पारी और 272 रन बनाम वेस्टइंडीज, राजकोट (2018)
पारी और 262 रन बनाम अफगानिस्तान, बेंगलुरु (2018)
पारी और 239 रन बनाम बांग्लादेश, मीरपुर (2007)
पारी और 239 रन बनाम श्रीलंका, नागपुर (2017)

भारतीय धरती पर इससे बड़ी जीत केवल वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ 1958 में ईडन गार्डन्स में दर्ज की थी, जब भारत पारी और 336 रन से हारा था।

बंगाल में सीबीआई को फिर मिली ताकत, परमिशन की जरूरत नहीं

कोलकाता/एजेंसी

पश्चिम बंगाल सरकार ने सोमवार को बड़ा प्रशासनिक निर्णय लेते हुए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को राज्य में भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की जांच शुरू करने के लिए सामान्य सहमति या स्थायी अनुमति बहाल कर दी है। इस फैसले के बाद अब सीबीआई को ऐसे मामलों में जांच शुरू करने के लिए राज्य सरकार से अग्रिम अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं होगी। हालांकि, सरकार ने इस निर्णय में एक शर्त भी जोड़ी है। इसके तहत यदि मामला राज्य सरकार के किसी कर्मचारी या अधिकारी से जुड़ा हो, तो सीबीआई को जांच शुरू करने से पहले राज्य सरकार की अनुमति लेनी होगी। गौरतलब है कि, वर्ष 2018 में तत्कालीन तृणमूल कांग्रेस सरकार ने सीबीआई को दी गई यह सामान्य सहमति वापस ले ली थी। इसके बाद सीबीआई को पश्चिम बंगाल में किसी भी मामले में जांच शुरू करने के लिए या तो राज्य सरकार से अलग-अलग अनुमति लेनी पड़ती थी या फिर अदालत के आदेश पर ही जांच आगे बढ़ाई जा सकती थी।

यूरिया की कमी को लेकर पंजाब के 22 जिलों में किसानों का प्रदर्शन, केंद्र सरकार के फूंके पुतले

चंडीगढ़/एजेंसी

पंजाब में यूरिया खाद की कमी को लेकर किसानों ने सोमवार को राज्य के 22 जिलों में व्यापक विरोध प्रदर्शन किया। ऑल इंडिया किसान मजदूर मोर्चा (एआईकेएमएम) के आह्वान पर पंजाब समेत पांच राज्यों में चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत प्रदेश में करीब 74 स्थानों पर प्रदर्शन आयोजित किए गए। किसानों ने विभिन्न जिलों में केंद्र और राज्य सरकारों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतले फूंके और अपनी मांगों को लेकर रोष जताया। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि किसानों को इस समय यूरिया खाद की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बाजार में यूरिया की कालाबाजारी हो रही है और निजी दुकानों तथा सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को अधिक कीमतों पर खाद बेची जा रही है। पंधेर ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ खाद विक्रेता किसानों पर यूरिया देने के बदले नैनो यूरिया खरीदने का दबाव बना रहे हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि किसानों को पर्याप्त मात्रा में और उचित दरों पर यूरिया उपलब्ध कराया जाए ताकि खेती के कार्य प्रभावित न हों। किसान नेताओं ने डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस की लगातार बढ़ती कीमतों पर भी नाराजगी जताई और इसे खेती की लागत बढ़ाने वाला बताया।

सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि यह आंदोलन केवल यूरिया संकट तक सीमित नहीं है, बल्कि राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, पंजाब और हरियाणा में किसानों की जमीनों के कथित जबरन अधिग्रहण के विरोध में भी किया जा रहा है। उन्होंने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का भी विरोध करते हुए इसे रद्द करने की मांग की।

यह प्रदर्शन अमृतसर, बठिंडा, फिरोजपुर, गुरदासपुर, होशियारपुर, जालंधर, कपूरथला, लुधियाना, मोगा, पटियाला, रूपनगर, संगरूर, नवांशहर, श्री मुक्तसर साहिब, पठानकोट और तरनतारन सहित कई जिलों में आयोजित किए गए। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

झामुमो (इंडिया गठबंधन) प्रत्याशी बैद्यनाथ राम ने नामांकन दाखिल किया

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने विश्वास जताया उनका आभार- बैद्यनाथ राम

रांचीः राज्यसभा चुनाव में एक सीट पर झारखंड की सत्तारूढ़ दल झामुमो(महागठबंधन) के प्रत्याशी के तौर बैद्यनाथ राम ने सोमवार को अपना नामांकन दाखिल किया मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के साथ साथ छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी मौजूद थे। बैद्यनाथ राम द्वारा नामांकन दाखिल करने के बाद उनके रांची स्थित आवास में समर्थकों की भीड़ उमड़ रही है उन्हें बधाई देने के लिए।

बैद्यनाथ राम हुए भावुक मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को कहा धन्यवाद

विधानसभा परिसर में विधिवत रूप से अपना नामांकन दाखिल करने के बाद बैद्यनाथ राम ने रफ्तार मीडिया से बातचीत के दौरान भावुक होकर कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने एक पार पूजा मेरे पर भरोसा जताया है हमेशा मान सम्मान उन्होंने मुझे दिया इसके लिए आभार उन्होंने मुझ पर विश्वास जताया इसके लिए उनका बहुत बहुत आभार। उन्होंने बताया कि मेरा लक्ष्य है कि जनता का ज्यादा से ज्यादा काम कर सकूं इसे ओर सदैव तत्पर रहूंगा।

भाजपा का झामुमो पर परिवारवाद का आरोप हुआ निराधार

वहीं, बैद्यनाथ राम ने विपक्षी दल भाजपा पर तंज कसते हुए कहा की भाजपा के आरोप अब निराधार हो गए वे कहते थे झामुमो एक परिवारवाद पार्टी है लेकिन मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने एक सामान्य कार्यकर्ता को राज्यसभा उम्मीदवार बनाने का कार्य किया है। उन्होंने बताया यह सीट दिशोम गुरु शिबू सोरेन की थी जो खाली हुई इसलिए परिवार का सदस्य का दावा बनता था लेकिन एक अनुसूचित जाति के बेटे को सम्मान दिया गया जिससे विरोधियों के आरोप अब फेल हो गए।

पलामू प्रमंडल और लातेहर की जनता को दिया संदेश

बता दें, बैद्यनाथ राम पलामू प्रमंडल अंतर्गत लातेहर से प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और वे विधायक के बाद

हेमंत कैबिनेट में मंत्री भी रह चुके हैं। अब राज्यसभा चुनाव में झामुमो ने विश्वास जताया इसे लेकर बैद्यनाथ राम ने पलामू प्रमंडल और लातेहर के लोगों को संदेश देते हुए कहा कि जनता का सहयोग हमेशा प्राप्त हुआ है इसलिए आजादी के बाद पहली बार पलामू प्रमंडल से अनुसूचित जाति का व्यक्ति राज्यसभा जाएगा यह पलामू प्रमंडल के लिए गर्व की बात है।

पलामू में झामुमो संघठन को मजबूत करने में जुटा

राज्य के मुख्यमंत्री सह झामुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन द्वारा बैद्यनाथ राम को राज्यसभा चुनाव में उतारना मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है। बैद्यनाथ राम के राज्यसभा जाने से पलामू में भी झामुमो को सांगठनिक लाभ पहुंचेगी जिसे लेकर खुद बैद्यनाथ राम ने बताया की विधानसभा चुनाव में भी मैं और मिथिलेश ठाकुर पूर्व में प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और संजोग है कि इस बार हल्के मार्जिन से पीछे रह गए थे लेकिन वह अवसर फिर आएगा की पलामू प्रमंडल में एक बार फिर से झामुमो का झंडा लहरायेगा।

भाजपा पर साधा गया निशाना

राज्यसभा चुनाव में दूसरे सीट के लिए राज्य की मुख्य विपक्षी दल भाजपा और एनडीए ने उद्योगपति परिमल नाथवानी को उम्मीदवार बनाया है। इस पर चुटकी लेते हुए बैद्यनाथ राम ने कहा कि भाजपा के लिए इसे बड़ा दुर्भाग्य क्या हो सकता हैं कि जो पार्टी विश्व की सबसे पार्टी होने का दावा करती है जिसके राष्ट्रीय अध्यक्ष रांची में दो दिनों तक रहते हैं उसके बावजूद यह अधिकृत प्रत्याशी का घोषणा नहीं कर पाए और पैराशूट प्रत्याशी के साथ आज उनके कुछ विधायक नजर आए हैं।

झारखंड में कोई घोड़ा बिकाऊ नहीं- बैद्यनाथ राम

बैद्यनाथ राम ने हॉर्स ट्रेडिंग के मुद्दे पर कहा कि भाजपा जीतने भी प्रयास करले लेकिन हॉर्स ट्रेडिंग यानी कि राज्यसभा चुनाव में पैसों के बल पर जीत हासिल नहीं कर सकती। उन्होंने बताया झारखंड में अब कोई घोड़ा नहीं बिकेगा जिस कारण राज्यसभा की दोनों सीटों में महागठबंधन का परचम लहराएगा।

शिकारीपाड़ा 'आपनार आत्तो कामी कार्यक्रम 2.0' शिविर का हुआ आयोजन, जुटे कई अधिकारी।

शिकारीपाड़ा/दुमका/ रफ्तार मीडिया।

झारखंड सरकार के श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के तत्वावधान में अवर प्रादेशिक नियोजनालय-सह-मॉडल करियर सेंटर, दुमका द्वारा वर्ष 2026 के अंतर्गत 'आपनार आत्तो कामी कार्यक्रम 2.0' के तहत एक विशेष शिविर का शिकारीपाड़ा प्रखंड के सीमानीजोड़ में भव्य आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य स्थानीय युवाओं और ग्रामीणों को रोजगार, स्वरोजगार और कौशल विकास से जुड़ी विभिन्न सरकारी व कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना था।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम को सफल बनाने और ग्रामीणों का मार्गदर्शन करने के लिए कई प्रशासनिक अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित हुए। शिविर में प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, स्थानीय मुखिया तथा श्रम विभाग के कर्मियों सहित अन्य गणमान्य लोगों ने अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। उपस्थित अधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर और संबोधन के जरिए कार्यक्रम की रूपरेखा सामने रखी।

शिविर के दौरान श्रम विभाग के कर्मियों और उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों और निबंधन की प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने स्थानीय युवाओं को जागरूक करते हुए सरकार की इन योजनाओं का बढ़-चढ़कर लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया ताकि क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा हो सकें। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण और युवा मौजूद रहे, जिन्होंने इस शिविर का भरपूर लाभ उठाया।

ब्राह्मणडीहा में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, सड़क कब्जामुक्त कराई गई

जितेंद्र कुमार दास/रफ्तार मीडिया

तोपचांची थाना क्षेत्र के ब्राह्मणडीहा ओवरब्रिज के नीचे सोमवार को पुलिस ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाकर सड़क को कब्जामुक्त कराया। थाना प्रभारी लव कुमार के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान का उद्देश्य यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाना और भविष्य में किसी भी प्रकार के विवाद तथा दुर्घटना की संभावना को रोकना था।

गौरतलब है कि रविवार रात ओवरब्रिज के नीचे वाहन पार करने को लेकर दो गुटों के बीच विवाद और कहासुनी की घटना हुई थी। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने स्थिति का जायजा लिया और पाया कि पुल के नीचे सड़क किनारे फल, सब्जी तथा अन्य सामानों के ठेले लगाए जाने के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा है। कई बार सड़क पर ही वाहनों की पार्किंग भी कर दी जाती है, जिससे जाम की समस्या उत्पन्न होती है।

सोमवार सुबह थाना प्रभारी लव कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और सड़क पर लगे ठेलों एवं अस्थायी दुकानों को हटवाया। इस दौरान दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश

दिया गया कि वे सड़क पर दुकान लगाने के बजाय दीवार के किनारे व्यवस्थित तरीके से अपनी दुकानें लगाएं, ताकि यातायात बाधित न हो और आम लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

थाना प्रभारी ने कहा कि सड़क सार्वजनिक उपयोग के लिए होती है और उस पर अतिक्रमण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सड़क पर दुकानें लगने और वाहनों के खड़े रहने से अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है, जिससे राहगीरों, स्कूली बच्चों और वाहन चालकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। साथ ही किसी भी समय बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है।

पुलिस ने दुकानदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भविष्य में दोबारा सड़क पर अतिक्रमण किया गया तो संबंधित लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की पहल का समर्थन किया और कहा कि ओवरब्रिज के नीचे सड़क खाली रहने से आवागमन पहले की अपेक्षा अधिक सुगम होगा।

पुलिस की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सामान्य रही और सड़क जाम की समस्या से लोगों को राहत मिली। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण के खिलाफ आगे भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे।

राज्यसभा चुनाव हेतु भाजपा समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी श्री परिमल नाथवानी ने किया नामांकन दाखिल

रांची, झारखंड।

राज्यसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नाथवानी ने आज झारखंड विधानसभा सचिवालय में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस अवसर पर भाजपा के अनेक वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे और उन्हें शुभकामनाएँ प्रदान कीं।

नामांकन के दौरान हटिया के माननीय विधायक नवीन जायसवाल तथा अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों ने श्री नाथवानी का उत्साहवर्धन किया।

सभी नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि उनका अनुभव, दूरदर्शिता एवं जनसेवा के प्रति समर्पण झारखंड को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

श्री परिमल नाथवानी उद्योग, खेल, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सेवा

के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। राज्यसभा सदस्य के रूप में अपने पूर्व कार्यकाल में उन्होंने झारखंड के विकास से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों को संसद में प्रभावी ढंग से उठाया तथा राज्यहित में निरंतर कार्य किया।

भाजपा एवं सहयोगी दलों के समर्थन से उनकी उम्मीदवारी को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हो रहा है। पार्टी कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में उत्साह का वातावरण है और सभी को उनकी विजय का पूर्ण विश्वास है।

झारखंड के विकास, सुशासन एवं जनकल्याण के संकल्प के साथ यह नामांकन राज्य के लिए नई संभावनाओं और नई सौगातों का संदेश लेकर आया है। प्रदेशवासियों का स्नेह, आशीर्वाद एवं सहयोग निश्चित रूप से झारखंड को विकास के नए आयाम तक पहुँचाने में सहायक होगा।

माता वैष्णो देवी की असीम कृपा एवं समस्त झारखंडवासियों के आशीर्वाद से श्री परिमल नाथवानी की ऐतिहासिक विजय सुनिश्चित होगी। हम उन्हें राज्यसभा चुनाव हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ एवं अग्रिम बधाई देते हैं तथा उनके सफल, जनहितकारी एवं विकासोन्मुखी कार्यकाल की मंगलकामना करते हैं।

जय माता दी।

भारत माता की जय।

राकेश कुमार सिंह चंदेल

समाजसेवी एवं भाजपा कार्यकर्ता

रांची, झारखंड

अजय नदी किनारे अवैध खनन पर पुलिस की बड़ी कार्यवाही : रूपनारायणपुर में चार खदान माफिया गिरफ्तार, एक फरार

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन

अवैध पत्थर खनन और राष्ट्रीय संपदा की लूट पर अंकुश लगाने के लिए रूपनारायणपुर पुलिस ने शनिवार देर रात बड़ी कार्रवाई की। केंद्रीय बलों के साथ चलाए गए विशेष अभियान में पुलिस ने चार खदान संचालकों को गिरफ्तार किया। एक आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जितपुर-उत्तररामपुर और कल्या पंचायत क्षेत्रों में संचालित पत्थर खदानों के खिलाफ अवैध खनन, विस्फोटकों के उपयोग और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने की शिकायतें लंबे समय से मिल रही थीं। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर मामला दर्ज कर विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान रंजीत सिंह, विषम राय, मधुसूदन मंडल और राकेश कुमार सिंह उर्फ योगिंदर को गिरफ्तार किया गया। मिहिर घोष फरार हो गया। जानकारी के मुताबिक जितपुर की तीन, कल्या की एक तथा नामोकेशिया की एक खदान को लेकर लगातार शिकायतें आ रही थीं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अजय नदी के समीप नियमों की अनदेखी कर विस्फोट से पत्थर निकाले जा रहे थे। इससे नदी के प्राकृतिक प्रवाह पर प्रतिकूल असर पड़ा और कई जगह गहरे, खतरनाक गड्ढे बन गए हैं। क्षेत्र की संरचनाओं और पर्यावरण पर भी दुष्प्रभाव पड़ा है।

कृष्ण-सुदामा की मित्रता का अमर संदेशः सच्ची दोस्ती में नहीं होता धन-दौलत का महत्व

रॉची नगर में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का हुआ समापन, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

रॉची – श्री अग्रसेन भवन अपर बाजार में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के बीच विश्राम हो गया। समापन दिवस पर कथा व्यास आचार्य पं अश्विनी मिश्र ने भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की अमर मित्रता का भावपूर्ण प्रसंग सुनाकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। और उन्होंने सात दिवसीय कथा का संक्षिप्त व्याख्यान दिया सनातन धर्म, द्रौपदी के चीर हरण, छल कपट, ग्रहस्थ जीवन, बेटियों के स्नेह, न्याय व्यवस्था पर भी प्रकाश डाला।

कथावाचक ने कहा कि सच्ची मित्रता कभी धन, पद, प्रतिष्ठा या वैभव पर आधारित नहीं होती, बल्कि उसका वास्तविक आधार प्रेम, विश्वास, सम्मान और समर्पण होता है। उन्होंने श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता का उदाहरण देते हुए बताया कि विपरीत परिस्थितियों और गरीबी के बावजूद सुदामा ने कभी अपनी मित्रता का लाभ उठाने का प्रयास नहीं किया तथा अपने स्वाभिमान और मित्रता की गरिमा को बनाए रखा।

उन्होंने कहा कि द्वारकाधीश बनने के बाद भी भगवान श्रीकृष्ण अपने बाल सखा सुदामा को नहीं भूले। जब सुदामा द्वारका पहुंचे तो श्रीकृष्ण ने उन्हें गले लगाकर सम्मान दिया और पूरी दुनिया के सामने सच्ची मित्रता का आदर्श प्रस्तुत किया।

कथावाचक ने कहा कि सच्चा मित्र वही होता है जो सुख-दुख में साथ निभाए, विपरीत परिस्थितियों में भी मित्र का सम्मान बनाए रखे और कभी उसका साथ न छोड़े। उन्होंने कहा कि कृष्ण-सुदामा की मित्रता आज भी समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है।इस दौरान सांवरिया है सेठ म्हारी राधा सेठानी है..... काली कमली वाला मेरा यार है मेरा मनमोहन मुरली वाला है..... जैसे भजनों पर श्रद्धालु भक्त के सागर में गोता लगाते रहे। इस दौरान राधे राधे से पुरा कार्यक्रम स्थल गुंजता रहा। आगे उन्होंने कहा कि लोगों में नफरत बढ़ रही है डाकघर प्रेम के कारण चलता था। और कचहरी नफरत कि बजह से चलती है। और वर्तमान में डाकघर कम हो रहें हैं और नफरत बढ़ने से प्रेम कम हो रहा है। सबसे अधिक पुण्य कमाने वाले मंत्री, चिकित्सक और शिक्षक ये सभी देश का निर्माण करते हैं। इनको अपने कर्म पूरे ईमानदारी से करने चाहिए तभी बिकास होगा। कार्यक्रम के समापन पर हवन पूजन किया गया। भागवत का मुलपाठ आचार्य बिष्णु शर्मा ने सहयोग देवनारायण शास्त्री,अमन शर्मा, संगीत की प्रस्तुति नेहाल शर्मा,अमन झा, प्रताप कुमार, लव कुश शर्मा ने दिया। कार्यक्रम में सुदामा कि भुमिका में कृत अग्रवाल, कृष्ण की भुमिका में पलक अग्रवाल, और रुक्मिणी कि भुमिका में रिद्धि मंगल ने निभाई।

कथा के समापन पर श्रद्धालुओं के बीच सुमन अरविन्द कुमार मंगल, मेद्या अर्पित मंगल द्वारा प्रसाद का वितरण किया गया। पूरे कथा स्थल पर भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना रहा तथा श्रद्धालुओं ने धर्म लाभ प्राप्त किया।

इस अवसर पर पदमा देवी, रेणु मंगल,आशा मंगल,आशा देवी,सरिता देवी, अंजना देवी, रेखा देवी, पिस्ता अग्रवाल, सुशीला देवी,निर्मला गोयल, वीणा देवी,पिंकी अग्रवाल, पायल अग्रवाल, अनीता देवी, विनीता केजरीवाल, दीपाली भदानी, संजय अग्रवाल, सुशील अग्रवाल, शुभाष मंगल, अरविन्द चौधरी, विनोद अग्रवाल, केदारमल अग्रवाल, मुरारी लाल, दामोदर अग्रवाल, जगदीश अग्रवाल, पंडित रत्नेश मिश्रा और गोपाल मिश्रा, वैदिक अग्रवाल सहित

बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे। कथा के समापन के साथ ही राधे -राधे के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

बोकारो की बेटियों ने जीता गोल्ड, बेटों ने जीता सिल्वर

26वीं सब-जूनियर झारखंड राज्य बास्केटबॉल चैंपियनशिप में बोकारो का शानदार प्रदर्शन

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

झारखंड बास्केटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित 26वीं सब-जूनियर झारखंड राज्य बास्केटबॉल चैंपियनशिप में बोकारो जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन (इऊइअ) ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए पूरे राज्य में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रतियोगिता में बोकारो की बालिका टीम ने स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) जीतकर राज्य चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया, जबकि बालक टीम ने रजत पदक (सिल्वर मेडल) हासिल कर जिले का नाम रोशन किया।

बेटियां बनीं झारखंड की चैंपियन

अंडर-13 बालिका वर्ग में बोकारो की टीम ने पूरे टूनार्मेंट में शानदार खेल, अनुशासन और बेहतरीन टीमवर्क का प्रदर्शन किया। सेमीफाइनल मुकाबले में बोकारो ने टाटा स्टील की टीम को एकतरफा मुकाबले में 31-07 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया।

फाइनल मुकाबले में जमशेदपुर की मजबूत टीम के खिलाफ बोकारो की खिलाड़ियों ने आत्मविश्वास और उत्कृष्ट कौशल का परिचय देते हुए 31-23 से जीत दर्ज की और चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम कर ली। इस जीत के साथ बोकारो की बेटियां झारखंड की नई चैंपियन बन गईं।

टीम की इस ऐतिहासिक सफलता में सेजल, ऋचा, इशिका, प्राची, प्रिया, एकता, शिवांजलि, सोनाक्षी, वेदिका, वृष्टि एवं आकांक्षा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्राची सिन्हा को पूरे चैंपियनशिप में खेल प्रदर्शन के दाम पे बेस्ट प्लेयर पर कब्जा किया ।वही अपने शानदार खेल के दाम पर और अनुभव , स्किल से श्री अय्यप्पा स्कूल की सेजल सिंह ने पूरे टूनार्मेंट पे अपना पक्कड़ बनाई रखा और बोकारो को गोल्ड दिलवाया

खिलाड़ियों ने पूरे टूनार्मेंट में शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों और खेल प्रेमियों का दिल जीत लिया।

बालिका टीम की सफलता के पीछे कोच किंकर कृष्णा का समर्पित मार्गदर्शन तथा मैनेजर प्रियांशु की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके नेतृत्व में खिलाड़ियों ने कठिन परिस्थितियों में भी बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्णिम सफलता हासिल की।

लड़कों ने जीता सिल्वर, दिल जीतने वाला प्रदर्शन

अंडर-13 बालक वर्ग में भी बोकारो जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। सेमीफाइनल मुकाबले में बोकारो का सामना साहिबगंज से हुआ। रोमांचक मुकाबले में बोकारो के खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाते हुए 58-27 से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया।

फाइनल मुकाबले में बोकारो की टीम का सामना दमका (दुमका) की मजबूत टीम से हुआ। कड़े संघर्ष और बेहतरीन खेल के बावजूद बोकारो की टीम जीत दर्ज नहीं कर सकी और उपविजेता रही। हालांकि खिलाड़ियों के जुझारू प्रदर्शन और खेल भावना ने वहां मौजूद दर्शकों का दिल जीत लिया। टीम ने रजत पदक (सिल्वर मेडल) प्राप्त कर जिले को गौरवान्वित किया। बालक टीम के खिलाड़ीः

कृष्णा, नवीन, आशीष, अभि, शिवम, गैरी, अंशुमान, केशव, अयान, वंश, रियांश एवं अश्वनी।

अपने शानदार खेल के दाम से बोकारो के नवीन कुमार को बेस्ट प्लेयर अवार्ड से नवाजा गया ।

बालक टीम के कोच किंकर कृष्णा एवं निशांत तथा मैनेजर प्रत्यूष ने खिलाड़ियों का सफल नेतृत्व किया और टीम को फाइनल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

पूरे बोकारो जिला बास्केटबॉल संघ में खुशी की लहर

इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद पूरे बोकारो जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन में उत्साह और खुशी का माहौल है। संघ के पदाधिकारियों, प्रशिक्षकों, खिलाड़ियों, अभिभावकों और खेल प्रेमियों ने इस सफलता को बोकारो बास्केटबॉल के इतिहास का स्वर्णिम क्षण बताया।

संघ के अध्यक्ष सतेन्द्र नारायण सिंह, उपाध्यक्ष बाल्मीकि पाठक, सचिव कन्हैया प्रसाद, तकनीकी चेयरमैन अमित कुमार, वाइस प्रेसिडेंट रंजन दुबे, ज्वाइंट सेक्रेटरी तथा संघ के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने खिलाड़ियों, कोचों और मैनेजरों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि अंडर-13 वर्ग के इन बच्चों ने केवल एक प्रतियोगिता नहीं जीती है, बल्कि पूरे जिले के लिए एक नई मिसाल कायम की है। उन्होंने साबित कर दिया है कि मेहनत, अनुशासन, समर्पण और सही प्रशिक्षण के दम पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में यही खिलाड़ी राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर बोकारो तथा झारखंड का नाम और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।

बोकारो बास्केटबॉल के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि

बोकारो की बेटियों द्वारा जीता गया गोल्ड मेडल और बेटों द्वारा हासिल किया गया सिल्वर मेडल पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है। यह सफलता केवल पदकों तक सीमित नहीं है, बल्कि बोकारो बास्केटबॉल के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है।"अंडर-13 की चैंपियन बेटियां बनीं बोकारो की शान, जबकि बेटों ने सिल्वर जीतकर बढ़ाया जिले का मान। पूरे बोकारो में जीत का जश्न और खिलाड़ियों पर गर्व का माहौल है।"

डीपीएस बोकारो के पूर्व छात्र डॉ. विजय को राष्ट्रीय मेडिकल परीक्षा में देशभर में पहला स्थान

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो से निकली एक और होनहार प्रतिभा ने इस शहर और राज्य का परचम राष्ट्रीय स्तर पर लहराया है। हम बात कर रहे हैं विद्यालय के पूर्व छात्र डॉ. विजय मनोहर की, जिन्होंने जीवन के चुनौतीपूर्ण क्षण को अपनी प्रेरणा का स्रोत बनाया और देशभर में अपनी कामयाबी का डंका बजाया। विद्यालय के 2014 बैच के विद्यार्थी डॉ. विजय मनोहर ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली की ओर से आयोजित राष्ट्रीय स्तर की मेडिकल प्रवेश परीक्षा आईएनआई-एसएस यानी इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल इम्पोर्टेंस सुपर स्पेशियलिटी एग्जाम 2026 में देशभर में पहला स्थान प्राप्त किया। उन्होंने एमसीएच रीनल ट्रांसप्लांट सर्जरी की अखिल भारतीय परीक्षा में रैंक 1 पाई। इसके लिए पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ में केवल एक सीट है और डॉ. विजय ने इसके लिए जी-तोड़ पढ़ाई कर राष्ट्रीय स्तर पर पहला स्थान हासिल करते हुए अपना दाखिला सुनिश्चित किया। अब गुर्दा-प्रत्यारोपण शल्यक्रिया की यह चिकित्सकीय पढ़ाई वह अगले तीन साल तक कर इस क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को नया आयाम दे सकेंगे।

उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में हर्ष है। प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने डॉ. विजय को बधाई देते हुए उनकी इस कामयाबी को गौरवपूर्ण तथा सभी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया। कहा कि विद्यालय में छात्र-छात्राओं के समग्र विकास, शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन और विद्यार्थियों की अपनी मेहनत है, जो यहां से निकले ऐसे हीरे आज राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर अपनी चमक बिखेर रहे हैं।

एक खास बातचीत में डॉ. विजय ने कहा कि कोरोनाकाल उनके जीवन के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण और जीवन का यू-टर्न साबित हुआ। उस वक्त वह बोकारो में थे और महामारी के इस दौर में लोगों को जिस चिकित्सकीय संकट का सामना करना पड़ रहा था, उसने उन्हें काफी प्रभावित किया। उस दौरान ही उन्होंने मानवता की सेवा के संकल्प के साथ ठान लिया कि जीवन में उन्हें और आगे बढ़ते हुए अपनी चिकित्सकीय क्षमता बढ़ानी है, ताकि वे ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभान्वित कर सकें। इस दिशा में उन्होंने सभी के सहयोग से मेहनत की और आज परिणाम सामने है।

डीपीएस बोकारो में चेनाब हाउस का छात्र रहे डॉ. विजय ने बताया कि अपने स्कूल ने हमेशा ही उन्हें बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया। यहां शिक्षकों का सहयोग, मित्रों का साथ, स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण और विद्यार्थियों के चतुर्दिक विकास का जो माहौल मिला, वह काफी कारगर साबित हुआ। यह उनके जीवन के लिए लांचपैड बना और सपनों को नई उड़ान मिली। अपनी कामयाबी का श्रेय उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों के साथ-साथ अपने माता-पिता, अपनी बड़ी बहन और मित्रों के सहयोग को दिया है। 2012 में उन्होंने 10वीं में 10 सीजीपीए तथा 2014 में 12वीं में 88 प्रतिशत अंकों के साथ सफलता पाई थी। बचपन से ही मेडिकल क्षेत्र में जाने की इच्छा थी, इसलिए अपने पसंदीदा विषय बायोलॉजी में परिश्रम किया। डीपीएस बोकारो से निकलकर रिम्स से 2019 में एमबीबीएस और 2025 में जनरल सर्जरी में जयपुर गोल्डन हॉस्पिटल, दिल्ली से जनरल सर्जरी में डीएनबी की डिग्री अर्जित की। चीराचास के वास्तु विहार, फेज- 2 निवासी सेवानिवृत्त इस्पातकर्मी श्रीनिवास राव और गृहिणी अनुराधा के पुत्र डॉ. विजय अब यूरोलॉजी अथवा नेफ्रोलॉजी में सुपर स्पेशलाइजेशन के बाद उच्च प्रशिक्षित सर्जन के रूप में अपना योगदान दे सकेंगे। उनके पिता श्री राव ने कहा कि विजय बचपन से ही पढ़ाई में काफी मेधावी थे।

परियोजनाओं में तेजी के लिए उपायुक्त ने कसी लगाम, मुआवजा भुगतान के दिए सख्त निर्देश

लातेहार, संवाददाता।

उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभागार में आधारभूत संरचना एवं भू-अर्जन से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति और बाधाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। उपायुक्त ने बनहर्दी कोल ब्लॉक, पीवीयूएनएल, पथ निर्माण विभाग, एनएमएल तथा एनटीपीसी समेत अन्य परियोजनाओं के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान एफआरए, एनओसी, जमीन अधिग्रहण सहित लंबित मामलों की जानकारी ली गई। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी लंबित मामलों पर शीघ्र कार्रवाई कर उनका निष्पादन सुनिश्चित करें। बैठक में विभिन्न परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित की गई जमीन के लंबित मुआवजा भुगतान की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि रैयतों को मुआवजा राशि का भुगतान जल्द से जल्द किया जाए, ताकि परियोजनाओं में अनावश्यक विलंब न हो। इसके अलावा उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों से उनके क्षेत्र में संचालित परियोजनाओं की अंचलवार रिपोर्ट ली। उन्होंने भूमि संबंधी मामलों में त्वरित कार्रवाई कर ससमय निष्पादन करने का निर्देश दिया। बैठक में अपर समाहर्ता सलमान जफर खिजरी, एलआरडीसी प्रभात कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी दिनेश कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी उमेश मंडल, नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी राजीव रंजन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन के अलावा सभी अंचल अधिकारी, कोल कंपनियों के अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बिजली-पानी संकट और महंगाई पर सरकार घिरी, सोनू खलखो ने उठाए जनहित के मुद्दे

वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर रांची

रांची// झारखंड में गहराते बिजली-पानी संकट, बढ़ती महंगाई और बेमौसम बारिश से फसल नुकसान को लेकर रांची की पूर्व मेयर प्रत्याशी सोनू खलखो ने सरकार पर निशाना साधा है। रविवार को प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि आम लोग बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं और सरकार सिर्फ घोषणाओं तक सीमित है।

सोनू खलखो ने कहा, राजधानी रांची समेत पूरे झारखंड में बिजली कटौती से लोग बेहाल हैं। 18-20 घंटे की अघोषित कटौती हो रही है। ऊपर से पानी का संकट गहराता जा रहा है। कई मोहल्लों में हफ्तों से पानी नहीं आया।

उन्होंने महंगाई का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सब्जी, दाल, तेल और गैस सिलेंडर के दाम आसमान छू रहे हैं। ह्लगरीब और मध्यम वर्ग का घर चलाना मुश्किल हो गया है। सरकार महंगाई पर नियंत्रण में पूरी तरह विफल है।

किसानों की फसल बर्बाद, मुआवजा नहीं

खलखो ने बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से किसानों को हुए नुकसान पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, ह्लपिछले हफ्ते हुई बारिश और ओलों से गुमला, लोहरदगा, खूंटी, सिमडेगा में सब्जी और दलहन की फसल चौपट हो गई है। खेतों में पानी भर गया। लेकिन अब तक न सर्वे हुआ, न मुआवजे की घोषणा।

उन्होंने मांग की कि सरकार तुरंत विशेष टीम भेजकर फसल नुकसान का आकलन कराए और किसानों को प्रति एकड़ मुआवजा दे। साथ ही बिजली-पानी की व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए ठोस कदम उठाए।

तीन सूत्री मांग:

1. बिजली-पानी: रोस्टर जारी कर शहरी-ग्रामीण इलाकों में निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित हो।
2. महंगाई: खाद्य पदार्थों की कीमतों पर नियंत्रण के लिए टास्क फोर्स बने।
3. किसान: ओलावृष्टि से बर्बाद फसल का 72 घंटे में सर्वे कर तत्काल मुआवजा दिया जाए।

सोनू खलखो ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने 7 दिन में जनहित के इन मुद्दों पर कार्रवाई नहीं की तो सड़क पर उतरकर आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता की आवाज को दबने नहीं दिया जाएगा।

राजगंज में सर्पदंश से मजदूर की मौत, परिवार का इकलौता कमाऊ सदस्य छिनने से पसरा मातम

रस्फ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद: राजगंज थाना क्षेत्र के बरदार गांव में रविवार रात एक दर्दनाक हादसे में 38 वर्षीय कामदेव सिंह की सांप काटने से मौत हो गई। इस घटना के बाद से पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है और पीड़ित परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक अपने पीछे बिलखते परिजनों को छोड़ गए हैं, जिनके सामने अब आजीविका का बड़ा संकट खड़ा हो गया है।जमीन पर सो रहे थे कामदेव, सांप ने हाथ को जकड़ाप्राप्त जानकारी के अनुसार, बरदार निवासी कामदेव सिंह रोज की तरह रविवार रात को अपने घर के कमरे में जमीन पर बिस्तर लगाकर सो रहे थे। देर रात एक जहरीला काला सांप (करैत या कोबरा होने की आशंका) कमरे में घुस आया और उनके हाथ पर काट लिया। जहर के असर और दर्द से तड़पते कामदेव ने देखा कि सांप ने उनके हाथ को बुरी तरह जकड़ रखा था। उन्होंने किसी तरह हिम्मत जुटाकर खुद को सांप के चंगुल से छुड़ाया और जोर-जोर से चिल्लाने लगे। उनकी आवाज सुनकर परिवार के अन्य सदस्य दौड़कर कमरे में पहुंचे, जहां कामदेव ने उन्हें पूरी बात बताई।अस्पताल में इलाज के दौरान तोड़ा दम परिजनों ने बिना समय गंवाए कामदेव को तुरंत धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) पहुंचाया। अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में डॉक्टरों ने तुरंत उनका इलाज और एंटी-स्नेक वेनम (एएसवी) देना शुरू किया। हालांकि, सांप बेहद जहरीला होने के कारण जहर उनके पूरे शरीर में फैल चुका था। उनकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई और आखिरकार सोमवार सुबह इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों के मुताबिक, अस्पताल लाने में थोड़ी भी देरी और शरीर में जहर फैलना मौत का मुख्य कारण बना।आर्थिक संकट में फंसा परिवार ग्रामीणों ने बताया कि कामदेव सिंह एक दिहाड़ी मजदूर थे। वह रोज मेहनत-मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। वह अपने घर के मुख्य कमाऊ सदस्य थे। उनकी असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और उनके सामने अब दो वक्त की रोटी का संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से पीड़ित परिवार को अविलंब सरकारी मुआवजा देने की मांग की है।मृतक के भाई रमेश सिंह ने कहा"रात को सब शांत था, तभी अचानक भाई के चिल्लाने की आवाज आई। हम लोग भागकर कमरे में गए तो देखा कि एक काले सांप ने उनका हाथ पकड़ रखा था। हम घबरा गए, लेकिन तुरंत गाड़ी का इंतजाम कर उन्हें धनबाद के एसएनएमएमसीएच अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की, लेकिन सुबह भाई हमें छोड़कर चले गए। वह मजदूरी करके हम सबका पेट पालते थे। अब हमारे घर का दीया बुझ गया है, समझ नहीं आ रहा कि आगे हमारा परिवार कैसे जिएगा।"– रमेश सिंह, मृतक के भाई

धनबाद में बीसीसीएल के सेवानिवृत्त कर्मी से 35.5 लाख की साइबर ठगी, न्याय के लिए रणधीर वर्मा चौक पर परिवार का अनिश्चितकालीन अनशन

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद। बीसीसीएल से रिटायर हुए एक बुजुर्ग कर्मी की जीवनभर की गाढ़ी कमाई शातिर ठगों ने साफ कर दी। फर्जी हस्ताक्षर और जाली चेक के सहारे पीएफ खाते से 35 लाख 50 हजार रुपये की अवैध निकासी का मामला सामने आया है। पुलिस अब तक महज 3.5 लाख रुपये ही बरामद कर पाई है। शेष 32 लाख रुपये की रिकवरी और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पीड़ित वासदेव ठाकुर अपने परिवार के साथ सोमवार से रणधीर वर्मा चौक पर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठ गए हैं।जालसाजी: जाली चेक और फर्जी दस्तखत से उड़ाए पैसे लोयाबाद थाना क्षेत्र के रहने वाले वासदेव ठाकुर अक्टूबर 2025 में बीसीसीएल से सेवानिवृत्त हुए थे। रिटायरमेंट के बाद उन्हें भविष्य निधि (पीएफ) मद में 35.5 लाख रुपये मिले थे। पीड़ित का आरोप है कि बैंक कर्मियों और स्थानीय

दलालों की मिलीभगत से उनके खाते पर हाथ साफ किया गया। ठगों ने फर्जी चेक तैयार किए और जाली दस्तखत के जरिए पूरी रकम बैंक से निकाल ली। मामले का खुलासा होने के बाद बैंक मोड़ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।अंतरराज्यीय कनेक्शन: मणिपुर और तेलंगाना भेजे गए पैसे पुलिस जांच में सामने आया है कि ठगी गई इस बड़ी रकम का मुख्य हिस्सा झारखंड से बाहर ट्रांसफर किया गया। शातिरों ने पैसे खपाने के लिए मणिपुर और तेलंगाना के अलग-अलग बैंक खातों का इस्तेमाल किया। पुलिस ने तकनीकी सेल की मदद से जांच आगे बढ़ाते हुए करीब 3.5 लाख रुपये फ्रीज और रिकवर कराए हैं। हालांकि, ठगी गई कुल राशि के मुकाबले यह बरामदगी बहुत छोटी है।बेनतीजा जांच से परेशान होकर अनशन का रास्ता पीड़ित परिवार का कहना है कि घटना को कई महीने बीत चुके हैं, लेकिन बैंक मोड़ पुलिस शेष 32 लाख रुपये बरामद करने और मुख्य आरोपियों को दबोचने में नाकाम रही है। थक-हारकर बुजुर्ग सेवानिवृत्त कर्मी को अपनी पत्नी और बच्चों के साथ सड़क पर उतरना पड़ा। अनशनकारियों ने साफ कहा है कि जब तक उनकी पूरी राशि वापस नहीं मिलती और मिलीभगत करने वाले बैंक कर्मियों व दलालों को जेल नहीं भेजा जाता, तब तक उनका आमरण अनशन जारी रहेगा।क्या कहा अनशनकारियों ने, रिटायरमेंट के बाद यही पैसा हमारे बुढ़ापे का एकमात्र सहारा था। ठगों ने बैंक वालों के साथ मिलकर सब लूट लिया। पुलिस ने सिर्फ साढ़े तीन लाख रुपये दिलाए हैं। बाकी के 32 लाख रुपये जब तक वापस नहीं मिलेंगे, हम अनशन से नहीं उठेंगे।"– वासदेव ठाकुर, भुक्तभोगी"यह सीधे तौर पर एक बुजुर्ग और सीधे-साधे इंसान की गाढ़ी कमाई पर डाका है। इसमें बैंक के अंदरूनी लोगों का हाथ होने की पूरी आशंका है। प्रशासन को तुरंत संज्ञान लेकर पूरे पैसे रिकवर कराने चाहिए।"– जगत महतो, स्थानीय निवासी

"भाजपा ने राज्यसभा चुनाव को बनाया धनबल का खेल, अपने नेताओं पर नहीं रहा भरोसा" : कांग्रेस

(वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर)

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने राज्यसभा चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी को भारतीय जनता पार्टी द्वारा समर्थन दिए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि भाजपा का यह निर्णय लोकतांत्रिक मूल्यों के बजाय "थैलीशाही" और धनबल की राजनीति को बढ़ावा देने वाला है।

उन्होंने ने कहा कि भाजपा का यह कदम इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि उसे अब अपने ही नेताओं, कार्यकताओं और संगठन पर भरोसा नहीं रह गया है। जिस पार्टी के पास देश और राज्य में बड़ा संगठन होने का दावा है, वह यदि राज्यसभा चुनाव में अपना उम्मीदवार खड़ा करने के बजाय एक निर्दलीय उम्मीदवार के पीछे खड़ी होती है, तो यह उसके आत्मविश्वास की कमी और राजनीतिक दिवालियापन को दशार्ता है।

सिन्हा ने आरोप लगाया कि भाजपा लगातार विचारधारा और सिद्धांतों की राजनीति की बात करती है, लेकिन व्यवहार में वह धनबल और प्रभावशाली व्यक्तियों के सहारे राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास करती है। राज्यसभा जैसी महत्वपूर्ण संस्था में ऐसे समर्थन का संदेश यह जाता है कि भाजपा जनसंघर्ष से निकले नेताओं और समर्पित कार्यकताओं के बजाय संसाधन संपन्न लोगों को प्राथमिकता दे रही है।

कांग्रेस ने कहा कि भाजपा को झारखंड की जनता को बताना चाहिए कि आखिर उसके पास ऐसा कौन-सा नेता नहीं था जो राज्यसभा में पार्टी और राज्य का प्रतिनिधित्व कर सके। यह निर्णय भाजपा के उन हजारों समर्पित कार्यकताओं का भी अपमान है, जो वर्षों से पार्टी के लिए काम कर रहे हैं।

कांग्रेस ने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की ताकत उनके सिद्धांत, कार्यकर्ता और जनता का विश्वास होता है, न कि धनबल और प्रभाव का प्रदर्शन। भाजपा का यह फैसला साबित करता है कि उसके कथनी और करनी में बड़ा अंतर है।

कांग्रेस ने विश्वास व्यक्त किया कि झारखंड की जनता और जनप्रतिनिधि इस राजनीति को समझते हैं तथा लोकतांत्रिक मूल्यों, पारदर्शिता और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाली राजनीति का समर्थन करेंगे।

दुमका में पशु सखियों का अभियान ग्रामीण आजीविका को दे रहा नई दिशा

संवाददाता कुमार विक्रम
दुमका जिला मे झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के तहत पशु सखियां जिले के सभी प्रखंडों में पशुधन स्वास्थ्य संवर्धन अभियान को गति दे रही हैं। यह पहल ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और पशुधन की बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम पर बैठक आयोजित

संवाददाता कुमार विक्रम
दुमका जिला के मसलिया प्रखंड कार्यालय में सोमवार को प्रखण्ड सभागार मे एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी अजफर हसनेन ने की। इस बैठक में विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रखंड अध्यक्ष, सचिव एवं अन्य प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य भारत

निर्वाचन आयोग द्वारा निर्देशित मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 की जानकारी देना था। अधिकारियों ने उपस्थित दलों को मैपिंग प्रक्रिया, अनमैप्ड वोटर्स, एएसडीडी वोटर्स तथा संपूर्ण एस आई आर प्रक्रिया से अवगत कराया। यह बताया गया कि पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक मतदाता का विवरण सटीक रूप से दर्ज किया जाएगा ताकि किसी भी प्रकार की त्रुटि या अपूर्णता न रहे।जिला निर्वाचन कार्यालय से श्री चन्दन ठाकुर तथा पंचायती राज पदाधिकारी सीमांत माजी भी बैठक में मौजूद रहे। उन्होंने राजनीतिक दलों को आश्वस्त किया कि प्रशासन पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ कार्य करेगा।

जिला परिषद कार्यालय परिसर में होगा आम्रपाली आम महोत्सव 2026 का आयोजन आज

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

जिला प्रशासन, बोकारो द्वारा बिरसा हरित ग्राम योजना के आज मंगलवार को जिला परिषद कार्यालय परिसर में आम्रपाली आम महोत्सव 2026 का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 5:00 बजे तक आयोजित होगा।

स्वाद तीन, पहचान एक थीम पर आयोजित होने वाले इस महोत्सव में आम्रपाली, मल्लिका एवं लंगड़ा किस्म के आम प्रमुख आकर्षण होंगे। कार्यक्रम के माध्यम से आम उत्पादन को प्रोत्साहित करने, किसानों/एसएचजी दीदीयो को अपने उत्पादों के मार्केटिंग का अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूह की दीदियों की विशेष सहभागिता रहेगी। उनके द्वारा आम एवं आम आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री की व्यवस्था की जाएगी। इससे उन्हें अपने उत्पादों के विपणन का अवसर मिलेगा तथा उनकी आय में वृद्धि होगी। जिला प्रशासन का उद्देश्य एसएचजी दीदियों को आर्थिक रूप से सशक्त, आत्मनिर्भर एवं समृद्ध बनाना है।महोत्सव में आम उत्पादकों, लाभुक किसानों, स्वयं सहायता समूहों एवं आम नागरिकों की सहभागिता रहेगी। विभिन्न स्टालों के माध्यम से बागवानी - आम उत्पादन प्रसंस्करण एवं विपणन से संबंधित उपयोगी जानकारियां भी उपलब्ध कराई जाएंगी।इसको लेकर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने किसानों, स्वयं सहायता समूहों एवं आमजनों से कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

स्वच्छ कार्यालय से बेहतर प्रशासन: उपायुक्त ने जनसंपर्क कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

लातेहार, संवाददाता। उपायुक्त संदीप कुमार ने सोमवार को समाहरणालय परिसर स्थित जनसंपर्क कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और परिसर में साफ-सफाई व स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि कार्यालयों में स्वच्छता से न केवल बेहतर कार्य वातावरण बनता है, बल्कि आम नागरिकों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने संबंधित कर्मियों को निर्देश दिया कि

कार्यालय परिसर की साफ-सफाई नियमित रूप से सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने पूरे समाहरणालय परिसर का भी भ्रमण किया। उन्होंने विभिन्न स्थानों का अवलोकन कर परिसर में स्वच्छता व्यवस्था को और सुदृढ़ करने पर जोर दिया। उपायुक्त ने कचरे के उचित निष्पादन तथा सभी कार्यालयों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं व्यवस्थित कार्यस्थल बेहतर प्रशासनिक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देता है। उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों से स्वच्छता के प्रति सजग रहने तथा समाहरणालय परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में सक्रिय सहयोग देने की अपील की।

इस मौके पर नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी राजीव रंजन उपस्थित रहे।

विशेष गहन पुनरीक्षण में कोताही नहीं बरते - उपायुक्त

रफ़्तार मीडिया संवाददाता समामा औसाल, धनबाद : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) 2026 के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए आज जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में न्यू टाउन हॉल में सभी बीएलओ सुपरवाइजरों के साथ बैठक सह कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि सभी बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर विशेष गहन पुनरीक्षण में कोई कोताही नहीं बरते। गंभीरतापूर्वक और तत्परता से काम करें। विशेष गहन पुनरीक्षण में एक भी मतदाता छूटना नहीं चाहिए।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि एसआइआर 2026 के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए हर प्रखंड में बीएलओ सुपरवाइजर कोषांग का गठन किया गया है। जिसमें अतिरिक्त कंप्यूटर, कंप्यूटर ऑपरेटर, जेरोक्स मशीन, फोटो प्रिंट मशीन के अलावा निर्बाध बिजली

आपूर्ति के लिए पावर बैकअप प्रदान किया गया है। साथ ही नगर आयुक्त की अध्यक्षता में निगरानी कषांग का गठन किया गया है।

उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण में बीएलओ और बीएलओ सुपरवाइजर एक महत्वपूर्ण कड़ी है। कोई योग्य वोटर छूटना नहीं चाहिए और कोई अयोग्य व्यक्ति मतदाता सूची में जुड़ना नहीं चाहिए, यही एसआइआर का उद्देश्य है। उपायुक्त ने सभी बीएलओ सुपरवाइजर को काम नहीं करने वाले बीएलओ को तुरंत बदलने एवं जहां काम का अत्यधिक दबाव है वहां स्वयं सेवक रखने तथा मतदाताओं को जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार प्रसार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा इसका उद्देश्य वास्तविक मतदाताओं, विशेष रूप से वृद्ध, बीमार, दिव्यांग, गरीब और अन्य कमजोर समूहों को यथासंभव सुविधा प्रदान करने के लिए है।

उन्होंने कहा कि बीएलओ यदि अन्य कार्य में लगे हो तो अपने दैनिक कार्यों के अतिरिक्त प्रतिदिन सुबह 09:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक मतदाताओं की सुगमता हेतु अपने संबंधित मतदान केन्द्रों में रहकर मैपिंग कार्य को संपादित करना सुनिश्चित करेंगे। सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी वाट्सएप एवं वीडियो कॉल अथवा भौतिक निरिक्षण कर उक्त कार्य को संपादित करना सुनिश्चित करेंगे।

कार्यशाला में बीएलओ सुपरवाइजरों को सभी प्रखण्ड व अंचल स्तर पर बूथ लेवल एजेंट-2 एवं सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक रखने का निर्देश दिया गया।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान 30 जून 2026 से 29 जुलाई 2026 तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्र का वितरण एवं संग्रहण किया जाएगा। 29 जुलाई तक मतदान केन्द्रों का पुनर्गठन, 05 अगस्त को ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन, 05 अगस्त से 04 सितंबर तक दावे एवं आपत्तियाँ दर्ज करने की अवधि, 05 अगस्त से 03 अक्टूबर तक नोटिस एवं दावे / आपत्तियों का निस्तारण तथा 07 अक्टूबर को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

कार्यशाला में उपायुक्त आदित्य रंजन, नगर आयुक्त आशीष गंगवार, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन, डीसीएलआर दिलीप कुमार महतो, डीएसडब्ल्यूओ स्नेह कश्यप के अलावा सभी विधानसभा के ईआरओ, एईआरओ तथा सभी बीएलओ सुपरवाइजर मौजूद थे।

लातेहार जिला गठन के बाद पहली बार चौकीदारों की सेवा संपुष्टि प्रक्रिया शुरू, 55 को मिली मंजूरी

लातेहार, संवाददाता। उपायुक्त संदीप कुमार की पहल पर लातेहार जिले में पहली बार चौकीदारों की सेवा संपुष्टि की प्रक्रिया शुरू की गई है। जिला गठन के बाद यह पहला मौका है जब चौकीदारों की लंबे समय से लंबित सेवा संपुष्टि का मामला निर्णायक चरण में पहुंचा है। प्रशासनिक समीक्षा के बाद कुल 76 चौकीदारों के मामलों पर विचार किया गया। इनमें से 55 चौकीदारों की सेवा संपुष्टि को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। शेष 21 मामलों में सेवा अभिलेखों एवं अन्य दस्तावेजों में त्रुटियां पाए जाने के कारण प्रक्रिया लंबित है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि त्रुटियों में सुधार कर शीघ्र सेवा संपुष्टि की कार्रवाई पूरी करें। लंबे समय से सेवा संपुष्टि नहीं होने के कारण चौकीदारों को प्रशासनिक एवं सेवा संबंधी लाभ प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। जिला प्रशासन की इस पहल के बाद चौकीदारों में खुशी का माहौल है। सेवा संपुष्टि होने से उन्हें सेवा सुरक्षा के साथ भविष्य में मिलने वाले सरकारी लाभों का मार्ग प्रशस्त होगा। इस संबंध में उपायुक्त संदीप कुमार ने कहा, "चौकीदार प्रशासनिक व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। वर्षों से लंबित उनकी सेवा संपुष्टि की प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि सभी पात्र कर्मियों को समय पर उनका वैधानिक अधिकार मिले।" उन्होंने बताया कि 76 में से 55 मामलों को स्वीकृति मिल चुकी है, जबकि शेष मामलों में अभिलेखीय त्रुटियों के सुधार के बाद कार्रवाई की जाएगी।

सहियाओं को मिली बाल विवाह रोकने की जिम्मेदारी, हेल्पलाइन नंबर 1098 का करें उपयोग।

रफ्तार मीडिया सवाददाता राजु मंडल।

?गांडेय : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, गांडेय में बाल विवाह जैसी कुरीति के खिलाफ एक विशेष जागरूकता बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य रूप से आशा (सहिया) दीदियों को बाल संरक्षण और बाल विवाह रोकने के कानूनी प्रावधानों व उनकी अहम भूमिका के बारे में प्रशिक्षित किया गया।

बाल विवाह कानूनी अपराध, सूचना देने वालों का नाम रहेगा गुप्त

चिकित्सा प्रभारी डॉ. अबु काशिफ हसन ने स्पष्ट किया कि बाल विवाह कानूनन जुर्म है। उन्होंने सभी सहिया दीदियों को अपने-अपने क्षेत्र में कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यदि कहीं भी बाल विवाह की जानकारी मिले, तो बिना देरी किए चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर सूचना दें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सूचना देने वाले का नाम और विवरण पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा, ताकि वे बिना किसी डर के समाजहित में कार्य कर सकें।

शिक्षा और स्वास्थ्य पर पड़ता है बुरा असर

बाल संरक्षण विभाग के प्रखंड समन्वयक सुबोध कुमार ने कहा कि कम उम्र में विवाह बच्चों के सर्वांगीण विकास में बाधक है। इसके कारण बालक-बालिकाएं सरकारी योजनाओं के लाभ से तो वंचित होते ही हैं, साथ ही उनका स्वास्थ्य भी जोखिम में पड़ जाता है। कम उम्र में गर्भधारण से जच्चा-बच्चा के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा और बच्चों में कुपोषण जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं।

बाल विवाह के विरुद्ध ली गई शपथ

प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक (बी पी एम) मोहन प्रसाद ने सामाजिक दुष्प्रभावों पर चर्चा करते हुए सहिया दीदियों से आह्वान किया कि वे गांव-गांव में जागरूकता फैलाएं। बैठक के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने बाल विवाह के विरुद्ध शपथ ली और समाज को इस कुरीति से मुक्त करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अजय सिन्हा, केशव कुमार, हिरालाल टुडू, रमेश मुर्मू, सुखुदी बास्के, एएनएम रीता देवी सहित बड़ी संख्या में सहिया साथी और सहिया दीदियाँ मौजूद थीं।

पीएम आवास प्लस सूची के सत्यापन के लिए आयोजित विशेष ग्राम सभाओं पर उठे सवाल, ग्रामीणों ने जताई नाराजगी।

रफ्तार मीडिया संवाददाता, राजु मंडल, गांडेय।

गांडेय प्रधानमंत्री आवास प्लस योजना के तहत 'आवास प्लस' सूची के सत्यापन और अनुमोदन के लिए गांडेय प्रखंड की सभी पंचायतों में 5 जून से 8 जून तक विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। हालांकि, इन सभाओं के संपन्न होने के साथ ही भ्रष्टाचार और धांधली के गंभीर आरोप भी सामने आने लगे हैं।

खानापूर्ति का आरोप, पात्र बाहर और अपात्र अंदर

गांडेय प्रखंड क्षेत्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार कई पंचायत सचिवालयों में आयोजित ग्राम सभाएं केवल कागजी खानापूर्ति बनकर रह गईं। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि वास्तविक रूप से जरूरतमंद और गरीब परिवार जिन्हें आवास की सख्त आवश्यकता थी, उनका नाम सूची से गायब है। वहीं, साधन-संपन्न और अपात्र लोगों के नाम सूची में शामिल होने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

?ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ग्राम सभाओं में आम सहमति के बजाय मनमानी की गई, जिससे सरकारी योजना का मूल उद्देश्य ही धूमिल होता नजर आ रहा है। इस पूरी प्रक्रिया पर विभागीय मौन को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

प्रशासन का निर्देश और तैयारी

गौरतलब है कि ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड सरकार के पत्रांक 1603 (दिनांक 29.05.2026) के आलोक में प्रखंड विकास पदाधिकारी निसात अंजुम ने ज्ञापांक 861,दिनांक 04.06.2026,के माध्यम से एक विस्तृत निर्देश जारी किया था। इसके तहत प्रखंड की सभी पंचायतों में ग्राम सभा अनिवार्य की गई थी।

इस प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से

सभी मुखिया, पंचायत समिति सदस्यों, जिला परिषद सदस्यों और वार्ड सदस्यों को सक्रिय रहने का निर्देश दिया गया था। प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में सुचारू रूप से संचालन के लिए विलेज लाइवलीहुड वर्कर्स और पंचायत सेवकों की तैनाती की गई थी।

ग्रामीणों ने ?की जांच की मांग

वहीं भाजपा के गिरिडीह जिला पूर्व उपाध्यक्ष जयमंगल राय ने कहा ?पिएम आवास प्लस योजना में भारी में गरीबों को आवास नहीं मील रहा है जो माननीय प्रधानमंत्री का सपना साकार होते नजर नहीं या रहा है, गांडेय प्रखंड के जागरूक नागरिकों और ग्रामीणों ने अब प्रखंड व जिला प्रशासन से मांग की है कि इस विशेष ग्राम सभा के दौरान तैयार की गई सूची की निष्पक्ष जांच कराई जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि सूची का भौतिक सत्यापन नहीं किया गया और अपात्र लोगों को आवास आवंटित किया गया, तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

जनजाति समागम 2026: लाल किले से उठी जनजातीय अस्मिता और संवैधानिक अधिकारों की हुंकार

बाइलाइनः वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर रांची

रांची// भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 24 मई को दिल्ली के लाल किला मैदान में आयोजित जनजाति समागम 2026 जनजातीय संस्कृति, परंपरा और संवैधानिक अधिकारों का विराट राष्ट्रीय मंच बन गया। देशभर के 500 से अधिक जनजातीय समुदायों के लाखों लोग पारंपरिक वेशभूषा, मांदर-ढोल, लोकनृत्य और सांस्कृतिक प्रतीकों के साथ समागम में शामिल हुए।

जनजाति सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय सह संयोजक डॉ. राजकिशोर हांसदा ने बताया कि यह समागम 75 वर्षों से लंबित उस न्यायपूर्ण मांग की राष्ट्रीय पुनर्पुष्टि है, जिसकी प्रतीक्षा जनजातीय समाज कर रहा है। मंच का कहना है कि जनजातीय पहचान केवल संवैधानिक सूची का विषय नहीं, बल्कि पारंपरिक आस्था, संस्कृति और रीति-रिवाजों से जुड़ा प्रश्न है।

दिल्ली की सड़कों पर दिखी जनजातीय संस्कृति की झलक

राजघाट चौक, रामलीला मैदान, अजमेरी गेट, कुदसिया बाग और श्यामगिरि मंदिर से विशाल शोभायात्राएं लाल किला पहुंचीं। लेह-लद्दाख से कन्याकुमारी तक के जनजातीय समाज ने अपनी लोकधुनों, पारंपरिक नृत्य और वाद्ययंत्रों से भारत की जनजातीय विरासत की जीवंत झलक पेश की। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की प्रकृति-पूजा, जल-जंगल-जमीन और जीवन-पद्धति भारत की सांस्कृतिक आत्मा से जुड़ी है। यह समागम आने वाले वर्षों में जनजातीय समाज के महाकुंभ के रूप में याद किया जाएगा।

मंच की तीन प्रमुख मांगें

28 मई को जनजाति सुरक्षा मंच के प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भेंट कर तीन मांगें रखीं:

1. लोकुर समिति के मानदंडों के अनुरूप अनुसूचित जनजाति की स्पष्ट वैधानिक परिभाषा तय हो।
2. संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश, 1950 में संशोधन कर स्पष्ट हो कि धर्मांतरण के बाद पारंपरिक आस्था और संस्कृति त्यागने वाले को रळ का दर्जा न मिले।
3. सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।

सुप्रीम कोर्ट ने भी चिंथदा आनंद बनाम आंध्र प्रदेश राज्य 2026 में इस पर विचार किया है।

मंच का दावा है कि 12 करोड़ जनजातीय आबादी में से 1.5 से 2 करोड़ लोग ईसाई धर्म में धर्मांतरित हो चुके हैं। कई मामलों में वे रळ आरक्षण और अल्पसंख्यक योजनाओं का दोहरा लाभ ले रहे हैं, जो संवैधानिक समता के विरुद्ध है।

पिठौरिया फायरिंग कांड का खुलासा, मुख्य आरोपी शोएब अंसारी गिरफ्तार

बाइलाइनः वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर रांची

रांची, 08 जून 2026: पिठौरिया थाना क्षेत्र में 02 जून की शाम हुई फायरिंग की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मामले के मुख्य आरोपी शोएब अंसारी उर्फ नुनुवा अंसारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने छापेमारी कर उसे कोकदोरो गांव से पकड़ा।

क्या है मामला

02 जून 2026 को शाम करीब 6:00 बजे पिठौरिया थाना क्षेत्र के कोकदोरो गांव निवासी फिरोज अंसारी पिता तफाजुल अंसारी को लक्षित कर बाइक सवार दो लोगों ने गोली चला दी थी। गोली लगने से फिरोज गंभीर रूप से घायल हो गया था। हमलावरों की पहचान अफसर अंसारी पिता ईद्दल अंसारी और बाइक चला रहे शोएब अंसारी उर्फ नुनुवा अंसारी पिता श्यामुल अंसारी, दोनों निवासी कोकदोरो, के रूप में हुई थी।

घटना के बाद घायल फिरोज अंसारी के फर्दबयान पर पिठौरिया थाना में कांड संख्या-63/26, दिनांक-03.06.26, धारा-109/3(5) इठर एवं 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

पुलिस की कार्रवाई

वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के मार्गदर्शन में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। वरीय पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय प्रथम अमर कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में टीम ने त्वरित कार्रवाई की।

अनुसंधान और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर छापेमारी कर कांड के नामजद अभियुक्त शोएब अंसारी उर्फ नुनुवा अंसारी को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस दूसरे आरोपी अफसर अंसारी की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। शुरूआती पूछताछ में आपसी रंजिश की बात सामने आई है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही पूरे कांड का खुलासा कर दिया जाएगा।

केस डिटेल

- थानाः पिठौरिया, कांड संख्या-63/26
- तारीखः 02.06.2026, समय शाम 6:00 बजे
- धाराः 109/3(5) इठर, 27 आर्म्स एक्ट
- घायलः फिरोज अंसारी, ग्राम अदनपुर कोकदोरो
- आरोपीः 1. अफसर अंसारी 2. शोएब अंसारी उर्फ नुनुवा अंसारी
- गिरफ्तारः शोएब अंसारी उर्फ नुनुवा अंसारी
- छापामारी दलः वरीय पुलिस उपाधीक्षक अमर कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में टीम

सोमवार को बालूमाथ में बैंक, सीएसपी एवं ज्वेलरी दुकानदारों के साथ सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित

रफ्तार मीडिया बालूमाथ

बालूमाथ बालूमाथ। सोमवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) उमेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में बालूमाथ थाना क्षेत्र के सभी बैंक शाखा प्रबंधकों, सीएसपी संचालकों एवं ज्वेलरी व्यवसायियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में उपस्थित बैंक अधिकारियों, सीएसपी कर्मियों एवं ज्वेलरी दुकानदारों की समस्याओं तथा सुरक्षा संबंधी चिंताओं को विस्तार से सुना गया। इस दौरान एसडीपीओ उमेश कुमार सिंह ने सभी संस्थानों में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने पर जोर देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।उन्होंने बैंक एवं सीएसपी संचालकों को सीसीटीवी कैमरे, अलार्म सिस्टम, नकदी के सुरक्षित रख-रखाव तथा संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर विशेष नजर रखने का निर्देश दिया। वहीं ज्वेलरी व्यवसायियों को भी सुरक्षा उपायों को और मजबूत करने, दुकान परिसर में निगरानी व्यवस्था दुरुस्त रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की सलाह दी।एसडीपीओ उमेश कुमार सिंह ने कहा कि आमजन की सुरक्षा एवं अपराध नियंत्रण पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए बैंक, सीएसपी केंद्रों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने आश्वस्त किया कि पुलिस प्रशासन क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है।बैठक में थाना प्रभारी सहित विभिन्न बैंक शाखाओं के प्रबंधक, सीएसपी संचालक एवं ज्वेलरी व्यवसायी उपस्थित रहे। बैठक के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जागरूकता बढ़ाने तथा पुलिस एवं व्यवसायिक संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष बल दिया गया।

पीएम सुरक्षित मातृत्व अभियान के 10 साल पूरे, 9 जून को झारखंड के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में लगेंगे विशेष शिविर

बाइलाइनः वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर, रांची

रांची, 08 जून 2026: प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (ढटरटअ) के 10 वर्ष पूरे होने पर स्वास्थ्य विभाग 9 जून को राज्य भर में विशेष आयुष्मान आरोग्य शिविर आयोजित करेगा। ये शिविर सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, जिला अस्पतालों और अनुमंडल अस्पतालों में लगाए जाएंगे।

भारत सरकार ने मातृ मृत्यु दर घटाने के उद्देश्य से 9 जून 2016 को इस अभियान की शुरूआत की थी। इसका मकसद गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व जांच की सुविधा देना है। 10 साल पूरे होने पर 'सुरक्षित गर्भावस्था, स्वस्थ माताएँ एवं सशक्त भारत' विषय पर एक विस्तृत मार्गदर्शिका भी जारी की गई है।

राज्य के स्वास्थ्य सूचकांकों में सुधारः

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के अनुसार, अभियान से राज्य के मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सूचकांकों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। संस्थागत प्रसव का प्रतिशत बढ़ा है और हाई रिस्क गर्भावस्था के मामलों की समय पर पहचान कर प्रबंधन किया जा रहा है।

9 जून को क्या होगा खासः

1. विशेष जांचः सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में गर्भवती महिलाओं की व्यापक एएनसी जांच।
2. हाई रिस्क ट्रैकिंगः खून की कमी, बीपी, शुगर, पिछला सिजेरियन जैसी जटिलताओं की पहचान।
3. निःशुल्क सेवाएंः अल्ट्रासाउंड, पैथोलॉजी जांच और दवाइयां मुफ्त दी जाएंगी।
4. परामर्शः पोषण, संस्थागत प्रसव और परिवार नियोजन पर काउंसलिंग।
5. पीएमएमवीवाईः प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का ऑन-स्पॉट रजिस्ट्रेशन।

स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिलों को निर्देश दिया है कि 9 तारीख को लगने वाले शिविरों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम मौजूद रहे। आशा और एएनएम के माध्यम से गांव-गांव में गर्भवती महिलाओं को शिविर तक लाने की व्यवस्था की गई है।

स्थानीय ग्रामीनों ने अवैध कोयला भट्ठा का किया घेराव

रफ़्तार मीडिया संवाददाता समामा औसाल, निरसा : कालूबथान में प्रदूषण को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा आखिरकार फूट पड़ा। लेदाहड़िया स्थित सीएमआर कोयला भट्ठा से निकलने वाले धुएं और कथित अवैध कोयला जलाने के आरोपों से परेशान लोगों ने रात में भट्ठे का घेराव कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि इस धुएं ने इलाके का जीना दूभर कर दिया है, जबकि प्रशासन और पुलिस पर भी कार्रवाई नहीं करने के गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। देखिए यह विशेष रिपोर्ट।

कालूबथान ओपी क्षेत्र के लेदाहड़िया गांव में स्थित सीएमआर कोयला भट्ठा के खिलाफ ग्रामीणों का आक्रोश उस समय फूट पड़ा जब बीती रात बड़ी संख्या में लोग भट्ठे के बाहर जुट गए और घेराव कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

ग्रामीणों का आरोप है कि भट्ठे में बड़े पैमाने पर अवैध कोयला जलाया जाता है, जिससे निकलने वाला जहरीला धुआं पूरे इलाके में फैल रहा है। लोगों का कहना है कि इस प्रदूषण के कारण सांस लेना मुश्किल हो गया है और बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है।

विरोध के दौरान हालात ऐसे बने कि कोयला लदे ट्रैक्टरों के चालक और भट्ठा कर्मी अपने वाहन छोड़कर मौके से निकल गए। ग्रामीणों का दावा है कि यह कोई नया मामला नहीं है, बल्कि लंबे समय से यहां अवैध कोयले का कारोबार चल रहा है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि यह भट्ठा पंचायत के मुखिया अशोक महतो से जुड़ा है और इसे लीज पर देकर संचालित कराया जा रहा है। लोगों का कहना है कि जब जनप्रतिनिधियों के नाम पर ऐसे आरोप लगेंगे तो आम जनता न्याय की उम्मीद किससे करेगी।

ग्रामीणों ने स्थानीय पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का कहना है कि पुलिस को सूचना देने पर भी मामला जस का तस बना रहा, जिससे उनके भीतर नाराजगी और बढ़ गई।

अब ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि प्रदूषण और कथित अवैध गतिविधियों पर रोक नहीं लगी तो वे बड़े आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। लेदाहड़िया के ग्रामीणों का आरोप है कि सीएमआर भट्ठा से निकलने वाला धुआं उनकी जिंदगी और स्वास्थ्य दोनों पर भारी पड़ रहा है। वहीं अवैध कोयला जलाने और प्रशासनिक निष्क्रियता के आरोपों ने मामले को और गंभीर बना दिया है। हालांकि इन आरोपों पर अभी तक भट्ठा संचालक या मुखिया अशोक महतो की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अब देखना होगा कि प्रशासन ग्रामीणों की शिकायतों पर क्या कदम उठाता है और प्रदूषण के इस मुद्दे का समाधान कैसे निकलता है।

ईसीएल के मुगमा एरिया में बिजली संकट को लेकर लोगों का फूटा गुस्सा

रफ़्तार मीडिया संवाददाता कुमारधुबी : ईसीएल के मुगमा एरिया में बिजली संकट को लेकर लोगों का गुस्सा आखिरकार फूट पड़ा। कापासारा ओसीपी कॉलोनी से लेकर ईसीएल अग्रवाला कॉलोनी तक पिछले करीब दस दिनों से अंधेरा पसरा हुआ था। 500 केवी का ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण सैकड़ों परिवार भीषण गर्मी में बिजली और पानी की समस्या से जूझ रहे थे। जब इंतजार की सारी सीमाएं टूट गईं, तो ग्रामीण सड़क पर उतर आए और ईसीएल प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

प्रचंड गर्मी के बीच लगातार दस दिनों तक बिजली नहीं रहने से लोगों का जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बार-बार शिकायत के बावजूद समस्या के समाधान की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई

आक्रोशित ग्रामीणों ने माले नेता रोशन मिश्रा, मुखिया बिमल रवानी और मुखिया अजय राम के नेतृत्व में पहले कापासारा ओसीपी कार्यालय का घेराव किया। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग मुगमा एरिया कार्यालय पहुंचे और जमकर नारेबाजी करते हुए ईसीएल प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन किया।

दस दिनों से लोग अंधेरे में रहने को मजबूर थे। भीषण गर्मी में बच्चों और बुजुर्गों की हालत खराब हो गई थी। कई बार शिकायत के बावजूद समाधान नहीं हुआ, इसलिए जनता को आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ा,ग्रामीणों के उग्र तेवर को देखते हुए ईसीएल के अधिकारी हरकत में आए। अधिकारियों ने आंदोलनकारियों से वार्ता की और बिजली संकट के समाधान का आश्वासन दिया। बातचीत के बाद तत्काल राहत के तौर पर 500 केवी की जगह 250 केवी का ट्रांसफार्मर लगाने का निर्णय लिया गया।

हालांकि अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि फिलहाल बिजली आपूर्ति को संतुलित बनाए रखने के लिए दो-दो घंटे के अंतराल पर बिजली कटौती करनी पड़ेगी। इसके बावजूद लंबे समय से परेशान लोगों ने इसे अस्थायी राहत बताते हुए जल्द स्थायी समाधान की मांग की है।

दस दिनों तक अंधेरे और गर्मी की मार झेलने के बाद आंदोलन के दबाव में ईसीएल प्रबंधन ने अस्थायी व्यवस्था तो कर दी है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि आखिर स्थायी समाधान कब तक होगा क्योंकि कोयला उत्पादन करने वाले इन इलाकों के लोगों की मांग सिर्फ बिजली नहीं, बल्कि बुनियादी सुविधाओं के साथ सम्मानजनक जीवन की भी है।

कुमारधुबी के मुगमा एरिया में बिजली संकट को लेकर ग्रामीणों का आंदोलन फिलहाल रंग लाया है। 250 केवी का ट्रांसफार्मर लगाकर अस्थायी राहत दी गई है, लेकिन लोगों की नजर अब ईसीएल प्रबंधन के उस वादे पर टिकी है, जिसमें स्थायी समाधान का भरोसा दिया गया है।

हत्या के आरोपियों के घर पुलिस ने बनाया दबिश, कि कुर्की जब्ती

समामा औसाल, निरसा : धनबाद के कुमारधुबी के चर्चित कुंदन रवानी हत्याकांड में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। करीब एक साल से फरार चल रही मुख्य आरोपित मुनिया देवी के घर पर सोमवार को कुर्की की कार्रवाई की गई। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने घर में रखे सामान जब्त कर लिए। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए।

कुमारधुबी रेलवे स्टेशन के समीप रामनवमी के दिन हुए चर्चित कुंदन रवानी हत्याकांड में फरार आरोपितों पर पुलिस का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। सोमवार को चिरकुंडा पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर मुख्य आरोपित मुनिया देवी के घर की कुर्की की कार्रवाई की।

मजिस्ट्रेट अंकित पराशर की मौजूदगी में भारी पुलिस बल के साथ पहुंची टीम ने घर का दरवाजा खुलवाया और अंदर रखे सामानों की सूची बनाकर उन्हें जब्त कर लिया।

बताया जाता है कि करीब एक वर्ष पूर्व कुमारधुबी स्टेशन के समीप रहने वाले कुंदन रवानी की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई थी। इस सनसनीखेज वारदात में पड़ोसी मुनिया देवी समेत कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। घटना के बाद से ही मुनिया देवी और उसके परिवार के सदस्य फरार चल रहे हैं। पुलिस द्वारा लगातार छापेमारी किए जाने के बावजूद अब तक उनकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

कुर्की की कार्रवाई के दौरान पूरे इलाके में लोगों की भारी भीड़ जुट गई। पुलिस की मौजूदगी में घर के भीतर रखे घरेलू सामानों को जब्त किया गया और कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई।

पुलिस के अनुसार इस मामले में मुनिया देवी के अलावा उसकी दो पुत्रियां रजनी कुमारी और संजना कुमारी भी फरार हैं। तीनों की तलाश में लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

कुंदन रवानी हत्याकांड के फरार आरोपितों के खिलाफ न्यायालय के आदेश पर कुर्की की कार्रवाई की गई है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है। हत्या जैसे गंभीर मामले में किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और जल्द ही सभी को गिरफ्तार किया जाएगा।

चिरकुंडा पुलिस का कहना है कि न्यायालय के निर्देशानुसार आगे भी कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस की विशेष टीम फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास कर रही है। अब देखना होगा कि पुलिस की यह सख्ती कब तक फरार आरोपितों को कानून के शिकंजे तक पहुंचा पाती है।

पत्थरकट्टा चौक पर ट्रैफिक जागरूकता अभियान, हेलमेट पहनने वालों को गुलाब देकर किया सम्मानित

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

बोकारो पुलिस द्वारा सोमवार को शहर के पत्थरकट्टा चौक पर ट्रैफिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान का नेतृत्व सेक्टर-6 थाना की ओर से किया गया। कार्यक्रम में ट्रैफिक डीएसपी अजय प्रसाद, सिटी डीएसपी राजीव रंजन, सेक्टर-6 थाना प्रभारी संगीता कुमारी समेत कई पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे।

अभियान के दौरान बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले लोगों को रोककर ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने उन्हें माला पहनाकर भविष्य में हेलमेट पहनने और सभी यातायात नियमों का पालन करने का संकल्प दिलाया। वहीं, हेलमेट पहनकर वाहन चला रहे लोगों को गुलाब का फूल देकर सम्मानित किया गया और उन्हें दूसरों को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।

मौके पर सिटी डीएसपी राजीव रंजन ने कहा कि सड़क सुरक्षा सभी की जिम्मेदारी है। छोटी सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए वाहन चालकों को हमेशा हेलमेट पहनना चाहिए तथा ट्रैफिक नियमों का पालन करना चाहिए।

वहीं ट्रैफिक डीएसपी अजय प्रसाद ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल चालान काटना नहीं, बल्कि लोगों को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करना है। हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग दुर्घटना के दौरान जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे स्वयं नियमों का पालन करें और अपने परिवार व परिचितों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने राहगीरों और वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए सुरक्षित सफर का संदेश दिया।

अतिक्रमित भूमि को कराया खाली, काटी गई बिजली

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के सिक्योरिटी ने एयरपोर्ट विस्तारीकरण में बाधक बन रहे अवैध अतिक्रमणकारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। यह कार्रवाई दूंदीबाग के सामने हुई है। मालूम हो कि पूर्व में उक्त भूमि को खाली करवाकर ब्रेकेटिंग की गई थी लेकिन पुनः ब्रेकेटिंग के अंदर अवैध अतिक्रमणकारियों ने आशियाना स्थापित कर लिया, जिसके बाद आज फिर उनके झोपड़ीनुमा घरों को तोड़ दिया गया।सिक्योरिटी ने दूसरी करवाई बोकारो निवास के पीछे किया जहां बीएसएल से रिटायर्ड लोगों ने घर बना लिया है उनकी बिजली आपूर्ति बाधित की गई है। हालांकि कार्रवाई के दौरान अधिकारी मीडिया को कुछ भी बताने से मना कर दिया। सिक्यॉरिटी इंचार्य राजेंद्र प्रसाद शेखावत ने कहा मीडिया को बयान ऊपर के अधिकारी देंगे, मैने अपना काम किया है।

जामताड़ा रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन से उतरने के दौरान महिला और युवक गिरे, यात्रियों की सूझबूझ से बची दोनों की जान बड़ा हादसा टला

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता
जामताड़ा :

जामताड़ा रेलवे स्टेशन पर सोमवार को एक बड़ा रेल हादसा टल गया, जब चलती ट्रेन से उतरने के दौरान एक महिला और एक युवक असंतुलित होकर प्लेटफॉर्म पर गिर पड़े। घटना के बाद स्टेशन परिसर में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, मौके पर मौजूद यात्रियों और स्थानीय लोगों की तत्परता के कारण दोनों को तत्काल सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया, जिससे उनकी जान बच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 63509 वर्धमान-झाझा मेमू ट्रेन जामताड़ा स्टेशन पर पहुंची थी।इसी दौरान एक महिला चलती ट्रेन से उतरने का प्रयास कर रही थी। संतुलन बिगड़ने के कारण वह प्लेटफॉर्म पर गिर गई।महिला को गिरता देख पास में मौजूद एक युवक भी असंतुलित हो गया और वह भी नीचे गिर पड़ा। घटना को देखकर आसपास मौजूद यात्रियों में हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों ने ट्रेन पूरी तरह रुकने से पहले उतरने की कोशिश की थी। इसी वजह से यह हादसा हुआ। राहत की बात यह रही कि दोनों ट्रेन के पहियों की चपेट में नहीं आए और उन्हें केवल मामूली चोटें आईं।स्थानीय लोगों और यात्रियों ने तुरंत सहायता करते हुए दोनों को उठाया और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। घटना की सूचना मिलने पर रेलवे कर्मी भी मौके पर पहुंचे और दोनों की स्थिति की जानकारी ली। प्राथमिक जांच में किसी गंभीर चोट की पुष्टि नहीं हुई है। इसके बाद दोनों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई गई। रेलवे प्रशासन ने इस घटना के बाद एक बार फिर यात्रियों से अपील की है कि वे किसी भी परिस्थिति में चलती ट्रेन में चढ़ने या उतरने का प्रयास न करें।थोड़ी सी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। प्रशासन ने यात्रियों से सुरक्षा नियमों का पालन करने और ट्रेन के पूरी तरह रुकने के बाद ही चढ़ने-उतरने की सलाह दी है।

एसआईआर को लेकर झामुमो सक्रिय, जामताड़ा में होगा विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम , जिला अध्यक्ष नरेंद्र मुर्मू सहित अन्य ने कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता
जामताड़ा :

जामताड़ा झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला कमेटी द्वारा 11 जून को जामताड़ा के दुलाडीह स्थित नगर भवन में एसआईआर प्रशिक्षण सह कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर सोमवार को जिला अध्यक्ष नरेंद्र मुर्मू के नेतृत्व में जिला सचिव परेश यादव, कोषाध्यक्ष प्रदीप मंडल, पार्टी प्रवक्ता आनंद टुडू, सगीर खान, इम्तियाज अंसारी, विजय राउत सहित अन्य नेताओं ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान जिला अध्यक्ष नरेंद्र मुर्मू ने बताया कि एसआईआर से जुड़े मुद्दों पर कार्यकताओं को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से इस सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में झामुमो के महासचिव विनोद पांडे मुख्य रूप से शामिल होंगे और कार्यकताओं को संगठन की मजबूती तथा मतदाता हितों की रक्षा के संबंध में मार्गदर्शन देंगे। वहीं कोषाध्यक्ष प्रदीप मंडल ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यकताओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा एसआईआर के माध्यम से विपक्षी दलों के समर्थकों के नाम मतदाता सूची से हटाने का प्रयास कर रही है, जिसका झामुमो पुरजोर विरोध करेगा।इसके अलावे झामुमो जिला सचिव परेश यादव ने कहा कि 11 जून से 16 जून तक पूरे संथाल परगना में कार्यकताओं को एसआईआर संबंधी प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे मतदाताओं को जागरूक कर उनके नाम मतदाता सूची में सुरक्षित रखने का काम कर सकें। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। मौके पर झामुमो नेता इम्तियाज अंसारी, विजय राउत सहित अन्य उपस्थित थे।

जामताड़ा शहर की समस्याओं को जानने सड़कों पर उतरीं नगर अध्यक्ष आशा गुप्ता, वार्ड पार्षदों संग किया शहर का व्यापक निरीक्षण

जामताड़ा शहर की समस्याओं का होगा त्वरित समाधान : अध्यक्ष आशा गुप्ता

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता
जामताड़ा नगर पंचायत की अध्यक्ष आशा गुप्ता ने सोमवार को सभी वार्ड पार्षदों, नगर पंचायत की टीम तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ शहर का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न वार्डों, बाजार क्षेत्रों और सार्वजनिक स्थलों का दौरा कर नागरिक सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया तथा स्थानीय लोगों की समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना। निरीक्षण अभियान का उद्देश्य शहर में मौजूद बुनियादी सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करना और जनसमस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाना था।

अध्यक्ष आशा गुप्ता ने शहर के विभिन्न इलाकों में पहुंचकर दुकानदारों, स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने लोगों से साफ-सफाई, पेयजल आपूर्ति, जलनिकासी, सड़क व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट, अतिक्रमण तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित समस्याओं की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान नगर पंचायत की टीम ने कई स्थानों पर साफ-सफाई व्यवस्था, नालियों की स्थिति, सड़क मरम्मत की आवश्यकता और स्ट्रीट लाइटों की कार्यप्रणाली का भी अवलोकन किया। अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन समस्याओं का तत्काल समाधान संभव है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र दूर किया जाए। वहीं दीर्घकालिक समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने पर भी जोर दिया गया।

नगर पंचायत की ओर से बताया गया कि निरीक्षण के दौरान प्राप्त शिकायतों और सुझावों का संकलन किया जा रहा है।इन शिकायतों के आधार पर संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर समस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में आवश्यक पहल की जाएगी। नगर प्रशासन का लक्ष्य शहर के समग्र विकास को गति देना और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। वही अध्यक्ष आशा गुप्ता ने कहा कि नगर पंचायत जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शहर के विकास में आम नागरिकों की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। लोगों द्वारा दिए गए सुझावों और शिकायतों के आधार पर विकास योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने आम नागरिकों, व्यापारियों और सामाजिक संगठनों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी समस्याओं और सुझावों को खुलकर नगर पंचायत के समक्ष रखें, ताकि उन पर समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने विश्वास जताया कि जनसहभागिता और प्रशासनिक सहयोग से जामताड़ा को एक स्वच्छ, व्यवस्थित और सुविधासंपन्न शहर के रूप में विकसित किया जा सकेगा। नगर पंचायत द्वारा आयोजित यह विशेष निरीक्षण कार्यक्रम शहर की आधारभूत सुविधाओं को मजबूत बनाने और नागरिकों की अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। मौके पर नगर पंचायत जामताड़ा के सीटी मैनेजर महफूज रहमान,निर्मल आशीष, वार्ड पार्षद संगीता देवी, सोनिका देवी, जयंती दत्ता, कल्पना देवी,पूजा देवी, कर्मी सौरभ झा,कृष्ण चंद्र हलधार,पिंटू मंडल, खोखन दास, निताय महतो, नसीम अंसारी,चंदन दत्ता सहित अन्य उपस्थित थे।

व्हाट्सएप हैकिंग और साइबर ठगी से बचाव का संदेश देगी लघु फिल्म You Are HACKED

विशेष संवाददाता हजारीबाग (सुमन सिन्हा)
हजारीबाग डिजिटल युग में जहां तकनीक ने लोगों के जीवन को आसान बनाया है, वहीं साइबर अपराध भी तेजी से बढ़ रहे हैं। व्हाट्सएप हैकिंग, फर्जी केवाईसी अपडेट, एपीके फाइल फ्रॉड और ऑनलाइन ठगी जैसे मामलों से लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से हिंदुस्तानी फिल्म्स के बैनर तले निर्मित लघु फिल्म You Are HACKED जल्द ही रिलीज होने जा रही है।

निर्देशक पंकज हिंदुस्तानी के निर्देशन में बनी यह फिल्म साइबर अपराध की उस खतरनाक दुनिया को दशार्ती है, जहां एक छोटी सी लापरवाही व्यक्ति की निजी जानकारी, बैंक खाते और डिजिटल पहचान को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है। फिल्म में साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जा रहे आधुनिक तरीकों और उनसे बचाव के उपायों को यथार्थपरक ढंग से प्रस्तुत किया गया है।फिल्म का उद्देश्य केवल मनोरंजन करना नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग, विशेषकर युवाओं और इंटरनेट उपयोगकताओं को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना भी है। वास्तविक घटनाओं से प्रेरित इसकी कहानी दर्शकों को यह संदेश देती है कि ऑनलाइन दुनिया में सतर्कता और जागरूकता ही सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है।

निर्देशक पंकज हिंदुस्तानी ने बताया कि साइबर अपराध अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं रह गया है। ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों के लोग भी तेजी से साइबर ठगी का शिकार बन रहे हैं। ऐसे में जन-जागरूकता ही इस चुनौती से निपटने का सबसे प्रभावी माध्यम है। इसी सोच के साथ इस फिल्म का निर्माण किया गया है।गौरतलब है कि पंकज हिंदुस्तानी को सामाजिक सरोकारों और जन-जागरूकता से जुड़े विषयों पर आधारित फिल्मों के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। उनकी रचनात्मक प्रस्तुतियों को विभिन्न मंचों पर सराहा गया है।

जनजातीय स्वास्थ्य कार्यकताओं को मानसिक स्वास्थ्य का प्रशिक्षण, CIP रांची में कार्यक्रम शुरू

(वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर रांची)
रांची // झारखंड के ग्रामीण और जनजातीय इलाकों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक अहम पहल शुरू हुई है। केंद्रीय मनोचिकित्सा संस्थान (CIP), रांची के मनोरोग सामाजिक कार्य विभाग द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकताओं (CHW) के लिए मानसिक स्वास्थ्य एवं आत्महत्या जोखिम प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

यह प्रशिक्षण भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR) के वित्तीय सहयोग से संचालित परियोजना "झारखंड में ग्रामीण (जनजातीय) सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकताओं के लिए मानसिक स्वास्थ्य एवं आत्महत्या जोखिम प्रबंधन प्रशिक्षण की प्रभावशीलता का मूल्यांकन" के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के मिशन निदेशक शशि प्रकाश झा ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में उन्होंने कहा कि सामुदायिक स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए यह पहल बेहद जरूरी है। प्रशिक्षित सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता गांव-गांव में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान, समय पर हस्तक्षेप तथा आत्महत्या रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

प्रशिक्षण के मुख्य बिंदु:

1. लक्ष्यः ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों के उलह को मानसिक स्वास्थ्य की बुनियादी समझ देना।
2. फोकसः अवसाद, चिंता, नशा और आत्महत्या के जोखिम वाले मामलों की पहचान करना।
3. कौशलः समय पर परामर्श, रेफरल और फॉलो-अप की प्रक्रिया सिखाना।
4. उद्देश्यः समुदाय में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करना।

CIP के निदेशक ने बताया कि झारखंड के जनजातीय इलाकों में मानसिक स्वास्थ्य एक बड़ी चुनौती है। जागरूकता की कमी और प्रशिक्षित मानव संसाधन के अभाव में कई मामले गंभीर हो जाते हैं। यह परियोजना CHW को फ्रंटलाइन वर्कर के तौर पर तैयार करेगी ताकि शुरूआती स्तर पर ही मदद पहुंचाई जा सके।

ICSSR की इस परियोजना के तहत प्रशिक्षण की प्रभावशीलता का वैज्ञानिक मूल्यांकन भी किया जाएगा। इससे भविष्य में राज्य स्तर पर नीति निर्माण में मदद मिलेगी। पहले चरण में रांची, खूंटी, गुमला और सिमडेगा जिलों के 120 सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा।

कार्यक्रम में उक्ह के फैकल्टी, ठलहट के अधिकारी और कई स्वास्थ्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गिरिडीह रेलवे स्टेशन पर राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराए जाने के मामले में रेलवे बोर्ड ने लिया संज्ञान

रफ्तार मीडिया संवाददाता
गिरिडीहः गिरिडीह रेलवे स्टेशन परिसर में स्थापित राष्ट्रीय ध्वज को लंबे समय तक नहीं फहराए जाने के गंभीर मामले में रेलवे प्रशासन ने संज्ञान लिया है। इस संबंध में सामाजिक एवं सूचना अधिकार कार्यकर्ता सुनील कुमार खंडेलवाल के द्वारा दर्ज शिकायत को आवश्यक कार्रवाई हेतु रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली के कार्यकारी निदेशक रत्नेश कुमार झा के पास अग्रसारित कर दिया गया है।

ज्ञात हो कि गिरिडीह रेलवे स्टेशन परिसर में स्थापित राष्ट्रीय ध्वज को लगभग एक माह पूर्व उतार लिया गया था, किंतु उसे पुनः नहीं लगाया गया। इस संबंध में शिकायत में कहा गया था कि राष्ट्रीय ध्वज देश की अस्मिता, गौरव एवं सम्मान का प्रतीक है तथा किसी भी सरकारी संस्थान द्वारा उसके सम्मान एवं गरिमा की रक्षा किया जाना संवैधानिक और नैतिक दायित्व है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया था कि रेलवे प्रशासन के पास सामान्यतः राष्ट्रीय ध्वज के वैकल्पिक सेट उपलब्ध रहते हैं ताकि किसी कारणवश ध्वज उतारे जाने की स्थिति में दूसरा ध्वज तत्काल फहराया जा सके। इसके बावजूद गिरिडीह रेलवे स्टेशन पर लंबे समय तक राष्ट्रीय ध्वज का नहीं फहराया जाना गंभीर प्रशासनिक लापरवाही को दशार्ता है। शिकायतकर्ता सुनील कुमार खंडेलवाल ने यह भी आरोप लगाया कि पूर्व में भी कई अवसरों पर राष्ट्रीय ध्वज उतारे जाने के बाद तभी नया ध्वज लगाया गया, जब इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई गई। इससे यह प्रश्न उत्पन्न होता है कि क्या स्थानीय रेल प्रशासन राष्ट्रीय सम्मान से जुड़े विषयों पर स्वतः संज्ञान लेने के बजाय शिकायतों की प्रतीक्षा करता है। बहरहाल रेलवे प्रशासन द्वारा मामले को रेलवे बोर्ड के समक्ष भेजा जाना एक सकारात्मक कदम है। अब जनसामान्य की निगाहें रेलवे बोर्ड एवं संबंधित अधिकारियों की कार्रवाई पर टिकी हुई है। उम्मीद की जा रही है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी तथा भविष्य में ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति रोकने हेतु स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

देवघर पुलिस का ऑपरेशन वज्र सफल, एसपी के निर्देश पर एक रात में 44 वारंटों का निष्पादन, 40 अपराधी गिरफ्तार।

देवघरःदेवघर पुलिस **अधीक्षक** प्रवीण पुष्कर के निदेर्शानुसार देवघर पुलिस द्वारा जिलेभर में विशेष अभियान ह्लऑपरेशन वज्रह्व चलाया गया। अभियान का उद्देश्य विभिन्न मामलों में न्यायालय से निर्गत वारंटों का निष्पादन तथा वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करना था।

07/08 जून 2026 की मध्यरात्रि को जिले के सभी थाना क्षेत्रों में एक साथ चलाए गए इस व्यापक अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने विभिन्न संभावित ठिकानों पर सघन छापेमारी की। अभियान के परिणामस्वरूप कुल 44 वारंटों का निष्पादन किया गया तथा 40 वांछित अपराधियों एवं वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

अभियान के सफल संचालन के लिए सभी थाना क्षेत्रों को पूर्व में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। फरार वारंटियों एवं आरोपितों की सूची तैयार कर उनके संभावित ठिकानों की पहचान की गई और सुनियोजित रणनीति के तहत समन्वित कार्रवाई की गई। रात्रिकालीन छापेमारी के दौरान विभिन्न गांवों, मोहल्लों एवं अन्य संभावित स्थानों पर दबिश देकर आरोपितों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की गई। गिरफ्तार व्यक्तियों में विभिन्न आपराधिक मामलों, न्यायालयी वारंटों तथा लंबित मामलों से संबंधित आरोपी शामिल हैं।

इस विशेष अभियान में पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में जिले के तीनों अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ), पुलिस निरीक्षक, 18 थाना प्रभारी, 58 पुलिस पदाधिकारी एवं 74 पुलिस जवान शामिल रहे। अभियान के दौरान सभी इकाइयों के बीच प्रभावी समन्वय एवं सटीक सूचना संकलन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

देवघर पुलिस की इस कार्रवाई को अपराध नियंत्रण की दिशा में बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फरार अपराधियों एवं वारंटियों के विरुद्ध आगे भी इसी तरह के विशेष अभियान जारी रहेंगे, ताकि जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।

5 हजार का लालच देकर खुलवाता था बैंक खाते, साइबर ठगों को 25 हजार में बेचने वाला शातिर धनबाद में गिरफ्तार

रफ्तार मीडिया संवाददाता
गोवर्धन रजक धनबादः
धनबाद साइबर थाना पुलिस ने ऑनलाइन ठगी करने वाले अपराधियों को बैंक खाते, एटीएम कार्ड और सिम कार्ड (किराए व बिक्री पर) उपलब्ध कराने वाले एक बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस नेटवर्क के मुख्य गुर्गे को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान तीसरा थाना क्षेत्र निवासी संतोष कुमार गोराई के रूप में हुई है। सोमवार को साइबर थाना में आयोजित प्रेस वार्ता में साइबर पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी)प्रदीप कुमार साव ने इस पूरे रैकेट के काम करने के तरीके (मोडस ऑपेरेंडी) का सनसनीखेज खुलासा किया।गुप्त सूचना पर इंटरनेट कैफे में पड़ी रेड, बरामद हुए दस्तावेज

साव ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बरवाअड्डा क्षेत्र में साइबर ठगों को फर्जी दस्तावेज और बैंक खाते मुहैया कराने वाला एक आरोपी सक्रिय है। इसी आधार पर पुराना बरवाअड्डा थाना के ठीक सामने स्थित कृष्णा इंटरनेट कैफे में अचानक छापेमारी की गई। इस दौरान मौके से संतोष कुमार गोराई को रंगे हाथों दबोच लिया गया। जब पुलिस ने उसकी जामा तलाशी ली, तो उसके पास से एक आधुनिक मोबाइल फोन, विभिन्न टेलीकॉम कंपनियों के 6 सक्रिय सिम कार्ड और अलग-अलग राष्ट्रीयकृत व निजी बैंकों के 7 एटीएम कार्ड बरामद किए गए, जिनके संबंध में वह कोई वैध कागजात पेश नहीं कर सका।

गरीबों को चंद रुपयों का लालच, ठगों से मोटी कमाई

पुलिस की कड़ाई से की गई पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह लंबे समय से साइबर अपराधियों के लिए बैंक खाता प्रदाता (अकाउंट सप्लायर) के रूप में काम कर रहा था।

उसके काम करने का तरीका बेहद शातिराना थाः

वह सबसे पहले ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर या जरूरतमंद लोगों को अपना निशाना बनाता था। उन्हें चंद रुपयों का लालच देकर उनके नाम और पते पर विभिन्न बैंकों में खाते खुलवाता था।खाता खुलवाने के एवज में वह संबंधित सीधे-साधे व्यक्ति को ?5000 तक का भुगतान कर देता था।

ऑटो और बाईक के आमने सामने कि टक्कर मे एक कि मौत

रफ़्तार मीडिया संवाददाता, निरसा : मैथन से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है, जहां एक तेज रफ्तार ऑटो और बाइक की आमने-सामने की टक्कर में पिता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि ऑटो में अवैध कच्चा कोयला लदा था और चालक रॉन्ग साइड से वाहन चला रहा था।

मैथन ओपी क्षेत्र के डिबुडीह ब्रिज पर सोमवार दोपहर एक भीषण सड़क दुर्घटना में 50 वर्षीय राजेंद्र बिन की मौके पर ही मौत हो गई। राजेंद्र अपने पुत्र के साथ बाइक से बंगाल से धनबाद की ओर शादी का कार्ड देने जा रहे थे। इसी दौरान झारखंड की ओर से बंगाल जा रहा एक ऑटो अचानक रॉन्ग साइड से सामने आ गया और बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ऑटो संख्या खलृ 10 अढ 2527 में अवैध कच्चा कोयला लदा हुआ था और वाहन तेज रफ्तार में था। टक्कर इतनी भयावह थी कि बाइक सवार राजेंद्र बिन ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि उनका पुत्र गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। हादसे के बाद ऑटो चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पहले बंगाल पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, लेकिन बाद में वापस लौट गई। स्थानीय लोगों की भीड़ जुटने के बाद मैथन पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने तत्काल घायल युवक को इलाज के लिए एसएनएमसीएच धनबाद भेजा और मृतक के शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

डिबुडीह ब्रिज पर हुए इस हादसे ने एक परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। शादी का निमंत्रण देने निकले पिता की जान चली गई, जबकि बेटा जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर रॉन्ग साइड और अवैध कोयला ढुलाई जैसे खतरनाक खेल पर लगाम कब लगेगी? फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और फरार ऑटो चालक की तलाश की जा रही है।

संपादकीय

कॉकरोच जनता पार्टी : लोकतंत्र का व्यंग्य या लोकतांत्रिक मयार्दाओं पर संकट?

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यह केवल मतदान की व्यवस्था नहीं, बल्कि संवाद, सहमति, असहमति, संवैधानिक मयार्दाओं और सामाजिक उत्तरदायित्वों का एक सशक्त तंत्र है। लोकतंत्र की शक्ति विरोध में निहित है, लेकिन उसकी गरिमा विरोध की शैली, उद्देश्य और मयार्दा से निर्धारित होती है। हाल के दिनों में चर्चित हुई तथाकथित कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) इसी संदर्भ में गंभीर विमर्श की मांग करती है। यह आंदोलन प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के विरोध के नाम पर उभरा। प्रारम्भ में यह सोशल मीडिया पर व्यंग्यात्मक अभियान के रूप में सामने आया और बाद में दिल्ली के जंतर-मंतर तक पहुंच गया। इसके समर्थकों ने इसे युवाओं के आक्रोश की अभिव्यक्ति बताया, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या यह वास्तव में शिक्षा सुधार का आंदोलन है या लोकतांत्रिक असंतोष को व्यंग्य, उपहास और राजनीतिक ध्रुवीकरण की दिशा में मोड़ने वाला एक नया प्रयोग?

भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार देता है। किंतु कोई भी अधिकार निरंकुश नहीं होता। लोकतंत्र में विरोध का उद्देश्य समाधान की खोज होना चाहिए, न कि अराजकता का विस्तार। यदि विरोध का स्वर केवल उपहास, आक्रोश और टकराव तक सीमित रह जाए, तो वह लोकतंत्र को मजबूत करने के बजाय कमजोर करने लगता है। कॉकरोच जनता पार्टी का नाम ही एक नकारात्मक और व्यंग्यात्मक मानसिकता का परिचायक है। किसी राजनीतिक दल की नकल करते हुए स्वयं को ह्लकॉकरोचह्व के प्रतीक से जोड़ना लोकतांत्रिक विमर्श को गंभीरता से अधिक तमाशे में बदलने का प्रयास प्रतीत होता है। लोकतंत्र में व्यंग्य का स्थान है, लेकिन व्यंग्य यदि विचार का स्थान ले ले, तो वह जनमत को भ्रमित भी कर सकता है।

किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन उसकी मांगों और कार्यप्रणाली से किया जाता है। सीजेपी की प्रमुख मांगें हैं-परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, पेपर लीक की रोकथाम, शिक्षा मंत्री का इस्तीफा तथा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना। इनमें से अधिकांश मांगें ऐसी हैं जिन पर देश का हर जिम्मेदार नागरिक सहमत हो सकता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या इन मांगों को मनवाने का तरीका भी उतना ही जिम्मेदार है? क्या कॉकरोच के मुखौटे पहनना, राजनीतिक व्यंग्य को आंदोलन का आधार बनाना और सोशल मीडिया पर उत्तेजक अभियानों को बढ़ावा देना शिक्षा सुधार का व्यावहारिक मार्ग है? क्या इससे सरकार, विशेषज्ञों और समाज के बीच सार्थक संवाद स्थापित होगा? इतिहास बताता है कि स्थायी परिवर्तन नारेबाजी से नहीं, बल्कि वैचारिक स्पष्टता, संगठनात्मक अनुशासन और रचनात्मक दबाव से आते हैं।

भारत की युवा आबादी उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। लेकिन यही शक्ति यदि निराशा, बेरोजगारी और असंतोष से घिर जाए तो विभिन्न राजनीतिक शक्तियों के लिए उपयोग का साधन भी बन सकती है। आज देश का युवा प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार और भविष्य को लेकर चिंतित है। यह चिंता वास्तविक है। लेकिन हर वास्तविक चिंता के साथ एक खतरा भी जुड़ा होता है-उसका राजनीतिक दोहन। जब किसी आंदोलन के पीछे विभिन्न राजनीतिक समूहों, सत्ता-विरोधी संगठनों और वैचारिक एजेंडों की उपस्थिति दिखाई देने लगे, तब यह आशंका स्वाभाविक हो जाती है कि कहीं युवाओं की पीड़ा को राजनीतिक हथियार तो नहीं बनाया जा रहा। यदि छात्र आंदोलन शिक्षा सुधार की जगह सरकार-विरोधी अभियान में बदल जाए, तो सबसे बड़ा नुकसान स्वयं छात्रों का होता है। युवाओं को यह समझना होगा कि वे किसी राजनीतिक प्रयोगशाला के उपकरण नहीं हैं। उनकी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण के लिए है, किसी छिपे हुए राजनीतिक एजेंडे के लिए नहीं।

सीजेपी के समर्थकों द्वारा कभी-कभी नेपाल, बांग्लादेश अथवा अन्य देशों में हुए युवा आंदोलनों का उल्लेख किया जाता है। ऐसी तुलना न केवल जल्दबाजी है बल्कि भ्रामक भी हो सकती है। भारत की लोकतांत्रिक संरचना, संस्थागत शक्ति, न्यायिक व्यवस्था, मीडिया की स्वतंत्रता और संवैधानिक ढांचा पड़ोसी देशों से भिन्न है। जिन परिस्थितियों में अन्य देशों में जनआंदोलन उभरे, वे परिस्थितियां भारत में मौजूद नहीं हैं। भारत में चुनावी परिवर्तन की सशक्त व्यवस्था है। यहां सरकारें जनमत से बनती और बदलती हैं। इसलिए भारत के युवाओं को विदेशी या पड़ोसी देशों के आंदोलनों की भावनात्मक तुलना के बजाय भारतीय लोकतंत्र की विशेषताओं को समझना चाहिए। हर देश की राजनीतिक परिस्थितियां अलग होती हैं। इसलिए विदेशी उदाहरणों के आधार पर भारत में असंतोष को भड़काना न तो बौद्धिक रूप से उचित है और न ही राष्ट्रीय हित में। आज सोशल मीडिया किसी भी विचार को कुछ ही घंटों में लाखों लोगों तक पहुंचा सकता है। लेकिन यही उसकी सबसे बड़ी चुनौती भी है।

सोशल मीडिया पर बढ़ती सनसनी, स्क्रिप्टेड विवाद और दर्शकों की जिम्मेदारी

डिजिटल क्रांति ने संचार और अभिव्यक्ति की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। आज एक स्मार्टफोन और इंटरनेट कनेक्शन के सहारे कोई भी व्यक्ति अपने विचार, प्रतिभा और अनुभव दुनिया के सामने रख सकता है। यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया मंचों ने लाखों लोगों को पहचान, रोजगार और लोकप्रियता प्रदान की है। यह एक सकारात्मक परिवर्तन है जिसने पारंपरिक मीडिया के एकाधिकार को तोड़ा और आम नागरिक को भी अभिव्यक्ति का अवसर दिया। लेकिन इस परिवर्तन के साथ कुछ ऐसी प्रवृत्तियाँ भी विकसित हुई हैं जो चिंता का विषय बनती जा रही हैं। इनमें सबसे प्रमुख है–व्यूज, लाइक्स और फॉलोअर्स की अंधी दौड़।

आज सोशल मीडिया पर सफलता का पैमाना अक्सर सामग्री की गुणवत्ता नहीं, बल्कि उसकी लोकप्रियता बन गया है। किसी वीडियो को कितने लोगों ने देखा, उस पर कितनी टिप्पणियाँ आईं और उसे कितनी बार साझा किया गया, यही उसकी सफलता का आधार माना जाता है। इस वातावरण में कुछ कंटेंट निमार्ता दर्शकों का ध्यान आकर्षित करने के लिए ऐसे तरीकों का सहारा लेने लगे हैं जो वास्तविकता से अधिक नाटक और सनसनी पर आधारित होते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में सोशल मीडिया पर ऐसे अनेक वीडियो वायरल हुए हैं जिनमें कथित झगड़े, पारिवारिक विवाद, मित्रों के बीच टकराव, रिश्तों में दरार, सार्वजनिक बहस या भावनात्मक घटनाएँ दिखाई जाती हैं। कई बार ये घटनाएँ इतनी नाटकीय प्रतीत होती हैं कि दर्शकों के मन में स्वाभाविक रूप से संदेह पैदा होता है। ऐसा लगता है कि जैसे पूरा घटनाक्रम पहले से तय हो, संवाद लिखे गए हों और कैमरे केवल उस पटकथा को रिकॉर्ड करने के लिए लगाए गए हों।

अक्सर देखा जाता है कि कथित विवाद ठीक कैमरे या सीसीटीवी की मौजूदगी में घटित होता है। पात्र बार-बार कैमरे की ओर देखते हैं, घटनाएँ एकदम फिल्मी अंदाज में आगे बढ़ती हैं और अंत में वीडियो वायरल हो जाता है। दर्शक सोचने पर मजबूर हो जाते हैं कि क्या यह वास्तव में अचानक हुई घटना थी या फिर लोकप्रियता हासिल करने के लिए रचा गया एक सुनियोजित नाटक?

सोशल मीडिया की आर्थिक संरचना इस प्रवृत्ति को समझने में मदद करती है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ध्यान ही सबसे बड़ी पूँजी है। जितने अधिक लोग किसी सामग्री को देखेंगे, उतनी अधिक उसकी पहुँच होगी और उतना ही अधिक आर्थिक लाभ उससे जुड़ सकता है। विज्ञापन, ब्रांड सहयोग, प्रायोजन और अन्य व्यावसायिक अवसर लोकप्रियता के साथ बढ़ते हैं। ऐसे में कुछ लोग यह मान बैठते हैं कि यदि विवाद से व्यूज बढ़ते हैं तो विवाद पैदा करना ही सबसे आसान रणनीति है।

यही कारण है कि कई बार वास्तविक रचनात्मकता पीछे छूट जाती है और उसकी जगह कृत्रिम ड्रामा ले लेता है। ज्ञानवर्धक सामग्री तैयार करने, शोध करने या उपयोगी जानकारी प्रस्तुत करने में समय और मेहनत लगती है। इसके विपरीत, एक विवादास्पद वीडियो या सनसनीखेज घटना कुछ ही घंटों में लाखों लोगों का ध्यान आकर्षित कर सकती है। परिणामस्वरूप कुछ कंटेंट निमार्ता आसान रास्ता चुन लेते हैं।

इस प्रवृत्ति का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ता है। किशोर और युवा सोशल मीडिया के सबसे सक्रिय उपभोक्ता हैं। जब वे देखते हैं कि विवाद, झगड़े और सनसनी तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं, तो उनके मन में यह धारणा बन सकती है कि सफलता का मार्ग प्रतिभा, मेहनत और ज्ञान नहीं, बल्कि ध्यान आकर्षित करने वाली गतिविधियाँ हैं। यह सोच समाज के लिए दीर्घकालिक रूप से नुकसानदेह साबित हो सकती है।

सोशल मीडिया पर बढ़ता यह नाटकीयकरण केवल मनोरंजन का प्रश्न नहीं है, बल्कि सामाजिक मूल्यों से भी जुड़ा हुआ है। जब कृत्रिम विवाद चर्चा का केंद्र बन जाते हैं, तब शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, रोजगार, विज्ञान और सामाजिक न्याय जैसे महत्वपूर्ण विषय हाशिए पर चले जाते हैं। समाज का सामूहिक ध्यान उन मुद्दों से हटकर उन घटनाओं पर केंद्रित हो जाता है जिनका वास्तविक जीवन से बहुत कम संबंध होता है।

हालाँकि यह भी सच है कि हर वायरल वीडियो या सार्वजनिक विवाद को बिना प्रमाण स्क्रिप्टेड नहीं कहा जा सकता। वास्तविक जीवन में भी मतभेद होते हैं, रिश्तों में तनाव आता है और सार्वजनिक घटनाएँ घटित होती हैं। कैमरों की बढ़ती उपलब्धता के कारण अनेक वास्तविक घटनाएँ रिकॉर्ड भी हो जाती हैं। इसलिए किसी भी वीडियो के बारे में निष्कर्ष निकालते समय संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। केवल अनुमान के आधार पर किसी व्यक्ति या समूह को दोषी ठहराना उचित नहीं होगा।

लेकिन जब बार-बार एक जैसे पैटर्न दिखाई दें, जब हर विवाद वायरल होने की क्षमता से भरपूर हो, जब हर झगड़ा कैमरे के सामने ही घटित हो और जब संबंधित लोग बाद में उस विवाद से आर्थिक या सामाजिक लाभ प्राप्त करते दिखाई दें, तब प्रश्न उठना स्वाभाविक है। लोकतांत्रिक समाज में प्रश्न पूछना और तथ्यों की पड़ताल करना दर्शकों का अधिकार भी है और जिम्मेदारी भी।

यहीं मीडिया साक्षरता का महत्व सामने आता है। आज केवल साक्षर होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि डिजिटल साक्षर होना भी आवश्यक है। लोगों को यह समझना चाहिए कि सोशल मीडिया की सामग्री कैसे तैयार होती है, एल्गोरिद्म किस प्रकार काम करते हैं और कौन-से तत्व किसी सामग्री को वायरल बनाते हैं। यदि दर्शक इन प्रक्रियाओं को समझेंगे, तो वे सनसनी और वास्तविकता के बीच अंतर करने में अधिक सक्षम होंगे।

यूट्यूब और अन्य प्लेटफॉर्म्स की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। यदि उनके एल्गोरिद्म केवल उन सामग्रियों को बढ़ावा देंगे जो अधिक विवादास्पद और उत्तेजक हैं, तो कंटेंट निमार्ता भी उसी दिशा में बढ़ेंगे। प्लेटफॉर्म्स को ऐसी नीतियाँ विकसित करनी चाहिए जो ज्ञान, रचनात्मकता, सामाजिक उपयोगिता और सकारात्मक संवाद को प्रोत्साहित करें। स्वस्थ डिजिटल संस्कृति तभी विकसित हो सकती है जब गुणवत्ता को लोकप्रियता के बराबर महत्व मिले।

दर्शकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। अंततः वही तय करते हैं कि कौन-सी सामग्री सफल होगी। हर व्यू, हर लाइक और हर शेयर एक प्रकार का समर्थन है। यदि लोग केवल विवादों और ड्रामों को देखेंगे, तो ऐसे कंटेंट की संख्या स्वाभाविक रूप से बढ़ेगी। लेकिन यदि वे शोधपूर्ण, रचनात्मक और उपयोगी सामग्री को प्राथमिकता देंगे, तो डिजिटल दुनिया का स्वरूप भी बदल सकता है।आज आवश्यकता इस बात की है कि हम सोशल मीडिया को केवल मनोरंजन का साधन न मानें, बल्कि एक सामाजिक शक्ति के रूप में देखें। यह शक्ति सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है, लोगों को शिक्षित कर सकती है और समाज में सार्थक संवाद को बढ़ावा दे सकती है। लेकिन यदि इसका उपयोग केवल सनसनी और लोकप्रियता की दौड़ तक सीमित रह गया, तो यह अविश्वास, भ्रम और सतहीपन को बढ़ावा देगा।

कंटेंट निमार्ताओं को भी यह समझना होगा कि दर्शकों का विश्वास उनकी सबसे बड़ी पूँजी है। अल्पकालिक लोकप्रियता के लिए कृत्रिम विवादों का सहारा लेना आसान हो सकता है, लेकिन दीर्घकालिक सम्मान केवल ईमानदारी, गुणवत्ता और विश्वसनीयता से ही प्राप्त होता है। जो रचनाकार अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर आगे बढ़ते हैं, उनकी पहचान समय के साथ और अधिक मजबूत होती जाती है।

कांग्रेस पार्टी में कुर्सी की जिद, बगावती बुढ़ापा और बिखरी साख

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय राजनीति का एक सीधा सा नियम है। एक समझदार नेता वह नहीं है जिसे सिर्फ आगे बढ़ना आता हो, बल्कि वह है जिसे यह पता हो कि कब और कितनी इज्जत के साथ दो कदम पीछे हट जाना है। आज की आपाधापी और कुर्सी से चिपके रहने की राजनीति के बीच, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने जो समझदारी दिखाई है, वह काबिले तारीफ है। उन्होंने देश के बाकी बुजुर्ग नेताओं को एक ऐसा सधा हुआ संदेश दिया है, जो न सिर्फ उनकी इज्जत को बढ़ाता है बल्कि दूसरों के लिए एक सबक भी है।

राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा आम है कि पार्टी अब शायद दिग्विजय सिंह को दोबारा राज्यसभा नहीं भेजेगी। अमूमन ऐसे मोड़ पर बड़े-बड़े नेता या तो बगावत पर उतर आते हैं या फिर कोने में बैठकर नाराजगी जताने लगते हैं। लेकिन दिग्गी राजा ने जिस अक्लमंदी से अपनी साख और सम्मान को बनाए रखा है, वह उनकी राजनीतिक परिपक्वता को दिखाता है। लोकतंत्र में कोई उनकी विचारधारा से अलग सोच रख सकता है, लेकिन उनकी राजनीतिक समझ और सही टाइमिंग के मामले में वे आज भी बेजोड़ हैं। वे जानते हैं कि जब हवा का रुख बदल रहा हो, तो खुद को कैसे संभाला जाता है। पद पर न रहकर भी संगठन में अपनी साख को कैसे बरकरार रखा जाता है, यह कला दिग्विजय सिंह ने बखूबी दिखाई है।इसके ठीक उलट, जब हम मध्य प्रदेश की राजनीति में उनके ही समकालीन नेता कमलनाथ को देखते हैं, तो स्थिति बिल्कुल विपरीत नजर आती है। पार्टी ने ज्योतिरादित्य सिंधिया की जगह कमलनाथ पर भरोसा जताकर उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपी थी। लेकिन अपनी जिद और कुंठा के कारण कमलनाथ ने न सिर्फ सरकार गंवाई, बल्कि धीरे-धीरे प्रदेश में अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया। हाल ही में एक राज्यसभा सीट के लिए दिल्ली से भोपाल तक की गई उनकी भागमभाग को सबने देखा। इतनी दौड़-धूप करने के बाद भी अंत में उन्हें खाली हाथ

रहना पड़ा और सीट नहीं मिली, जिससे राजनीतिक गलियारों में उनकी जो किरकिरी हुई वह अलग। खुद को समय के अनुसार न ढालने की यह कुंठा किसी भी कद्दावर नेता के बने-बनाए इतिहास को धूमिल कर देती है।यही हाल राजस्थान के जादूगर कहे जाने वाले अशोक गहलोत का भी है। जब कोई नेता यह मान बैठता है कि पूरा प्रदेश उसकी मुट्ठी में है और उसके बिना कुछ नहीं हो सकता, तो वहीं से उसकी सबसे बड़ी राजनीतिक भूल शुरू होती है। जीवनभर सत्ता के शीर्ष पदों पर रहने के बाद भी जब एक बड़ा नेता युवाओं का रास्ता रोकने लगता है, तो वह खुद अपनी इज्जत कम कर लेता है। राजस्थान में सचिन पायलट के प्रति उनकी नफरत और पदों के लिए कभी न खत्म होने वाली भूख ने उनके कद को बहुत छोटा कर दिया है। सवाल यह है कि जब आप खुद पूरी जिंदगी मलाईदार पदों पर रहे, तो आज बदलाव की उम्मीद रखने वाले युवाओं की महत्वाकांक्षा पर सवाल उठाने वाले आप कौन होते हैं गहलोत के बदले हुए सुर और उनकी भाषा साफ इशारा कर रही है कि वे अब पार्टी से अलग रास्ता तलाश रहे हैं। अपनी राजनीति बचाने की ज़िद में वे अपनी ही इज्जत दांव पर लगा चुके हैं। अब होगा यह कि या तो वे खुद ही बाहर निकल जाएंगे, या फिर ऐसे बयानों के बाद पार्टी उन्हें खुद किनारे लगा देगी। अशोक गहलोत और कमलनाथ का यह रुख कोई पहला उदाहरण नहीं है। कांग्रेस का इतिहास गवाह है कि जो नेता समय रहते मार्गदर्शक की भूमिका में नहीं आए, उन्होंने अपनी ही जिद से अपना राजनीतिक बुढ़ापा खराब कर लिया। पंजाब के कैप्टन अमरिंदर सिंह और जम्मू-कश्मीर के कद्दावर नेता गुलाम नबी आजाद इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पूरी जिंदगी पंजाब की सियासत पर राज किया, लेकिन आखिरी वक्त में कुर्सी न छोड़ने की जिद ने उन्हें उस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया जहां आज उनकी कोई राजनीतिक पूछ नहीं है। यही हाल गुलाम नबी आजाद का हुआ, जिन्होंने अपनी नई पार्टी तो बना ली, लेकिन आज वे पूरी तरह अप्रासंगिक हो चुके हैं। इन नेताओं ने जीवन भर जो मान-सम्मान कमाया था, वह उम्र के आखिरी पड़ाव में आकर सिर्फ पदों की भूख के कारण मिट्टी में मिल गया। सियासत का यह कड़वा सच है कि समय हमेशा एक जैसा नहीं रहता। जो नेता वक्त की नब्ज को पहचानकर नई पीढ़ी के लिए जगह खाली नहीं करते, इतिहास उन्हें कभी सम्मान से याद नहीं रखता। दिग्विजय सिंह के इस कदम से बाकी वरिष्ठ नेताओं को यह सीखना चाहिए कि राजनीति सिर्फ पद की नहीं, बल्कि कद की होती है और कद कभी कुर्सियों से नहीं, बल्कि सही समय पर गरिमा के साथ पीछे हटने से बड़ा होता है।

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव पर राम मंदिर विरोधीहोने का ठप्पा क्यों लगा है

अशोक भाटिया

अखिलेश यादव पर राम मंदिर विरोधी होने का ठप्पा उनकी और समाजवादी पार्टी की पिछली सरकारों के फैसलों, हिंदुत्व विरोधी माने जाने वाले बयानों और राम मंदिर आंदोलन के दौरान अयोध्या में हुई गोलीबारी (1990) से जुड़े ऐतिहासिक विवादों के कारण लगा है। इसे मुख्य रूप से निम्नलिखित राजनीतिक और ऐतिहासिक कारणों से बल मिलता है:

संसद में हालिया बयानः अखिलेश यादव अक्सर संसद या राजनीतिक मंचों से तंज कसते हुए यह कहते हैं कि ह्लजिन्होंने गोली चलवाई, वे ही राम मंदिर बनवा रहे हैं।ह्व इस तरह के बयान उनके और भाजपा के बीच वैचारिक टकराव को दिखाते हैं और उनकी मंदिर विरोधी छवि को मजबूत करते हैं।

समारोहों से दूरीः अयोध्या में 22 जनवरी 2024 को हुए भव्य राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह और 2024 में रामलला के दर्शन का निमंत्रण मिलने के बावजूद अखिलेश यादव का उसमें शामिल न होना, हिंदूवादी संगठनों के बीच उनकी छवि को मंदिर-विरोधी के रूप में स्थापित करने का एक बड़ा कारण बना। जब विधान सभा में राम मंदिर धन्यवाद प्रस्ताव रखा गया था तब सपा के 108 में से केवल 14 विधायकों ने विधानसभा में राम मंदिर धन्यवाद प्रस्ताव का विरोध किया। भाजपा की ओर से कहा जा रहा था कि इनके नाम सार्वजनिक किये जाएं। यूपी बजट सत्र के तीसरे दिन 5 फरवरी को सदन में अपने अभिभाषण के दौरान डॉक्टर शलभमणि त्रिपाठी ने सपा को

जमकर लताड़ लगाई। विधानसभा में उन्होंने कहा कि राम मंदिर का आमंत्रण तो आप को भी मिला था पर आप अयोध्या नहीं गए। मैं बहुत हैरान हुआ कि जब आप लोग भगवान राम के आमंत्रण पर नहीं गए। आप लोगों ने भगवान राम के वजूद को नकार दिया था। आप लोगों के लिए पश्चाताप का आखिरी अवसर था। आज जब सदन में भगवान राम के नाम पर बधाई प्रस्ताव जा रहा था तब आप लोग चुप रह सकते थे लेकिन आपने विरोध शुरू कर दिया। मैं विधानसभा अध्यक्ष से मांग करता हूं कि उन 14 सपा नेताओं के नाम सार्वजनिक कीजिए जिन्होंने भगवान राम के नाम पर आए बधाई प्रस्ताव का विरोध किया है।

दरअसल राम मंदिर निर्माण को लेकर सरकार की ओर से विधानसभा में बधाई प्रस्ताव पेश किया गया। इस प्रस्ताव का समाजवादी पार्टी के सदस्यों की ओर से आवाज आई कि यह जबरदस्ती की बधाई है। हालांकि विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि कोई जबरदस्ती नहीं है, जो सहमत हों वही बधाई दें। प्रस्ताव पेश होने के बाद समाजवादी पार्टी के 14 सदस्यों ने इसके विरोध में हाथ नहीं उठाया। दरअसल बीजेपी चाहती थी कि ये नाम सामने आएं ताकि उनके मतदाताओं को भी पता चल सके उनके प्रतिनिधि राम मंदिर उद्घाटन में ही नहीं गए बल्कि धन्यवाद प्रस्ताव भी उन्हें मंजूर नहीं है।वैसे भी जनता को यह जानने का अधिकार है कि विधानसभा में पेश होने वाले प्रस्ताव का हमारे जनप्रतिनिधि का क्या रुख है। मतदाता अपने नेता के किए गए कार्यों के आधार पर ही उसे भविष्य में वोट देना है या नहीं देना है का फैसला लेता है।विधायक शलभ मणि ने मीडिया से कहा कि जिन विधायकों ने सदन में भगवान राम के नाम का विरोध किया, अब वे नहीं चाहते कि उनका नाम सार्वजनिक हो, उन्हें पता है कि भगवान राम के खिलाफ वोट करके वे अपने क्षेत्र में जाएंगे तो लोग ही नहीं उनके परिवार वाले भी उनसे पूछेंगे कि आपने ऐसा क्यूँ किया। यही वजह है कि सपा विधायक ओमवेश जी ने तो प्रभु राम के खिलाफ दिया गया अपना वोट यह कहते हुए वापस ले लिया कि वे पक्के राम भक्त हैं। जो राम और राष्ट्र के साथ नहीं, देश उनके साथ नहीं खड़ा होगा।

गौरतलब है की विधानसभा में प्रस्ताव आने के बाद सपा के 97 विधायकों ने योगी सरकार का समर्थन किया। महज 14 विधायकों ने विरोध करते हुए हाथ ऊपर नहीं किया। रालोद के विधायकों का भी समर्थन योगी सरकार को मिला। 14 विधायकों में से एक स्वामी ओमवेश ने अपना विरोध वापस ले लिया है, मतलब अब केवल 13 विधायक ही प्रस्ताव का विरोध करने वाले रह गए हैं। साफ है कि राम मंदिर के नाम पर पार्टी में कभी विधायक दल की बैठक नहीं हुई या राममंदिर मुद्दे पर पार्टी को क्या स्टैंड लेना है इस पर भी पार्टी से सलाह नहीं ली गई। पार्टी पिछले 4 चुनावों से उत्तर प्रदेश में मुंह की इसी लिए खा रही है क्योंकि पार्टी को प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की तरह चलाया जा रहा है।

बताया तो यभी गया था कि 2022

महंगी शिक्षाः प्रतिभा और अवसर के बीच दीवार

डॉ विजय गर्ग

शिक्षा को किसी भी सभ्य समाज की रीढ़ और उज्जवल भविष्य की नींव माना जाता है। भारत में पारंपरिक रूप से शिक्षा को एक पवित्र सेवा और ज्ञान की साधना के रूप में देखा गया है। लेकिन बदलते दौर के साथ, आज शिक्षा का परिदृश्य पूरी तरह बदल चुका है। वर्तमान समय में शिक्षा का तेजी से व्यवसायीकरण हुआ है, जिसने इसे एक महंगे प्रोडक्ट में तब्दील कर दिया है। इस बढ़ती महंगाई के बीच सबसे बड़ा नुकसान देश के मध्यमवर्गीय और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के होनहार बच्चों को हो रहा है, जिनके बड़े-बड़े सपने इस भारी-भरकम फीस के बोझ तले दबकर दम तोड़ रहे हैं।

आसमान छूती फीस और आम आदमी की बेबसीः

आज के दौर में प्ले-स्कूल से लेकर उच्च शिक्षण संस्थानों तक, शिक्षा का खर्च आम आदमी के बजट से बाहर हो चुका है। निजी स्कूलों की सालाना फीस, डोनेशन, किताबों और यूनिफॉर्म के नाम पर होने वाली वसूली ने अभिभावकों की कमर तोड़ दी है।

जब बात उच्च शिक्षा जैसे–मेडिकल, इंजीनियरिंग, प्रबंधन या सिविल सर्विसेज की कोचिंग की आती है, तो यह खर्च लाखों-करोड़ों में पहुंच जाता है। एक आम वेतनभोगी या किसान माता-पिता के लिए अपने बच्चे को किसी अच्छे निजी संस्थान में पढ़ाना एक अवास्तविक सपना जैसा लगने लगा है। नतीजा यह होता है कि प्रतिभा होने के बावजूद कई बच्चे उन पाठ्यक्रमों में दाखिला नहीं ले पाते, जिनके वे हकदार हैं।

कोचिंग हब और सपनों की मंडीः

आज देश में कोचिंग इंस्टिट्यूट्स का एक समानांतर शिक्षा तंत्र खड़ा हो गया है। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए इन कोचिंग सेंटरों को अनिवार्य मान लिया गया है। लेकिन इन संस्थानों की फीस इतनी अधिक है कि यह केवल संपन्न परिवारों तक ही सीमित होकर रह गई है।

समान अवसर का अभावः ग्रामीण और आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों के बच्चे, जो महंगी कोचिंग की फीस नहीं भर सकते, वे शुरूआत में ही इस दौड़ में पीछे छूट जाते हैं।

मानसिक तनावः जो परिवार कर्ज लेकर या अपनी जमीन बेचकर बच्चों को इन कोचिंग हब में भेजते हैं, उन बच्चों पर सफलता का एक मानसिक दबाव बन जाता है। उम्मीदों का यह बोझ कई बार युवा मानसिक रूप से संभाल नहीं पाते।

एजुकेशन लोनः राहत या अंतहीन कर्ज का जाल?:

महंगी उच्च शिक्षा के विकल्प के रूप में शिक्षा ऋण को एक समाधान के रूप में पेश किया जाता है। लेकिन हकीकत इसके उलट है:

गारंटर और सुरक्षा की शर्तः बैंक से लोन लेने के लिए भी कई बार कड़े नियम और गारंटर की आवश्यकता होती है, जिसे गरीब परिवार पूरा नहीं कर पाते।

बेरोजगारी और मंदी का सायाः पढ़ाई पूरी होने के तुरंत बाद नौकरी मिलने की कोई गारंटी नहीं होती। देश में डिग्री धारक युवाओं की संख्या और उपलब्ध रोजगार के बीच एक बड़ा अंतर है।

करियर की शुरूआत में ही कर्ज का बोझः यदि नौकरी मिल भी जाए, तो वेतन का एक बड़ा हिस्सा लोन की ईएमआई चुकाने में चला जाता है। ऐसे में युवा अपने करियर की शुरूआत एक स्वतंत्र और रचनात्मक सोच के साथ करने के बजाय, सिर्फ कर्ज चुकाने की मशीन बनकर रह जाता है।

कौशल-आधारित शिक्षा की दरकार

इस गंभीर संकट के बीच अब समय आ गया है कि हम शिक्षा के पारंपरिक नजरिए को बदलें। केवल महंगी डिग्रियां हासिल करना ही सफलता की गारंटी नहीं है।

भविष्य की मांगः आज के वैश्विक परिदृश्य में केवल डिग्री से ज्यादा कौशल को महत्व दिया जा रहा है। यदि देश के युवाओं को व्यावहारिक और तकनीकी कौशल से लैस किया जाए, तो वे आत्मनिर्भर बन सकते हैं। डिजिटल साक्षरता, कोडिंग, डेटा एनालिसिस, व्यावहारिक विज्ञान और विभिन्न व्यावसायिक कौशल को स्कूली स्तर से ही बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि शिक्षा महंगी न होकर रोजगारपरक बने।

समाधान की दिशा में आवश्यक कदम

शिक्षा को दोबारा हर वर्ग के लिए सुलभ बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है:

सरकारी शिक्षा तंत्र का सुदृढ़ीकरणः सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के बुनियादी ढांचे और शिक्षा की गुणवत्ता को इतना बेहतर बनाना होगा कि किसी भी छात्र को निजी संस्थानों का रुख न करना पड़े।

फीस की अधिकतम सीमा तय होनाः सरकार और नियामक संस्थाओं को निजी शिक्षण संस्थानों और कोचिंग सेंटरों की फीस की एक तार्किक सीमा तय करनी चाहिए, ताकि शिक्षा का अंधाधुंध व्यवसायीकरण रुके।

भारतीय टीम की सबसे बड़ी टेस्ट जीत, अफगानिस्तान को एक पारी और 300 रनों से हराया

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन ही अफगानिस्तान को एक पारी और 300 रनों से हरा दिया। इस मैच में अफगानिस्तान की टीम फॉलोऑन खेलते हुए अपनी दूसरी पारी में भी केवल 112 रनों पर ही आउट हो गयी। वहीं वह पहली पारी में 152 रनों पर आउट हो गयी थी, भारत की ओर से सबसे अधिक 6 विकेट मानव सुथार ने लिए। फॉलोऑन खेलने उतरी अफगानिस्तान की टीम दूसरी पारी में भी केवल 112 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम ने पहली पारी 8 विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की थी। ऐसे में उसे पहली पारी के आधार पर 412 रनों की बढ़त मिली थी। इसके बाद भारतीय टीम ने अफगान टीम को फॉलोऑन के लिए बुलाया। अफगान टीम दूसरी पारी में भी टिक नहीं पायी और केवल 112 रन ही बना पायी। सलामी बल्लेबाज सिद्दीकुल्लाह अटल ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाये। वहीं भारतीय टीम की ओर से सुंदर ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। कुलदीप यादव ने 3 विकेट, मोहम्मद सिराज ने 1 विकेट और मानव सुथार ने 1 विकेट लिया।

इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी 8 विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की थी। भारत की ओर से अपना पहला टेस्ट खेल रहे स्पिनर मानव सुथार ने इस मैच में काफी अच्छी गेंदबाजी कर कुल 7 विकेट लिए। सुथार ने पहली पारी में 22 ओवर में 33 रन देकर छह विकेट लिए जबकि दूसरी पारी में एक विकेट लिया। वहीं वाशिंगटन सुंदर ने अफगानिस्तान की दूसरी पारी में चार विकेट जबकि कुलदीप यादव ने तीन विकेट लिए। इस मैच में जीत के साथ ही भारतीय टीम ने पारी और रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत 300 रनों से हासिल की है। यह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में टीम इंडिया की सबसे बड़ी जीत रही। इससे पहले भारतीय टीम ने साल 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ पारी और 272 रनों से जीत हासिल की थी।

इस मैच में भारतीय टीम पूरी तरह से हावी रही। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल ने शतक लगाये जबकि साई सुदर्शन और ऋषभ पंत ने अर्धशतक लगाया। शुभमन ने 15 चौके और 1 छक्के की मदद से 126 रनों की पारी खेली जबकि केएल राहुल ने 11 चौके लगाकर 100 रन बनाए। साई सुदर्शन और ऋषभ पंत ने 81-81 रन जबकि वाशिंगटन सुंदर ने 52 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरी अफगान टीम सुथार की फिरकी में उलझ गयी और पहली पारी में 152 रन ही बना पायी। केवल रहमत शाह ही 60 रनों की पारी खेली जबकि बाकी सभी बल्लेबाज विफल रहे। सुथार ने सबसे ज्यादा 6 विकेट लिए जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 3 जबकि वाशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट लिया।

ज्वेरेव ने फ्रेंच ओपन टेनिस खिताब जीता

पेरिस (एजेंसी)। जर्मन के टेनिस स्टार अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने इटली के फ्लावियो कोबोली को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस 2026 का पुरुष एकल खिताब जीत लिया है। ज्वेरेव ने खिताबी मुकाबले में कोबोली को 4 घंटे 16 मिनट तक चला, जिसमें ज्वेरेव ने कोबोली को 6-1, 4-6, 6-4, 6-7 (5-7), 6-1 से जीत दर्ज की। इसी के साथ ही जर्मन खिलाड़ी ने अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब भी जीत लिया। पेरिस के प्रतिष्ठित रोलां गैरोस में खेला गया यह ऐतिहासिक मुकाबला 4 घंटे 16 मिनट तक चला। इस मैच में दूसरी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव शुरुआत से ही हावी रहे। पहले सेट में अपनी सर्विस और फोरहैंड का शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मन खिलाड़ी ने 6-1 से जीत दर्ज की। 10वीं वरीयता प्राप्त कोबोली ने दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए ज्वेरेव को कड़ी टक्कर दी। कोबोली ने हुए, दूसरा सेट 6-4 से जीतकर मुकाबले को बराबरी पर ला खड़ा किया। तीसरे सेट में ज्वेरेव ने एक बार फिर वापसी करते हुए हुए 6-4 से बढ़त बना ली। चौथा सेट बेहद रोमांचक और संघर्षपूर्ण रहा। इसमें दोनों खिलाड़ियों ने पूरी ताकत लगा दी। ये सेट टाईब्रेकर तक पहुंचा, जहां कोबोली ने 7-5 से जीत हासिल की और मैच को निर्णायक पांचवें सेट तक पहुंचा दिया। इसके बाद ज्वेरेव के हार तय लग रही थी पर पांचवें सेट में, ज्वेरेव ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए कोबोली की सर्विस दो बार तोड़ी और लगातार अंक हासिल कर 6-1 से यह सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया।

यह जीत ज्वेरेव के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि इससे पहले वह तीन ग्रैंड स्लैम फाइनल में हारे हैं। वह 2020 यूएस ओपन, 2024 फ्रेंच ओपन और 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में जीत के करीब पहुंचकर भी हार गए थे। इस बार जर्मन खिलाड़ी ने मानसिक मजबूती बनाये रखकर मुकाबले में जीत दर्ज की। इसी के साथ ही ज्वेरेव फ्रेंच ओपन का पुरुष एकल खिताब जीतने वाले पहले जर्मन पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले, 1937 में जर्मनी के हेनर हेन्केल ने रोलां गैरोस का खिताब जीता था। इस लिहाज से, ज्वेरेव ने 89 साल के लंबे इंतजार को समाप्त करते हुए ये ट्रॉफी जीती है।

मुंबई इंडियंस को छोड़ सकते हैं सूर्यकुमार, केकेआर या सीएसके जाने की संभावना

मुम्बई (एजेंसी)। बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव अब आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस को छोड़ सकते हैं। सूर्या के बाहर किये जाने की अटकलों को इस लिए भी बल मिल रहा है क्योंकि उन्होंने सोशल मीडिया में मुंबई इंडियंस को अनफॉलो कर दिया है। इतना ही नहीं, उनके अकाउंट से मुंबई इंडियंस की जर्सी वाली तस्वीरें भी हट गयी हैं। इससे ये साफ होता है कि सूर्या अब मुम्बई इंडियंस से नहीं खेलेंगे।

सूर्यकुमार को हाल ही में इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया और उनसे कप्तानी से भी हटा दिया गया। गौरतलब है कि इस आईपीएल सत्र में भी मुंबई इंडियंस के लिए भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। उन्हें पिछली बार मेगा नीलामी में मुंबई इंडियंस ने 16.25 करोड़ रुपये में बरकरार रखा था जिस पर इस बार भी बरकरार रखा गया था। वह साल 2018 से ही लगातार मुंबई इंडियंस का अहम हिस्सा रहे हैं पर जिस प्रकार से उनका प्रदर्शन खराब हुआ है। उससे अब लगता है कि मुम्बई भी उन्हें आगे बनाये नहीं रखना चाहती।

ऐसे में अब कई रिपोर्ट्स ये दावा कर रही हैं कि अगर सूर्यकुमार मुंबई से बाहर जाते हैं तो वह अपनी पुरानी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) जा सकते हैं। केकेआर को भी अपने लिए एक बेहतर कप्तान और शीर्ष क्रम में एक अनुभवी भारतीय बल्लेबाज की जरूरत है। कोलकाता के अलावा सूर्या चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) भी जा सकते हैं। इसका कारण है कि सीएसके भी एक बेहतर बल्लेबाज की तलाश में है।

मुंबई के लिए उन्होंने अब तक कुल 127 मैचों में 4020 रन बनाए हैं, जिसमें दो शानदार शतक भी शामिल हैं। वहीं केकेआर के लिए अपने पहले कार्यकाल में सूर्या ने 60 मैचों में 684 रन बनाए थे, जिसमें चैंपियंस लीग टी20 के 127 रन भी शामिल हैं।

महंगी कीमतों से फीफा विश्व कप 2026 के प्रति प्रशंसकों का आकर्षण घटा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में संयुक्त रूप से शुरु होने जा रहे फीफा विश्वकप फुटबॉल को लेकर प्रशंसकों में वैसा उत्साह नहीं दिखता जो आम तौर पर देखा जाता है। इस कारण विश्वकप के महंगे टिकट, तीन देशों के बीच यात्रा का अत्यधिक खर्च और अमेरिका में प्रवेश संबंधी दिक्कतें हैं। इससे प्रशंसक घर से ही मैच देखना चाहते हैं।

इंग्लैंड के एक ऐसे ही प्रशंसक का कहना है कि उसने पिछले चार विश्व कप देखे पर इस बार वह यूरोप में ही रहकर टूर्नामेंट के कुछ मुकाबलों का आनंद पुर्तगाल के समुद्र तट पर लगी स्क्रीन में उठाएगा। वहीं अर्जेंटीना के प्रशंसक ने कहा कि वह इस बार केवल दो मैच देखकर ही स्वदेश लौट जाएगा। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि इस बार पहले की तादाद में कम प्रशंसक विश्वकप में दिखेंगे। विश्व कप के दौरान अपनी टीम का समर्थन करने के लिए लंबी छुट्टियां लेकर विदेश यात्रा करने वाले प्रशंसक आमतौर पर धानी वर्ग से आते हैं पर पिछले टूर्नामेंटों में सीमित साधनों वाले प्रशंसक भी वर्षों तक बचत कर इस विश्वकप में पहुंच जाते थे पर इस बा कीमतें अधिक होने से उनकी कमी रहेगी।

पिछली बार, ग्रुप चरण के सबसे निचले श्रेणी के टिकट 69 डॉलर में उपलब्ध थे। वहीं इस बार, फीफा उन्हीं टिकटों को 265 डॉलर तक में बेच रहा है, जो चार गुना से भी अधिक की कीमत है। इसके अलावा, रूस 2018 और कतर 2022 विश्व कप में मेजबान शहरों के बीच निःशुल्क परिवहन सुविधा दी गई थी, जबकि अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में फैले 16 स्टेडियमों के बीच यात्रा करना कहीं अधिक महंगा साबित रहेगा। पहले, फीफा के आधिकारिक पुनर्विक्रय रीसेल मंच पर टिकट मूल कीमत से अधिक पर नहीं बेचे जा सकते थे पर इस बार, संस्था ने प्रशंसकों को अपनी इच्छानुसार ऊंची कीमत पर टिकट बेचने की अनुमति दे दी है और हर लेनदेन पर 30 फीसदी शुल्क भी वसूल रही है। वहीं फीफा का कहना है कि टिकटों की अधिक कीमतों के बाद भी मांग पर विशेष असर नहीं पड़ा है। प्रशंसकों का मानना है कि इस बार कीमतें काफी अधिक हैं। उनके मुताबिक, अमेरिका अब तक का सबसे खराब मेजबान साबित होगा।

ट्राई-सीरीज: इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच आज पहला मैच, सूर्यवंशी पर रहेगी नजर

मुम्बई। मंगलवार 09 जून 2026 से इंडिया ए, श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के बीच 7 मैचों की वनडे ट्राई सीरीज शुरू हो रही है। पहला मैच इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच खेला जाएगा और इस दौरान सभी की नजरें युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी। सूर्यवंशी का क्रेज जबरदस्त है। स्क्वाड में उनका नाम घोषित होने के बाद ब्रॉडकास्टर्स ने अपनी रणनीति पर फिर से विचार किया। असल में इस सीरीज के लिए कोई ब्रॉडकास्टिंग चैनल तय नहीं था। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक BCCI की घोषणा के बाद सोनी स्पोर्ट्स मैच को लाइव दिखाने के लिए तैयार हो गया।

वैभव को अपने अनुसार खेलने दें, उसपर बेवजह दबाव न बनायें : गांगुली

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा कि 15 साल के वैभव सूर्यवंशी पर अभी से दबाव डालना सही नहीं है। साथ ही कहा कि वह अभी बच्चा है और उसे अपने अनुसार खेलने दें। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद वैभव को आयरलैंड और इंग्लैंड के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इसी को देखते हुए गांगुली ने कहा है कि वैभव पर किसी तरह का बेवजह का दबाव न बनायें और उसे अपने स्वाभाविक अंदाज में खेलने दें। गांगुली ने से बातचीत में प्रशंसकों और क्रिकेट विशेषज्ञों से विशेष तौर पर अपील की कि वे वैभव पर अनावश्यक अपेक्षाओं का बोझ न डालें।

गांगुली ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें उसे उसके हाल पर छोड़ देना चाहिए। वह अभी केवल 15 साल का बच्चा है और मुझे नहीं लगता कि वह दबाव के बारे में बहुत अधिक सोचता होगा। आईपीएल में हमने देखा कि वह निडर होकर खेलता है हालांकि भारतीय टीम के लिए खेलना एक बिलकुल अलग अनुभव है, और वह उन विदेशी दौरों पर जा रहा है जहां की पिचें काफी हमारे यहां से काफी अलग होंगी।' गांगुली का मानना है कि वैभव में अपार प्रतिभा है पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की शुरुआत में उनसे तुरंत चमत्कारी प्रदर्शन की उम्मीद नहीं करनी चाहिये। उन्होंने जोर देकर कहा, 'उसे बस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने पैर जमाने का अवसर दें। भारत में कई अन्य खिलाड़ियों की तरह उसके पास भी जबरदस्त प्रतिभा है, इसलिए उम्मीदों का बोझ डालकर उसे परेशान न करें।' वैभव के लिए असली परीक्षा अब शुरू होगी। भारतीय टीम को 26 और 28 जून को आयरलैंड में दो टी20 मैच खेलने हैं, जिसके तुरंत बाद 1 जुलाई से 11 जुलाई के बीच इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज होनी है। आईपीएल की सपाट और बल्लेबाजी के अनुकूल पिचों पर छक्के उड़ाना अलग बात है पर इंग्लैंड में यूनाइटेड तेज और उछल भरी पिचों पर अपने को साबित करना बिल्कुल अलग चुनौती होगी।

संन्यास के सवाल पर भड़कीं हरमनप्रीत

लंदन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस समय टी20 विश्वकप खेलने के लिए लंदन गयी हुई है। इसी दौरान सभी कप्तानों के लिए आयोजित एक संयुक्त पत्रकार वार्ता में संन्यास को लेकर पूछे गये सवाल पर भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर भड़क गयीं। हरमनप्रीत ने उल्टे उस रिपोर्टर से ही पूछ लिया कि वह इस प्रकार के सवाल क्यों पूछ रहा है। इस बातचीत का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें दिख रहा है कि हर पत्रकार वार्ता में रिपोर्टर बारी-बारी से हर कप्तान से सवाल पूछे जा रहे थे। जब भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर की बारी आई, तो एक रिपोर्टर ने उनसे सीधा सवाल किया, क्या यह आपका आखिरी विश्व कप है? आप इस पर क्या कहना चाहेंगी? इस सवाल पर हरमनप्रीत ने उल्टे रिपोर्टर से ही पूछ लिया। उन्होंने कहा, यह मेरा आखिरी विश्व कप क्यों? क्या आप चाहते हैं कि मैं सन्यास ले लूं? हरमनप्रीत के इस तीखे जवाब से रिपोर्टर झेंप गया। उसने तुरंत अपनी बात संभालते हुए कहा, नहीं, मैं बस जानना चाह रहा था। मुझे यह सुनकर अच्छा लगा कि यह आपका आखिरी विश्व कप नहीं है। रिपोर्टर के इस जवाब पर भी हरमनप्रीत ने अपनी बात पूरी करते हुए पूछा, फिर आप ऐसा पूछ क्यों रहे हैं? हरमनप्रीत के इस अंदाज से पता चलता है कि वह बेहद स्पष्टवादी हैं।

गौरतलब है कि महिला टी20 विश्व कप 2026 का शुरुआती मैच मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच 12 जून को खेला जाएगा। वहीं, भारतीय टीम अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत 14 जून को परंपरागत-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। लीग स्टेज में भारत को कुल पांच मैच खेलने हैं। पाकिस्तान के बाद, भारतीय टीम का अगला मुकाबला 17 जून को नीदरलैंड्स से होगा। इसके बाद, 21 जून को भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका से खेलेगी। भारतीय टीम अपना अपना चौथा लीग मैच 25 जून को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। वहीं अपना अंतिम मुकाबला 28 जून को ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी। विश्वकप में कुल 12 टीमें भाग ले रही हैं, जिन्हें छह-छह टीमों के दो ग्रुप, ग्रुप ए और ग्रुप बी में बांटा गया है। भारतीय टीम को ग्रुप ए में रखा गया है, जिसमें कुछ बेहद मजबूत टीमें भीशामिल हैं। इसी को लेकर हरमनप्रीत ने कहा कि टीम किसी भी प्रकार के मुकाबले के लिए तैयार है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड कर सकता है कोच और कप्तान में बदलाव, सरफराज और शान होंगे बाहर

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी)। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में पाक टीम की करारी हार से बेहद नाराज है। पीसीबी अब कोच और कप्तान में बदलाव करने जा रहा है। इसी के तहत ही पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी टीम के मुख्य कोच सरफराज खान और कप्तान शान मसूद को उनके पदों से हटाकर नये कोच और कप्तान नियुक्त करने जा रहे हैं। पीसीबी पूर्व क्रिकेटर यूनिस खान को कोच जबकि मोहम्मद हफीज को नया कप्तान बनाना चाहता है। बांग्लादेश ने हाल ही में समाप्त हुई दो टेस्ट मैचों की सीरीज में पाक को 2-0 से हरा दिया था। इसी को देखते हुए पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी के सलाहकारों ने टेस्ट टीम में बदलाव की सलाह दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पीसीबी इस समय यूनिस और ऑलराउंडर हफीज के साथ लगातार बातचीत कर रहा है। बोर्ड चाहता है कि ये दोनों दिग्गज राष्ट्रीय टीम में मुख्य भूमिकाएं संभाले। यूनिस और हफीज दोनों की ही पीसीबी अधिकारियों के साथ बोर्ड में प्रमुख पदों पर शामिल होने को लेकर बात हुई है, हालांकि, अभी तक चीजों को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। वहीं मुख्य कोच सरफराज खान को हटाकर बोर्ड उन्हें वापस नेशनल अंडर-19 और 'ए' टीमों के प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपना चाहता है पर सरफराज को तभी हटाया जा सकता है जब पीसीबी पूर्व कप्तान यूनिस खान के साथ किसी समझौते पर पहुंच जाएगा। वहीं यूनिस ने पीसीबी में कोई भी पद स्वीकार करने के लिए बेहद कड़ी शर्तें रखी हैं, जिन पर अभी बात चल रही है। वहीं लगातार हार के बाद मसूद की टेस्ट कप्तानी भी जाना तय है। बोर्ड उन्हें कप्तान पद से हटाने पर विचार कर रहा है, लेकिन मसूद ने बोर्ड से कुछ और समय की मांग की है। शान मसूद चाहते हैं कि आगामी वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली विदेशी टेस्ट सीरीज में उन्हें टीम का नेतृत्व करने का एक और मौका दिया जाए। पाकिस्तान को वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच 25 जुलाई से ब्रायन लारा क्रिकेट एकेडमी में खेलना है, जो मसूद के भविष्य के लिए निर्णायक साबित हो सकता है। दूसरी ओर, मोहम्मद हफीज को मुख्य चयनकर्ता और 'हेड ऑफ इंटरनेशनल क्रिकेट' जैसे बड़े पदों के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है।

ब्राजील ने चोटिल वेस्ली की जगह अपनी विश्वकप टीम में एडरसन को किया शामिल

ब्रासीलिया। ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने चोटिल डिफेंडर वेस्ली की जगह अपनी विश्वकप टीम में मिडफील्डर एडरसन को शामिल किया है। मिस्र के खिलाफ शनिवार को ब्राजील की 2-1 से मैत्री जीत में खेलने वाले वेस्ली को बाएं पैर की जांघ की मांसपेशी में खिंचाव के कारण बाहर होना पड़ा। बाद में मेडिकल टेस्ट से पुष्टि हुई कि इस चोट के कारण रोमा के विंग-बैक खिलाड़ी टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगे। ब्राजीलियन फुटबॉल परिसंघ (CBF) ने जारी एक बयान में कहा कि वेस्ली 'टीम के बहुत चहेते' हैं और वर्ल्ड कप में न खेल पाने के बावजूद उन्हें टीम की भविष्य की योजनाओं का हिस्सा माना जाएगा। ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने पुष्टि की है कि अंतिम मंजूरी मिलने के बाद अटलांटा के एडरसन को 26 खिलाड़ियों वाली टीम में उनकी जगह बुलाया जाएगा। उम्मीद है कि एडरसन सोमवार को न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में राष्ट्रीय टीम के ट्रेनिंग कैंप में शामिल होंगे। 26 वर्षीय एडरसन ब्राजील की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के लिए तीन बार सीनियर स्तर पर खेल चुके हैं, जिसमें लगभग दो साल पहले मैक्सिको के खिलाफ एक मैत्री मैच में शुरुआती लाइन-अप में शामिल होना भी शामिल है। वह कनाडा, मैक्सिको और अमेरिका में होने वाले विश्वकप में खेलने वाले 60 से अधिक सीरी-ए खिलाड़ियों में से एक हैं। ब्राजील अपने विश्व कप ग्रुप सी अभियान की शुरुआत 13 जून को मोरक्को के खिलाफ करेगा, इसके बाद 19 जून को हैती और 24 जून को स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच होंगे।

फ्लोरेंटिनो पेरेज चुनाव जीते, साल 2030 तक रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट बने रहेंगे

मैड्रिड. रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट फ्लोरेंटिनो पेरेज को एक बार फिर चुनावों में जीत हासिल हुई। दो दशक के बाद हुए इन चुनावों के बाद अब वह साल 2030 तक के लिए रियल के प्रेसिडेंट बने रहेंगे। 79 वर्षीय पेरेज को अब अगले चार साल तक क्लब संभालने की जिम्मेदारी मिल गयी है। वहीं क्लब के इलेक्टोरल बोर्ड द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पेरेज को कुल वोटों में से 65 फीसदी हासिल किये। उन्हें 21,741 सोसियोस (क्लब के सदस्य-मालिक) के वोट मिले। वहीं उनके विरोधी 37 वर्षीय रिन्यूएबल एनर्जी एंटरप्रेन्योर एनरिक रिक्वेल्मे को केवल 11,814 वोट ही मिले, जो कुल वोटों का 35 फीसदी था। रियल मैड्रिड के इलेक्टोरल बोर्ड ने 100 फीसदी इन-पर्सन और मेल-इन वोटों की गिनती के बाद घोषणा की कि पेरेज की टीम ने रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के चुनाव जीत लिए हैं। रियल मैड्रिड सिटी बास्केटबॉल पवेलियन में कुल 33,555 सदस्यों ने इन-पर्सन और मेल-इन बैलेट के जरिए मतदान किया। दोबारा चुने जाने के बाद, पेरेज ने अपनी जीत को एक बहुत अच्छा परिणाम बताया। उन्होंने कहा, हम चुनाव जीत गए हैं और खिताब जीतते रहने के लिए काम करते रहेंगे। हमने सभी पोलिंग स्टेशन पर जीत हासिल की है और रियल मैड्रिड के चुनावों के इतिहास में दूसरा सबसे बेहतरीन परिणाम दर्ज किया है। फ्लोरेंटिनो पेरेज की इस जीत के साथ ही रियल मैड्रिड में अब बड़े बदलाव की तैयारी है। उनकी वापसी का मतलब है कि सोमवार को जोस मोरिन्हो को क्लब का नया मैनेजर आधिकारिक रूप से घोषित किया जा सकता है। रिपोर्टों के अनुसार, मोरिन्हो को टीम में वापस लाने के लिए रियल मैड्रिड पुर्तगाली क्लब बेनफिका को 1.5 करोड़ यूरो (15 मिलियन यूरो) की रिलीज फीस का भुगतान करेगा।

ऑस्ट्रेलिया ओपन:सिंधू की निगाह खिताब पर, पुरुष वर्ग में आयुष करेंगे अगुवाई

सिडनी (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू मंगलवार से यहां शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में लंबे समय से चले आ रहे खिताब के सूखे को खत्म करने की कोशिश करेंगी, जबकि उभरते सितारे आयुष शेट्टी पुरुष एकल में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधू 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीतने के बाद से अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीतने की कवायद में हैं।

पूर्व विश्व चैंपियन का इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जनवरी में मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचना रहा है। सिंधू को यहां अनुकूल ड्रॉ मिला है। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी का पहला मैच पेरू की इनेस लूसिया कैस्टिलो से होगा। इस मैच में जीत दर्ज करने के बाद उनका सामना हमवतन इशरानी बरुआ और चीन की हान कियान शी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। सिंधू पिछले सप्ताह इंडोनेशिया ओपन में राउंड-ऑफ-16 में पहुंची थी जहां उन्हें विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आन से-यंग से हार का सामना करना पड़ा था।

अगर सिंधू सेमीफाइनल तक पहुंचती हैं तो वहां उनका सामना जापान की विश्व में तीसरे नंबर की खिलाड़ी अकाने यामागुची से हो सकता है। फाइनल में उनका मुकाबला थाईलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग से हो सकता है। महिला एकल ड्रॉ में ही तन्वी शर्मा का सामना चीनी ताइपे की पांचवीं वरीयता प्राप्त चियू पिन-चियान से, जबकि मालविका बंसोड़ का मुकाबला मलेशिया की गोह जिन वेई से होगा।

अनमोल खरब को जापान की पूर्व विश्व चैंपियन और चौथी वरीयता प्राप्त नोजोमी ओकुहारा के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। आकर्षी कश्यप का मुकाबला मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से, जबकि तान्या हेमंत का अमेरिका की इशिका जायसवाल से होगा। पुरुष एकल में विश्व के 20वें नंबर के खिलाड़ी और यहां छठी वरीयता प्राप्त आयुष शेट्टी अपना पहला मैच क्वालीफायर के खिलाफ खेलेंगे। एचएस प्रणय का मुकाबला इंडोनेशिया के मोहम्मद जाकी उबा से होगा, जबकि किरण जॉर्ज पहले दौर में मलेशिया के जस्टिन होह का सामना करेंगे।

पुरुष युगल में इंडोनेशिया ओपन में क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाले हरिहरन अम्साकरूनन और एमआर अर्जुन को पहले दौर में चीनी ताइपे के ली फांग-चिह और ली फांग-जेन की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। अच्युतादित्य राव दोड्डवारापु और पोचना अर्जुन रेड्डी का मुकाबला चीन के हुआंग डि और लियू यांग से होगा। महिला युगल के मुख्य ड्रॉ में कोई भी भारतीय जोड़ी भाग नहीं ले रही है। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी हांगकांग के चान पिन चक और एनजी त्स यौ के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी।

हॉलीवुड स्टार से बेटी की तुलना पर खुश होती हैं महिमा चौधरी

महिमा चौधरी अपनी बेटी को लेकर चर्चा में हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हो रही उन पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी है, जिनमें उनकी बेटी एरियाना मुखर्जी की तुलना अमेरिकी एक्ट्रेस मिका अब्दुल्ला से की जा रही है। कई फैंस तो 'ऑफ कैंपस' की स्टार मिका को एरियाना की हमशक्ल भी कह रहे हैं। सोशल मीडिया पर एरियाना चौधरी और मिका अब्दुल्ला के बीच तुलना को लेकर खूब चर्चा है। मिका, प्राइम वीडियो की पॉपुलर सीरीज 'ऑफ कैंपस' में ऐली हेस का किरदार निभाती हैं। कई यूजर्स ने यह भी बताया कि मिका काफी हद तक महिमा चौधरी के जवानी के दिनों की तरह दिखती हैं।

एरियाना ने नहीं शुरू की एक्टिंग

इस वायरल ट्रेंड पर हंसते हुए महिमा ने बताया कि उनके दोस्त, परिवार और फैंस लगातार उन्हें इस हॉलीवुड एक्टर के विलप और स्क्रीनशॉट भेज रहे हैं। महिमा चौधरी ने हिंदुस्तान टाइम्स से कहा, 'हां, मुझे पता है। मुझे वह (एरियाना) बहुत पसंद है, वह कमाल की है। दो अलग-अलग महाद्वीपों के लोगों में इतनी जबरदस्त समानता कैसे हो सकती है? यह समानता इतनी ज्यादा चर्चा का विषय बन गई कि कुछ लोगों को तो यह भी लगने लगा कि एरियाना ने एक्टिंग की दुनिया में कदम रख दिया है। मैंने उन्हें बताया कि उनसे अभी एक्टिंग नहीं शुरू की है।'

तुलना पर खुश हैं महिमा

महिमा ने कहा कि उन्हें ये तुलनाएं प्यारी लगती हैं। उन्होंने कहा 'किसी इतने प्यारे इंसान को देखना और यह सुनना कि आप दोनों एक जैसे दिखते हैं, बहुत अच्छा लगता है। मैं इस समानता से बहुत उत्साहित हूं क्योंकि मुझे वह बहुत प्यारी लगती है। अगर लोग कहते हैं कि मैं उसके जैसी दिखती हूं या एरियाना उसके जैसी दिखती है, तो मैं बहुत खुश होती हूं।

अल्फा किलर बनकर दुश्मनों का सफाया करेंगी आलिया भट्ट

यशराज फिल्म्स की आगामी स्पाई यूनिवर्स फिल्म 'अल्फा' को लेकर सोशल मीडिया पर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। फिल्म में अभिनेत्री आलिया भट्ट एक स्पाई की भूमिका निभाती नजर आएंगी। प्रोडक्शन टीम के करीबी सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि अभिनेत्री आलिया भट्ट एक दमदार और घातक किरदार में नजर आएंगी। उन्होंने कहा, 'वह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में 'अल्फा किलर' की भूमिका में दिखाई देंगी, जिसे केवल दुश्मनों का सफाया करने के लिए तैयार किया गया है और विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।' सूत्रों के मुताबिक, वाईआरएफ के प्रमुख आदित्य चोपड़ा इस बार दर्शकों के सामने एक बिल्कुल नया और आकर्षक नायक प्रस्तुत करना चाहते हैं, जिसे लोग उसके सही या गलत कार्यों के आधार पर न आंकें, बल्कि उसे ऐसे व्यक्ति के रूप में देखें जो अपनी शर्तों पर जीवन जीता है और वही करता है जो उसे सही लगता है।

सूत्रों ने बताया, 'आज के समय में नायक-नायिका को देखने का यह एक बिल्कुल नया नजरिया है, क्योंकि दर्शक पर्दे पर रोमांचक और मनोरंजक किरदार देखना चाहते हैं। 'अल्फा' में आलिया का किरदार भी कुछ ऐसा ही होगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'इस फिल्म के जरिए आदित्य चोपड़ा अपने स्पाई यूनिवर्स में एक बड़ा रचनात्मक बदलाव करने जा रहे हैं, जिसकी इस फ्रेंचाइजी को काफी समय से जरूरत थी। यह पहली बार होगा जब इस यूनिवर्स की कोई फिल्म पूरी तरह एक महिला प्रमुख किरदार के दमदार एक्शन और उसकी कहानी पर आधारित होगी।' वाईआरएफ के प्रवक्ता ने आईएएनएस से कहा, 'हम फिलहाल केवल इतना ही कह सकते हैं कि सभी को 'अल्फा' के पहले टीजर या झलक का इंतजार करना चाहिए। इस समय हम इन चर्चाओं की न तो पुष्टि कर सकते हैं और न ही इनसे इनकार कर सकते हैं।' यश राज फिल्म्स की बहुचर्चित स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला-प्रधान फिल्म 'अल्फा' में आलिया भट्ट के साथ शरवरी वाघ भी मुख्य भूमिका में हैं, जबकि बॉबी देओल इसमें मुख्य खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे।

आमिर खान की 'तारे जमीन पर' जैसा महसूस कराएगी फिल्म 'भमरदो'

आज के समय में क्षेत्रीय सिनेमा लगातार नई और अलग कहानियों के जरिए दर्शकों का ध्यान खींच रहा है। खास तौर पर गुजराती फिल्म इंडस्ट्री में ऐसी फिल्मों की संख्या बढ़ रही है, जो समाज को एक मजबूत संदेश भी देती हैं। अब इसी कड़ी में एक नई गुजराती फिल्म 'भमरदो' चर्चा में बनी हुई है। फिल्म को लेकर अभिनेता हेतल पुनीवाला ने कई दिलचस्प बातें साझा की। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में उनका किरदार प्रेरणादायक है। हेतल पुनीवाला ने कहा, ''फिल्म में मेरा किरदार 'भमरदो' नाम की प्रतियोगिता के बारे में बच्चों को समझाता है। वह बताता है कि अगर कोई बच्चा इस प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करता है, तो उसे स्कॉलरशिप मिल सकती है। एक बच्चा ऐसा है, जो शुरुआत में इस खेल के बारे में कुछ नहीं जानता। उसे यह तक नहीं पता होता कि 'भमरदो' कैसे खेला जाता है। इसके बाद कहानी उस बच्चे के संघर्ष और मेहनत को दिखाती है कि कैसे वह बच्चा आर्थिक परेशानियों के बावजूद हार नहीं मानता और लगातार सीखते हुए प्रतियोगिता तक पहुंचने की कोशिश करता है।''

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए हेतल ने कहा, 'शुरुआत में मुझे अंदाजा नहीं था कि यह रोल इतना भावुक होगा। फिल्म में कुछ ऐसे सीन्स हैं, जो दर्शकों को अंदर तक महसूस होंगे। इसमें वैसी ही भावनात्मक गहराई है, जैसी लोगों ने आमिर खान की 'तारे जमीन पर' जैसी फिल्मों में महसूस की थी।''

हेतल ने कहा, ''जब फिल्म की शूटिंग शुरू हुई थी, तब मुझे पूरी कहानी के बारे में जानकारी नहीं थी। मुझे सिर्फ अपने किरदार के बारे में बताया गया था। इस वजह से मैं शुरुआत में थोड़े भ्रम में था कि आखिर फिल्म किस तरह की होगी। शूटिंग के दौरान भी मुझे कहानी का पूरा अंदाजा नहीं था। जब बाद में मैंने पूरी फिल्म देखी, तो मुझे महसूस हुआ कि यह बहुत अच्छी और दिल को छू लेने वाली फिल्म है। मुझे यकीन है कि दर्शकों को यह कहानी जरूर पसंद आएगी।''

अभिनेता ने एक और दिलचस्प बात साझा करते हुए बताया कि वह लगभग इस फिल्म का हिस्सा बनने से रह गए थे। दरअसल, उनकी डेट्स किसी दूसरी शूटिंग के साथ टकरा रही थीं। इसी वजह से वह फिल्म करने को लेकर असमंजस में थे। तभी मशहूर शख्सियत बाबूभाई थेबा ने उन्हें फोन किया और इस किरदार के बारे में विस्तार से समझाया। हेतल ने कहा, ''मैं बाबूभाई पर बहुत भरोसा करता हूं। जब उन्होंने किरदार की अहमियत और कहानी की भावना को समझाया, तो मैंने तुरंत फिल्म के लिए हामी भर दी।'' फिल्म की शूटिंग का अनुभव भी अभिनेता के लिए आसान नहीं रहा। हेतल ने कहा, ''शूटिंग बेहद कठिन परिस्थितियों में हुई। इसके बावजूद पूरी टीम ने हिम्मत नहीं हारी और सभी ने मिलकर शूटिंग पूरी की।

मिलाप जावेरी की रोमांटिक फिल्म 'तेरा यार हूं मैं' डेब्यू कर रहे हैं अमन इंद्र कुमार

पिछले साल 'एक दीवाने की दीवानियत' जैसी रोमांटिक फिल्म देने वाले निर्देशक मिलाप जावेरी अब एक और रोमांटिक फिल्म 'तेरा यार हूं मैं' लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म से निर्देशक इंद्र कुमार के बेटे अमन इंद्र कुमार बॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं। फरवरी में जारी हुए फिल्म के फर्स्ट लुक के बाद अब फिल्म की नई रिलीज डेट सामने आ गई है। मेकर्स ने आज फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। फिल्म का एक पोस्टर जारी करते हुए मेकर्स ने ये कंफर्म किया कि 'तेरा यार हूं मैं' 31 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। इसके साथ ही कैप्शन में मेकर्स ने लिखा, 'प्यार, दोस्ती, इमोशन और संगीत के लिए तैयार हो जाइए। तेरा यार हूं मैं 31 जुलाई को सिनेमाघरों में आ रही है।' इसके साथ ही मेकर्स ने कंफर्म किया कि फिल्म से इंद्र कुमार के बेटे अमन कुमार अपनी शुरुआत कर रहे हैं। उनके साथ आकांक्षा शर्मा इस प्यार, ड्रामा, कॉमेडी और एक्शन से भरपूर म्यूजिकल लव स्टोरी में नजर आएंगी।

'जिगरा' में मेथड एक्टिंग को लेकर फैली अफवाहों पर वेदांग रैना ने दी प्रतिक्रिया

वेदांग रैना जल्द ही इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में नजर आएंगे। अभिनेता इन दिनों फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में वेदांग रैना ने आलिया भट्ट के साथ अपनी फिल्म 'जिगरा' को लेकर बात की। साथ ही इन्होंने फिल्म में मेथड एक्टिंग को लेकर फैली अफवाहों पर भी प्रतिक्रिया दी और इनके पीछे की सच्चाई से रूबरू कराया।

बढ़ा-चढ़ाकर बताई गईं बातें

हाल ही में कर्ली टेल्स के साथ बातचीत में वेदांग से उनकी पिछली फिल्म 'जिग्रा' की तैयारी के दौरान उनके मेथड एक्टिंग को लेकर फैली अफवाहों के बारे में पूछा गया। 'जिगरा' के एक सीन की तैयारी के दौरान खुद को आठ दिनों तक कमरे में बंद रखने की अफवाहों पर जवाब देते हुए वेदांग ने कहा कि ये दावे बहुत बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए हैं और सेट पर जो हुआ उससे बिल्कुल अलग हैं। ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। अभिनेता ने स्पष्ट किया कि एक दिन शूटिंग के दौरान एक बेहद चुनौतीपूर्ण दिन था। अपनी एक्टिंग प्रोसेस को समझने के दौरान वेदांग ने खुद को अपनी वैनिटी वैन में अलग कर लिया, बत्तियां बंद कर दीं। इस दौरान सीन के लिए जरूरी इमोशनली कंडीशन में पहुंचने के लिए कुछ समय के लिए किसी से बातचीत भी नहीं की। हालांकि, मेथड एक्टिंग के तहत आठ दिनों तक खुद को बंद रखने की अफवाहें सच नहीं थीं। मैं ऐसा दोबारा कभी नहीं करूंगा।

बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं थी 'जिग्रा'

वासन बाला द्वारा निर्देशित 'जिगरा' एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी। फिल्म में वेदांग रैना ने आलिया भट्ट के भाई की भूमिका निभाई थी। 2024 में रिलीज हुई यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही थी।

12 जून को रिलीज होगी 'मैं वापस आऊंगा'

वेदांग अब इम्तियाज अली की 'मैं वापस आऊंगा' में नजर आएंगे। विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित इस प्रेम कहानी में वेदांग के साथ दिलजीत दोसांझ, शरवरी और नसीरुद्दीन शाह भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे अपनी पसंद चुनने की पूरी आजादी है

वेब सीरीज 'चिरैया' को लेकर चर्चा में आईं दिव्या दत्ता ने कहा- एक्टरों के परिवार से होने के बावजूद हमेशा से पिक्चर साफ थी कि मुझे ऐक्टिंग इंडस्ट्री का रास्ता चुनना है। उन्होंने कहा- सबसे अहम सीख फिल्म वीर-जारा में शाहरुख खान के साथ काम करते हुए मिली।

कई कलाकार अपने किरदारों से पहचाने जाते हैं लेकिन दिव्या दत्ता उन चेहरों में से हैं, जो हर किरदार में खुद को थोड़ा-थोड़ा छोड़ती चली जाती हैं। लुधियाना की सादगी से लेकर सिनेमा की गहराइयों तक उनका सफर किसी शोर का नहीं बल्कि एक शांत भरोसे का रहा है, दिल की सुनने का भरोसा। उनके लिए अभिनय सिर्फ संवाद नहीं, खामोशियों को महसूस करने की कला है। फैसले हों या किरदार, वे आज भी उसी रास्ते पर चलती हैं, जहां दिमाग से पहले दिल जवाब देता है और शायद यही उन्हें अलग बनाता है। लखनऊ में शूट हुई वेब सीरीज 'चिरैया' के लिए शहर आईं दिव्या दत्ता से खास बातचीत।

दिल से बड़ा मेरा कोई साथी नहीं

लुधियाना में पली-बढ़ी दिव्या दत्ता कहती हैं कि मैंने अपने घर से बहुत कुछ सीखा है लेकिन कई बातें वक्त के साथ समझ में आती हैं। फिल्मों और शोज को चुनते समय मैं सिर्फ दिल की सुनती हूं। मुझे लगता है कि जो काम मैं दिल से करूंगी, वही मुझे आगे बढ़ने का मौका देगा। मेरे फैसले पहले भी दिल से होते थे और आज भी वही तरीका है क्योंकि दिल से बड़ा कोई साथी नहीं होता है। यही वजह है कि डॉक्टरों के परिवार से होने के बावजूद हमेशा से पिक्चर साफ थी कि मुझे ऐक्टिंग इंडस्ट्री का रास्ता चुनना है। मैं खुद को खुशकिस्मत भी मानती हूं कि मां ने मुझे अपनी पसंद चुनने की पूरी आजादी दी थी।

माहौल इंसानी और सम्मानजनक हो

मैंने कई अनुभवी कलाकारों के साथ काम करते हुए बहुत कुछ सीखा है। हालांकि, मुझे सबसे अहम सीख फिल्म वीर-जारा में शाहरुख खान के साथ काम करते हुए मिली। उस वक्त मुझे कैमरा एंगल्स का ज्यादा आइडिया नहीं था। उन्होंने खुद मुझे सही जगह पर खड़े होने में मदद की। वह इतने बड़े सुपरस्टार हैं, उन्हें क्या जरूरत थी मेरे लिए आगे आने की पर वो आए। उन्होंने यह भी कहा था कि मैं हर जगह मौजूद नहीं रहूंगा तो तुम्हें चीजें अपने हिसाब से बेहतर करनी होंगी। मुझे यह बात हमेशा याद रही। आज अगर मैं सीनियर हो गई हूं तो कोशिश करती हूं कि नए लोगों की जितनी मदद कर सकूं, करूं। सबसे जरूरी बात यही है कि सेट पर लोग एक-दूसरे के साथ कंफर्टेबल महसूस करें। काम तभी अच्छे से होता है, जब माहौल इंसानी और सम्मानजनक हो।

भीतर का शांत जागरण है

चिरैया किसी लाउड विद्रोह की कहानी नहीं है बल्कि भीतर होने वाले एक शांत जागरण की बात करती है। हर दृश्य का अपना स्वभाव होता है। कभी कुछ कहना जरूरी होता है और कभी बिल्कुल शांत रहना। सब कुछ सीन के पूरे ढांचे पर निर्भर करता है। जैसे सीन की मांग होती है, वैसा ही भाव अपनाया जाता है। कहीं शब्द जरूरी होते हैं, कहीं खामोशी ही सबसे बड़ा संवाद बन जाती है। मुझे लगता है कि सवाल से ज्यादा जरूरी है उसे कहने का तरीका। बात किस शांति से, किस प्यार से और किस सम्मान के साथ कही जाती है, यही फर्क पैदा करता है। 'शादी कोई लाइसेंस नहीं है' जैसे संवाद सवाल जरूर उठाते हैं, लेकिन किसी को नीचा दिखाने के लिए नहीं बल्कि सोचने के लिए मजबूर करने के इरादे से।

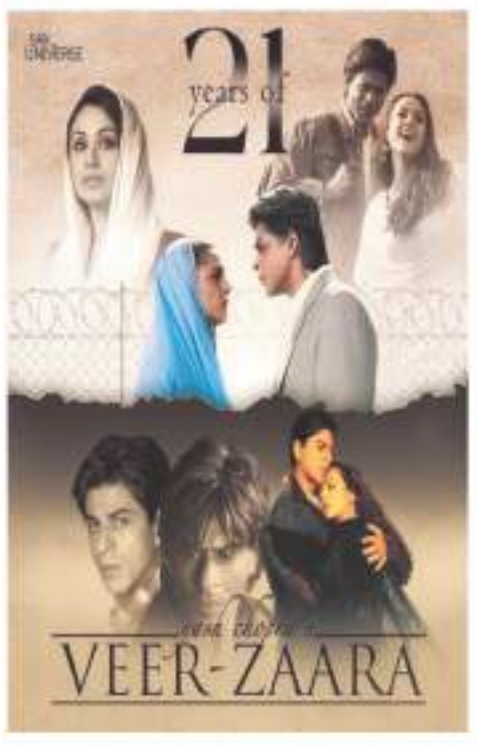

संक्षिप्त समाचार

सिंगापुर का बड़ा फैसला : भारतीय समुदाय को निशाना बनाने वाली ऑनलाइन सामग्री ब्लॉक करने का आदेश

सिंगापुर, एजेंसी। भारत में सिंगापुर के उच्चायोग ने शनिवार को घोषणा की कि उनकी सरकार ने सोशल मीडिया साइटों को भारतीय समुदाय को निशाना बनाने वाली सामग्री को ब्लॉक करने का आदेश दिया है। यह सामग्री संभवत : चीन से उत्पन्न हुई थी। सिंगापुर के गृह मंत्रालय के बयान के अनुसार, ऑनलाइन आपराधिक नुकसान अधिनियम 2023 के तहत पुलिस बल ने यूट्यूब, फेसबुक और एक्स पर सामग्री के लिए 'अक्षम करने के निर्देश' जारी किए हैं। ये निर्देश सिंगापुर के बहुसंस्कृतिवाद मॉडल को कमजोर करने वाली सामग्री से निपटने के लिए हैं। पिछले महीने चीनी सूचना क्षेत्र में सिंगापुर की सांस्कृतिक पहचान पर चिंता संबंधी बातें प्रसारित हुई। इसके बाद ऑनलाइन सामग्री में सिंगापुर की विविधता पर भड़काऊ बातें सामने आई। इसमें कहा गया कि सिंगापुर भारतीयों से 'भर गया' है। सिंगापुर सरकार स्वदेशीवाद और विदेशियों के प्रति घृणा का दृढ़ता से विरोध करती है। सरकार सामाजिक सद्भाव के लिए बाहरी खतरों को गंभीरता से लेती है और दृढ़ता से कार्रवाई करेगी।

क्यूबा के राष्ट्रपति पर अमेरिका के प्रतिबंधों की चीन ने की आलोचना, कहा- बदमाशी बंद करे वाशिंगटन

बीजिंग, एजेंसी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने शुक्रवार को क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने क्यूबा के खिलाफ अपनी नाकेबंदी और प्रतिबंधों को और कड़ा कर दिया है तथा सार्वजनिक रूप से क्यूबा के नेताओं को निशाना बनाया है। प्रवक्ता ने कहा, यह एक बार फिर अमेरिकी बदमाशी, उत्पीड़न और दबाव की नीति को उजागर करता है। चीन इसका दृढ़ता से विरोध करता है। उन्होंने कहा कि क्यूबा में स्थिरता बनाए रखना अंतरराष्ट्रीय समुदाय की साझा अपेक्षा है। क्यूबा को अस्थिर करने की कोशिशें आखिरकार विफल होंगी। चीन ने अमेरिका से क्यूबा पर लगाई गई नाकेबंदी और हर प्रकार के दबाव को तुरंत खत्म करने की अपील की। चीनी प्रवक्ता ने यह भी कहा कि चीन हमेशा क्यूबा की राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और बाहरी दखल के विरोध में उसके साथ खड़ा रहेगा। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में क्यूबा के राष्ट्रपति डियाज-कैनेल, उनकी पत्नी, सौतेले बेटे तथा क्यूबा के पूर्व नेता राउल कास्त्रो के बेटे और पोते को प्रतिबंध सूची में शामिल किया। मिगुएल डियाज-कैनेल ने इन प्रतिबंधों को क्यूबा के खिलाफ नाकेबंदी को और मजबूत करने की कोशिश बताया। उन्होंने कहा कि क्यूबा साम्राज्यवादी आक्रमण का डटकर मुकाबला करेगा। वहीं, क्यूबा के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी कदम को 'आर्थिक आक्रमण' करार देते हुए आरोप लगाया कि अमेरिका इसे बहाना बनाकर क्यूबा के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की कोशिश कर सकता है।

जलवायु परिवर्तन से बढ़ा खतरा, यूरोप और उत्तरी अमेरिका तक पहुंच सकता है चिकनगुनिया

लंदन /वाशिंगटन, एजेंसी। कभी चिकनगुनिया को मुख्य रूप से गर्म जलवायु वाले देशों की बीमारी माना जाता था, पर अब वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि जलवायु परिवर्तन इस बीमारी का भूगोल बदल सकता है। बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण ऐसे मच्छरों का दायरा तेजी से बढ़ रहा है जो चिकनगुनिया वायरस फैलाते हैं। इसके परिणामस्वरूप आने वाले दशकों में दुनिया के कई ठंडे क्षेत्र भी इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं। प्रतिष्ठित जर्नल फ्रंटियर्स इन सेलुलर एंड इन्फेक्शन माइक्रोबायोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार सदी के अंत तक उत्तर-पूर्वी उत्तरी अमेरिका, मध्य यूरोप और पूर्वी एशिया के कई हिस्से चिकनगुनिया के नए हॉटस्पॉट बन सकते हैं। अध्ययन में भारत के लिए भी चिंता जताई गई है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि बीमारी नए क्षेत्रों में फैलती है तो 1.21 करोड़ भारतीय इसके जोखिम में आ सकते हैं। लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन, नागासाकी यूनिवर्सिटी और इंटरनेशनल वैक्सीन इंस्टीट्यूट से जुड़े वैज्ञानिकों के एक अन्य अध्ययन के अनुसार, हर साल दुनिया भर में करीब 1.44 करोड़ लोग चिकनगुनिया के जोखिम में हैं। इनमें से करीब 51 लाख लोग भारत में हैं। भविष्य में यह संख्या वैश्विक स्तर पर 3.49 करोड़ तक पहुंच सकती है। बीमारी के बढ़ते खतरे के पीछे बड़ी भूमिका एशियाई टाइगर मच्छर, यानी एडीज एल्बोपिक्टस निभा सकता है। अब तक चिकनगुनिया मुख्यत: एडीज एजिप्टी मच्छर से फैलता था, जो गर्म व आर्द्र क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है। 2005-06 में वायरस में आनुवंशिक बदलाव की पहचान हुई जिसके बाद वायरस एडीज एल्बोपिक्टस के जरिए भी फैलने लगा। यह मच्छर ठंडे मौसम में भी जीवित रह सकता है। चिकनगुनिया एक वायरल संक्रमण है, जो संक्रमित मच्छर के काटने से फैलता है। इसके प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, जोड़ों में दर्द, सिरदर्द, थकान और शरीर पर चकते शामिल हैं।

ट्रंप की टेक टीम को बड़ा झटका, व्हाइट हाउस के एआई सलाहकार श्रीराम कृष्णन देंगे इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नीति के प्रमुख सलाहकार रहे भारतीय मूल के श्रीराम कृष्णन जून के अंत में अपना पद छोड़ देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल में एआई रणनीति तैयार करने में अहम भूमिका निभाने वाले कृष्णन ने खुद सोशल मीडिया पर अपने इस्तीफे की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब वह अमेरिका के सामने एआई से जुड़े बड़े मुद्दों पर नए स्तर पर काम करेंगे। उनके इस्तीफे को ट्रंप प्रशासन की टेक नीति के लिए बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है।

क्या बोले श्रीराम कृष्णन अपने इस्तीफे पर : श्रीराम कृष्णन ने कहा कि व्हाइट हाउस में काम करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा। उन्होंने कहा कि वह जून के आखिर में अपना पद छोड़ देंगे और कुछ समय के ब्रेक के बाद अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के लिए एआई से जुड़े बड़े संस्थागत काम करेंगे। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व के बिना अमेरिका एआई की वैश्विक दौड़ में आगे नहीं होता। कृष्णन ने अपने 18 महीने के कार्यकाल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि उन्होंने अमेरिकी एआई एक्शन प्लान तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। इसके साथ ही उन्होंने एआई एक्सेलेरेशन पार्टनरशिप, राष्ट्रीय एआई नीति फ्रेमवर्क और एआई से जुड़े कई अंतरराष्ट्रीय समझौतों पर काम किया। उन्होंने फ्रांस, भारत, ब्रिटेन और मध्य पूर्व में आयोजित एआई बैठकों का भी जिक्र किया।

एआई नीति में श्रीराम कृष्णन की क्या थी भूमिका : श्रीराम कृष्णन ट्रंप प्रशासन की उस टीम का हिस्सा थे जिसने अमेरिका में एआई सेक्टर के विस्तार के लिए रोडमैप तैयार किया। उन्होंने डेटा सेंटर बढ़ाने, एआई निवेश को आसान बनाने और नियमों में ढील देने जैसी नीतियों पर काम किया। माना जाता है कि उन्होंने राज्यों के एआई रेगुलेशन अधिकार सीमित करने वाले प्रस्तावित आदेश को तैयार करने में भी भूमिका निभाई थी। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने कहा कि श्रीराम कृष्णन ने अपने निजी करियर को छोड़कर अमेरिका की तकनीकी ताकत को मजबूत करने के लिए बड़ा योगदान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका को टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में वैश्विक नेतृत्व दिलाने में कृष्णन की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही।

ट्रंप प्रशासन ने एआई पर क्यों बढ़ाया फोकस : अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार एआई सेक्टर को अमेरिका की रणनीतिक ताकत बता रहे हैं। चीन के साथ बढ़ती तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच अमेरिका एआई, डेटा सेंटर, चिप निर्माण और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर तेजी से निवेश कर रहा है। श्रीराम कृष्णन इसी रणनीति के प्रमुख चेहरों में शामिल थे। कृष्णन ने अपने बयान में कहा कि आने वाले समय में ऊर्जा, डेटा सेंटर और आम लोगों तक एआई के फायदे पहुंचाना सबसे बड़ी चुनौती होगी। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को मिलकर काम करना होगा। यही वजह है कि अब वह नए संस्थानों के जरिए इस दिशा में योगदान देना चाहते हैं।

कौन हैं श्रीराम कृष्णन, भारत से क्या लिंक : श्रीराम कृष्णन भारती मूल के ही हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान उन्हें एआई पॉलिसी के मुख्य रणनीतिकार के रूप में नियुक्त किया गया था। वह एआई पॉलिसी एडवाइजर के तौर पर कार्य कर रहे थे। श्रीराम का जन्म चेन्नई में हुआ था और उन्होंने चेन्नई के ही एसआरएम इंजीनियरिंग कॉलेज से शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद उन्होंने ट्विटर, फेसबुक, माइक्रोसॉफ्ट, स्नैप जैसी वैश्विक टेक कंपनियों के लिए काम किया। वह लंबे समय तक कैपिटल फर्म एंड्रीसन होरोविट्स के साथ भी जुड़े रहे। 2024 में डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में उनकी नियुक्ति का ऐलान किया। ट्रंप के करीबी लॉरा लूमर ने उनकी नियुक्ति का विरोध किया था। एक तरफ डोनाल्ड ट्रंप इमीग्रेशन के सुधार के नियम लागू कर रहे थे और दूसरी तरफ भारतीय मूल के शख्स को इतना बड़ा पद दे रहे थे। विवादों के बीच भी कृष्णन ने जमकर काम किया और एआई नीति के एक प्रभावशाली फ्रेमवर्क तैयार किया।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी कर चुके हैं तारीफ : एआई रेग्युलेशन से जुड़े सरकारी मसौदे पर काम करने वाले वह प्रमुख सलाहकार थे। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने उनकी कई बार तारीफ की और कहा कि वह व्हाइट हाउस के अनमोल रत्नों में शामिल हैं। श्रीराम कृष्णन ने अमेरिकी संसद के साथ एआई नीति पर काम करने की नींव रखी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी उनकी कई बार तारीफ कर चुके हैं। वहीं कृष्णन ट्रंप की तारीफ करते हुए कहते हैं कि बिना उनके नेतृत्व के एआई की दौड़ में अमेरिका अग्रणी ना हो पाता। रिपोर्ट्स में कहा जाता था कि कृष्णन अपनी टीम में भी काफी लोकप्रिय थे।

पाकिस्तान में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी संगठन पर प्रतिबंध के बाद बवाल, दर्जनों कार्यकर्ता गिरफ्तार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थानीय संगठन जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद प्रशासन ने शनिवार को उसके दर्जनों सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने कानून-व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए शुक्रवार को संगठन को गैरकानूनी घोषित किया था। प्रशासन द्वारा जुलाई में आम चुनाव कराने की घोषणा के बीच जेएएसी ने अपनी मांगों को लेकर 9 जून को विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। इसके बाद सरकार ने संगठन पर प्रतिबंध लगाते हुए उसके कई नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी।

बीते साल पीओके में विरोध प्रदर्शनों के पीछे था जेएएसी : पिछले वर्ष जेएएसी और उसके विरोधी समूहों के बीच हुए प्रदर्शनों और जवाबी प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भड़क गई थी, जिसमें कई लोगों की मौत हुई थी और अनेक घायल हुए थे। संगठन 38 सूत्रीय मांगपत्र को लागू करने की मांग कर रहा था। इनमें सस्ती दरों पर आटा और बिजली उपलब्ध कराना तथा क्षेत्रीय विधानसभा में कश्मीरियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को समाप्त करना शामिल था। बीबीसी उर्दू की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को सबलाकोट में गोलीबारी की एक घटना में जेएएसी के एक सदस्य की मौत के बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया। गृह विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि जेएएसी को अवैध घोषित किए जाने के बाद उससे जुड़े लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शन की घोषणा के कारण क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। एहतियात के तौर पर जम्मू-कश्मीर विश्वविद्यालय और मीरपुर इंटरमीडिएट बोर्ड ने 8 जून से शुरू होने वाली परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। संभावित विरोध प्रदर्शन से निपटने के लिए प्रशासन ने अतिरिक्त सुरक्षा बलों की मांग की है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने पूर्व एनएसए को बताया बुरा और भ्रष्ट इंसान, बोले- बेईमानी की कीमत चुका रहे जॉन बोल्टन

वॉशिंगटन डीसी , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन पर तीखा हमला किया है। ट्रंप ने बोल्टन को एक बुरा और भ्रष्ट आदमी करार दिया है। उन्होंने कहा कि बोल्टन अपनी बेईमानी की सजा भुगत रहे हैं। शनिवार को चिप्पेवा फॉल्स की यात्रा के दौरान एयरफोर्स वन विमान में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने बोल्टन की जमकर आलोचना की। ट्रंप ने कहा कि जॉन बोल्टन एक बेईमान इंसान हैं और वह बिल्कुल भी समझदार नहीं हैं। ट्रंप के मुताबिक, बोल्टन को युद्ध करने का बहुत शौक था। वह हर उस व्यक्ति के खिलाफ युद्ध छेड़ना चाहते थे जो उनके सामने बोलता था।

उन्होंने यह भी कहा कि वह कभी बोल्टन के प्रशंसक नहीं रहे और उन्हें केवल एक खास उद्देश्य के लिए काम पर रखा था। ट्रंप ने दावा किया कि बोल्टन ने पूर्व राष्ट्रपति बुश के समय भी बहुत सी समस्याएं खड़ी की थीं। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि बोल्टन की युद्ध वाली सलाहों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता था क्योंकि वह कभी उनकी बात नहीं सुनते थे। ट्रंप ने बोल्टन की किताब का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने सारी जानकारी ली और उसका गलत इस्तेमाल किया। ट्रंप ने कहा कि बोल्टन को पकड़ लिया गया है और अब वह अपनी बेईमानी की कीमत चुका रहे हैं।

इस बीच, जॉन बोल्टन पर कानूनी शिकंजा कसता जा रहा है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि बोल्टन गोपनीय दस्तावेजों को गलत तरीके से रखने के मामले में अपना दोष स्वीकार कर सकते हैं। उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े बेहद संवेदनशील दस्तावेजों को अवैध रूप से अपने पास रखने का एक गंभीर आरोप है। इस मामले में बोल्टन 20 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक का जुर्माना देने पर सहमत हुए हैं।

मैरीलैंड के सरकारी वकीलों ने बोल्टन पर आरोप लगाया है कि उन्होंने ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान की डायरी के पन्ने अपने घर में छिपाकर रखे थे। अगर वह दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें 0 से लेकर 60 महीने तक की जेल हो सकती है। इस मामले की अगली सुनवाई 26 जून को होने की उम्मीद है। ट्रंप ने कहा कि बोल्टन एक कट्टरपंथी थे जो केवल युद्ध की भाषा समझते थे।

इस्त्राइल में लगेगी छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा, जानिए क्या बोले इस्त्राइली राजनयिक

येरूशलम, एजेंसी। भारत और इस्त्राइल के बीच सांस्कृतिक और कूटनीतिक रिश्तों को नई मजबूती मिलने जा रही है। इस्त्राइल में जल्द ही छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा और स्मारक स्थापित किए जाएंगे, जिसे दोनों देशों की दोस्ती का प्रतीक माना जा रहा है। इस्त्राइल के कॉन्सुल (राजनयिक) जनरल यानिव रेवाच ने बताया कि यह पहल भारत-इस्त्राइल संबंधों को और गहरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा, उन्होंने लेबनान से होने वाले हमलों के खिलाफ इस्त्राइल की सुरक्षा कार्रवाई का बचाव किया।

दोस्ती और प्रेरणा का प्रतीक होगी प्रतिमा : यानिव रेवाच के कहा कि यह परियोजना केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक गुडविल प्रोजेक्ट है, जो दोनों देशों के लोगों को जोड़ने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा भारत और इस्त्राइल के बीच दोस्ती और प्रेरणा का स्थायी प्रतीक बनेगी। पिछले फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्त्राइल के दौरे के बाद, हमने तय किया कि हम यहां भारत में एक बड़े प्रोजेक्ट का उद्घाटन करेंगे। इस विचार ने असल में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के दफ्तर को भी सूचित किया। वह तुरंत मुझसे मिलने के लिए मान गए। सिर्फ इतना ही नहीं, उन्होंने मुझसे कहा कि वह हमारे खुबसूरत प्रोजेक्ट का समर्थन करने और हमारी हर तरह से मदद करने को तैयार हैं जिसकी हमें जरूरत होगी। ऐतिहासिक जुड़ाव से मिली प्रेरणा इस्त्राइली राजनयिक ने बताया कि भारत का इतिहास उन्हें बेहद प्रेरणादायक लगा है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के संघर्ष और राष्ट्र निर्माण की कहानियों में कई समानताएं हैं। इसी सोच के तहत इस सांस्कृतिक परियोजना की शुरुआत की गई है, जिसमें शिवाजी महाराज की मूर्ति इस्त्राइल में स्थापित की जाएगी। इसके अलावा, हम यह भी सोच रहे हैं कि क्या हम शिवाजी की किताब का हिब्रू में ट्रांसलेशन कर सकते हैं, इसका ट्रांसलेशन करें ताकि लोग उनकी स्किल्स के बारे में जान सकें।

कला और शिक्षा पर भी जोर : इस्त्राइल प्रशासन इस परियोजना को केवल प्रतिमा तक सीमित नहीं रखना चाहता। योजना के तहत एक श्रेष्ठ कलाकार द्वारा मूर्ति तैयार की जाएगी और इसे इस्त्राइल के किसी प्रमुख स्थान पर स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा, शिवाजी महाराज के जीवन और विचारों को समझाने के लिए उनकी पुस्तक का हिब्रू भाषा में अनुवाद करने की भी संभावना पर विचार किया जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत और इस्त्राइल के बीच रक्षा, तकनीक, साइबर सुरक्षा और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग लगातार बढ़ा है। अब यह साझेदारी सांस्कृतिक स्तर पर भी मजबूत होती दिखाई दे रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे सांस्कृतिक प्रोजेक्ट दोनों देशों के बीच लोगों से लोगों के संबंधों को और मजबूत करेंगे। इस्त्राइली राजनयिक ने कहा कि लेबनान के साथ उसका कोई सीधा विवाद नहीं है और वह वहां की सरकार और जनता के साथ शांति चाहता है।

पश्चिम एशिया तनाव: अमेरिका-ईरान जंग के बीच पाकिस्तान के गृह मंत्री तीसरी बार पहुंचे तेहरान, शांति वार्ता की कोशिशें जारी

इस्लामाबाद/तेहरान , एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते अमेरिका-ईरान तनाव के बीच पाकिस्तान ने एक बार फिर कूटनीतिक पहल तेज कर दी है। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी शनिवार को तीसरी बार ईरान की राजधानी तेहरान पहुंचे, जहां उन्होंने क्षेत्र में शांति बहाली को लेकर महत्वपूर्ण बातचीत की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोहसिन नकवी का यह पिछले कुछ हफ्तों में ईरान का तीसरा दौरा है। पाकिस्तान इस समय दोनों देशों के बीच संवाद स्थापित करने और तनाव कम करने के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहा है। तेहरान पहुंचने पर नकवी का स्वागत ईरान के गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी ने किया।

शीर्ष नेताओं से हुई अहम मुलाकातें : यात्रा के दौरान मोहसिन नकवी ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। इन बैठकों में क्षेत्रीय सुरक्षा, द्विपक्षीय संबंध और मौजूदा भू-राजनीतिक हालात पर चर्चा होने की संभावना है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से हुई चर्चा : तेहरान रवाना होने से पहले मोहसिन नकवी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, इस बैठक में क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने इस यात्रा को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

क्षेत्रीय संकट और कूटनीतिक कोशिशें : पश्चिम एशिया में तनाव उस समय बढ़ा जब 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इस्त्राइल ने ईरान पर हमले किए, जिसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की थी। हालांकि अप्रैल में सीजफायर के बाद हालात कुछ हद तक शांत हुए, लेकिन तनाव अब भी बना हुआ है। इस बीच पाकिस्तान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाते हुए अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत कराने की कोशिशें तेज कर दी हैं। अप्रैल में पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच पहली प्रत्यक्ष वार्ता की मेजबानी की थी, हालांकि उस दौरान किसी ठोस समझौते पर सहमति नहीं बन सकी थी।

ईरान बार-बार क्यों जा रहे पाकिस्तानी नेता : पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी पिछले कुछ दिनों में तीन बार ईरान की राजधानी तेहरान का दौरा कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने ईरान के कई शीर्ष नेताओं से मुलाकात की है, जिनमें विदेश मंत्री अब्बास अराघची, राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, ईरान का विदेश मंत्रालय अमेरिका की ओर से मिले एक नए प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। यह प्रस्ताव पाकिस्तान ने ही ईरान तक पहुंचाया है। कहा जा रहा है कि यह पहल पुराने प्रस्तावों से अलग है और इसका मकसद मौजूदा तनाव को कम करना है। इस प्रस्ताव का मुख्य लक्ष्य दोनों देशों के बीच चल रही शत्रुता को खत्म करना और बातचीत के लिए एक नया ढांचा तैयार करना है।

बीच पर बिछा दी गईं डॉल्फिन और व्हेल की लाशें, 700 मछलियों की हत्या से लाल हो गया समंदर

कोपेनहेगन , एजेंसी। इंसानों की क्रूरता की ऐसी तस्वीर आपने शायद ही कभी देखी हो। मछलियों को पकड़कर जीवन यापन करना एक सामान्य बात है लेकिन व्हेल और डॉल्फिन जैसी सैकड़ों मछलियों को जिंदा ही चाकू से चीर डालना और फिर उनको तड़पड़ाते देखकर जश्न मनाना बहुत ही दिल दहलाने वाला है। डेनमार्क के फारो द्वीप पर लोग हर साल एक बार इस तरह का क्रूर 'उत्सव' मनाते हैं। इस आयोजन को 'द ग्रिंड' कहा जाता है। इस संहार को देखने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी पहुंचते हैं। इस बार 'द ग्रिंड' के दौरान लगभग 700 व्हेल और डॉल्फिन को नाव से खींचकर किनारे की ओर लाया गया और फिर उथले समंदर में उन्हें चाकुओं से फाड़ डाला गया।

मछलियों की इस तरह की नृशंस हत्या से इतना खून निकला कि समंदर का पानी लाल हो गया। जानकारी के मुताबिक यह आयोजन 27 मई को किया गया था। इसके बाद समंदर के किनारे सैकड़ों मछलियां पड़ी दिखीं। फारो आईलैंड के ग्लोबल मरीन कंजर्वेशन सी शेफर्ड के डायरेक्टर वैलेंटीना क्रास्ट ने कहा कि उन्होंने यूरोपीय सरकारों से इस कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है लेकिन कोई सुनवाई नहीं की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक 'द ग्रिंड' वाले दिन कम से कम 402 व्हेल और 300 डाल्फिन को मार डाला गया। पेटा की अध्यक्ष एलिसा एलेन ने कहा कि, ये जलीय जीव दर्द से कराहते हैं और छटपटाते हैं। व्हेल और डाल्फिन जैसी मछलियां अपने परिवार के साथ रहती हैं और उनके

पूरे परिवार को ही इस तरह निर्दयता से मार डाला जाता है। ये मछलियां ज्यादा संवेदनशील होती हैं और ऐसे में उन्हें दर्द का अहसास भी ज्यादा होता है। एक एनीमल राइट ऐक्टिविस्ट ने कहा कि यह नृशंस कार्यक्रम 1000 साल से चला आ रहा है। फारो एक स्वतंत्र राज्य है और यहां के लोग इसे अपनी संस्कृति का हिस्सा मानते हैं। फारो के प्रशासन का भी कहना है कि इस उत्सव के दौरान पर्यावरण का भी पूरा ध्यान रखा जाता है। उनका कहना है कि उत्तर अटलांटिक में व्हेल और डाल्फिन की संख्या काफी अच्छी है।

ऐसे में पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचता है। जानकारी के मुताबिक तोर्शावन में 402 पायलट व्हेल और 4 बॉटलनोज डॉल्फिन मारी गई हैं। स्कालाबोटनुर में 168 व्लाइट साइडेड डॉल्फिन और व्हालविक में 132 व्हाइट साइडेड डॉल्फिन मारी गई हैं। बताया जाता है कि यह परंपरा 1000 साल पुरानी व्हाइकिंग युग की है। ऐक्टिविस्ट्स का कहना है कि यह परंपरा आज के युग में जरूरी नहीं है। फारो द्वीप की संसद ने अपने पशु कल्याण कानून में भी बदलाव कर दिया है। डॉल्फिन को सुरक्षा देने वाला कानून भी हटा दिया गया है।

अमेरिका के ओहियो में फेस्टिवल के दौरान गोलीबारी, कई लोगों की मौत

टोलेडो (ओहायो), एजेंसी। अमेरिकी प्रांत ओहियो में एक सामुदायिक उत्सव के दौरान गोलीबारी की घटना में कई लोग मारे गए हैं। यह घटना रविवार दोपहर, टोलेडो में हुई। घटना में घायल हुए लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। वहीं, पुलिस ने बताया कि संदिग्धों की तलाश बड़े पैमाने पर चल रही है। टोलेडो पुलिस को पहले जानकारी मिली थी कि ओल्ड वेस्ट एंड फेस्टिवल में एक व्यक्ति को गोली मारी गई है। लेकिन पुलिस के मुताबिक जब टीम घटनास्थल पर पहुंची तो वहां घायलों की संख्या काफी ज्यादा थी। पुलिस ने बताया कि कई घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। हालांकि उसने यह जानकारी नहीं कि उनकी हालत कितनी गंभीर है या मरने वालों की संख्या कितनी है।

चश्मदीद की आंखों देखी : घटना के दौरान वहां मौजूद चश्मदीदों ने उस दौरान का हाल बयां किया है। ऐसे ही एक शख्स केविन बेरी हैं। बेरी ने बताया कि मैं बगल में अपने दोस्तों के साथ बैठा लाइव म्यूजिक सुन रहा था। इसी दौरान मैंने गोलियां चलने की आवाज सुनी। तमाम लोग जमीन पर पड़े थे। बेरी के मुताबिक जब उन्होंने पीछे मुड़कर देखा तो उनसे केवल 50 फीट की दूरी पर बंदूक उठाती जा रही थी। वहीं, फेस्टिवल को देखते हुए वहां तैनात पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और गोलीबारी का जवाब दिया।

सोशल मीडिया पर वीडियो : घटना को लेकर पुलिस ने बताया कि जिम्मेदार लोगों की सक्रिय तलाश जारी है। सिटी काउंसिल सदस्य थेरेसा मॉरिस ने कहाकि शूटिंग में कम से कम आठ लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहाकि यह त्रासदी वास्तव में दोनों, निवासियों और उन लोगों पर जो हर साल इस त्योहार का आनंद लेने और देखने आते हैं, भारी पड़ रही है। ओहियो के गवर्नर माइक डिवाइन ने बयान में कहाकि मैं आज रात टोलेडो की स्थिति को लेकर गहरी चिंता में हूं। समर फेस्टिवल परिवारों के लिए सुरक्षित स्थान होने चाहिए ताकि वे बिना हिंसा के डर के साथ समय बिता सकें। इस बीच सोशल मीडिया पर घटना के कई वीडियो सामने आए हैं। इसमें गोलीबारी की आवाज के बीच लोगों को भागते देखा जा सकता है। साथ ही इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात अधिकारी घायलों को मदद पहुंचाने में जुटे हैं।

फेस्टिवल के बीच आखिर कैसे मची अफरा-तफरी : टोलेडो पुलिस के अनुसार यह घटना शनिवार शाम उस समय हुई जब ओल्ड वेस्ट एंड फेस्टिवल में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। यह दो दिवसीय आयोजन शहर के ऐतिहासिक इलाके में हर साल आयोजित किया जाता है, जिसमें लाइव म्यूजिक, खाने-पीने के स्टॉल, खरीदारी और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक अचानक गोलियों की आवाज सुनाई दी और देखते ही देखते पूरा इलाका अफरा-तफरी में बदल गया। लोग जमीन पर लेट गए और कई लोग जान बचाने के लिए भागते नजर आए। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में लोग चीखते और दौड़ते दिखाई दिए।

कितने लोग घायल हुए और क्या बोली पुलिस : टोलेडो पुलिस के डिप्टी चीफ जो हेफरनन ने बताया कि कम से कम 12 लोग घायल हुए हैं। इनमें दो लोगों की हालत बेहद गंभीर है। पुलिस का मानना है कि कम से कम दो लोग एक-दूसरे पर गोलियां चला रहे थे। पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया है और संदिग्धों की तलाश जारी है। अधिकारियों का कहना है कि अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

फेस्टिवल में मौजूद केविन बेरी ने बताया कि वह अपने दोस्तों के साथ लाइव म्यूजिक सुन रहे थे तभी अचानक कई गोलियों की आवाज आई। उन्होंने कहा कि लोग तुरंत जमीन पर लेट गए। कुछ देर बाद उन्होंने एक बंदूक को पास में गिरते देखा।

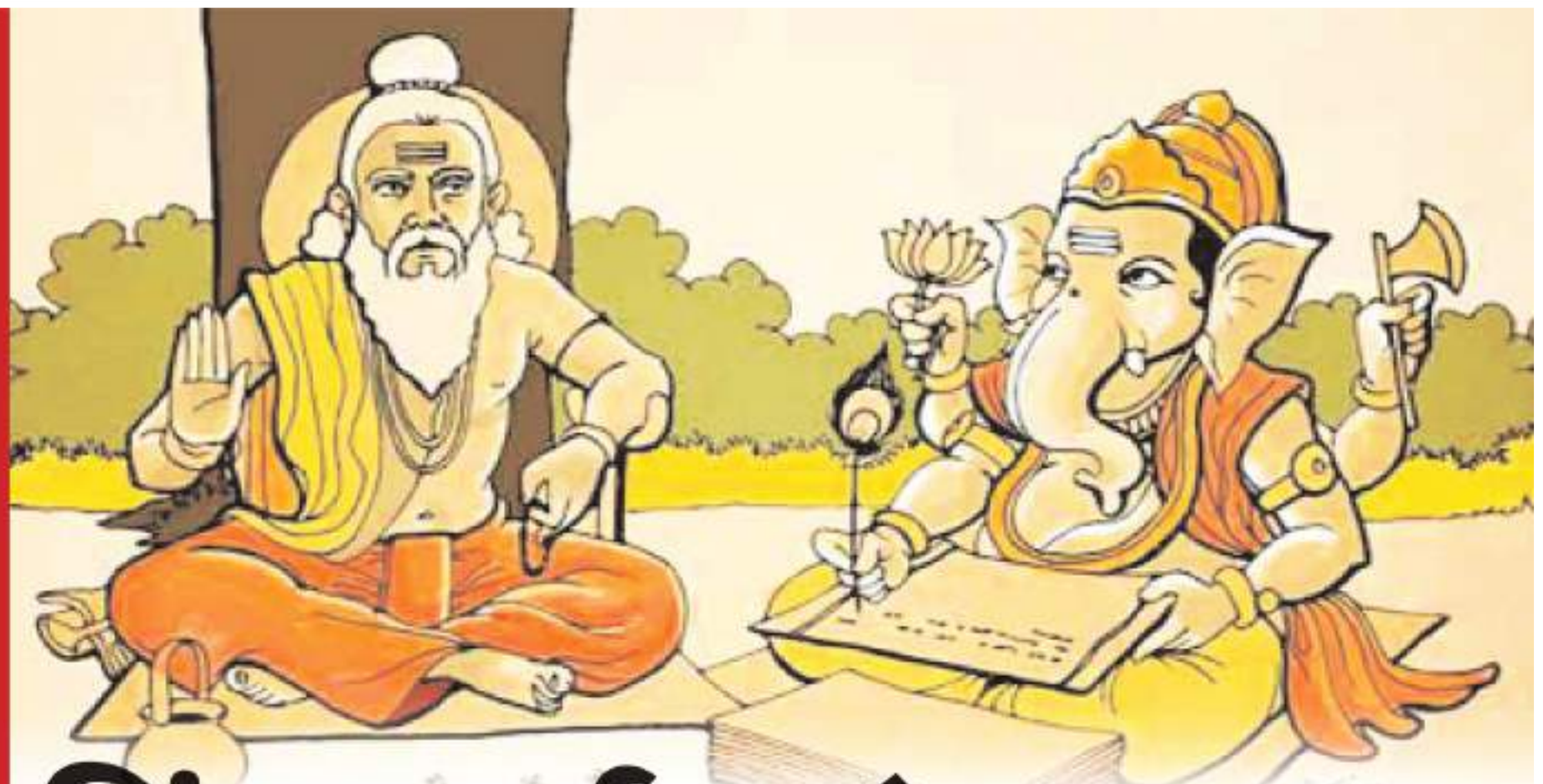

अधिकतर हिन्दुओं के पास अपने ही धर्मग्रंथ को पढ़ने की फुरसत नहीं है। वेद, उपनिषद पढ़ना तो दूर, वे गीता तक को नहीं पढ़ते जबकि गीता को 1 घंटे में पढ़ा जा सकता है। हालांकि कई जगह वे भागवत पुराण सुनने या रामायण का अखंड पाठ करने के लिए समय निकाल लेते हैं या घर में सत्यनारायण की कथा करवा लेते हैं। लेकिन आपको यह जानकारी होना चाहिए कि पुराण, रामायण और महाभारत हिन्दुओं के धर्मग्रंथ नहीं हैं, धर्मग्रंथ तो वेद ही हैं।

हिंदू धर्मग्रंथों का सार

जानिए किस ग्रंथ में क्या है?

शास्त्रों को 2 भागों में बांटा गया है- श्रुति और स्मृति। श्रुति के अंतर्गत धर्मग्रंथ वेद आते हैं और स्मृति के अंतर्गत इतिहास और वेदों की व्याख्‍या की पुस्तकें पुराण, महाभारत, रामायण, स्मृतियां आदि आते हैं। हिन्दुओं के धर्मग्रंथ तो वेद ही हैं। वेदों का सार उपनिषद है और उपनिषदों का सार गीता है। आओ जानते हैं कि उक्त ग्रंथों में क्या है।

वेदों में क्या है?

वेदों में ब्रह्म (ईश्वर), देवता, ब्रह्मांड, ज्योतिष, गणित, रसायन, औषधि, प्रकृति, खगोल, भूगोल, धार्मिक नियम, इतिहास, संस्कार, रीति-रिवाज आदि लगभग सभी विषयों से संबंधित ज्ञान भरा पड़ा है। वेद 4 हैं- ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद। ऋग्वेद का आयुर्वेद, यजुर्वेद का धनुर्वेद, सामवेद का गांधर्व वेद और अथर्ववेद का स्थापत्य वेद ये क्रमशः चारों वेदों के उपवेद बतलाए गए हैं।

ऋग्वेद : ऋक अर्थात स्थिति और ज्ञान। इसमें भौगोलिक स्थिति और देवताओं के आवाहन के मंत्रों के साथ बहुत कुछ है। ऋग्वेद की ऋचाओं में देवताओं की प्रार्थना, स्तुतियां और देवलोक में उनकी स्थिति का वर्णन है। इसमें जल चिकित्सा, वायु चिकित्सा, सौर चिकित्सा, मानस चिकित्सा और हवन द्वारा चिकित्सा आदि की भी जानकारी मिलती है।

यजुर्वेद : यजु अर्थात गतिशील आकाश एवं कर्म। यजुर्वेद में यज्ञ की विधियां और यज्ञों में प्रयोग किए जाने वाले मंत्र हैं। यज्ञ के अलावा तत्वज्ञान का वर्णन है। तत्वज्ञान अर्थात रहस्यमयी ज्ञान। ब्रह्मांड, आत्मा, ईश्वर और पदार्थ का ज्ञान। इस वेद की 2 शाखाएं हैं- शुक्ल और कृष्ण।

सामवेद : साम का अर्थ रूपांतरण और संगीत। सौम्यता और उपासना। इस वेद में ऋग्वेद की ऋचाओं का संगीतमय रूप है। इसमें सविता, अग्नि और इन्द्र देवताओं के बारे में जिक्र मिलता है। इसी से शास्त्रीय संगीत और नृत्य का जिक्र भी मिलता है। इस वेद को संगीत शास्त्र का मूल माना जाता है। इसमें संगीत के विज्ञान और मनोविज्ञान का वर्णन भी मिलता है।

अथर्ववेद : थर्व का अर्थ है कंपन और अथर्व का अर्थ अकंपन। इस वेद में रहस्यमयी विद्याओं, जड़ी-बूटियों, चमत्कार और आयुर्वेद आदि का जिक्र है। इसमें भारतीय परंपरा और ज्योतिष का ज्ञान भी मिलता है।

उपनिषद क्या है?

उपनिषद वेदों का सार है। सार अर्थात निचोड़ या संक्षिप्त। उपनिषद भारतीय आध्यात्मिक चिंतन के मूल आधार हैं, भारतीय आध्यात्मिक दर्शन के स्रोत हैं। ईश्वर है या नहीं, आत्मा है या नहीं, ब्रह्मांड कैसा है आदि सभी गंभीर, तत्वज्ञान, योग, ध्यान, समाधि, मोक्ष आदि की बातें उपनिषद में मिलेंगी। उपनिषदों को प्रत्येक हिन्दू को पढ़ना चाहिए। इन्हें पढ़ने से ईश्वर, आत्मा, मोक्ष और जगत के बारे में सच्चा ज्ञान मिलता है।

वेदों के अंतिम भाग को 'वेदांत' कहते हैं। वेदांतों को ही उपनिषद कहते हैं। उपनिषद में तत्वज्ञान की चर्चा है। उपनिषदों की संख्या वैसे तो 108 है, परंतु मुख्य 12 माने गए हैं, जैसे- 1.ईश, 2.केन, 3.कठ, 4.प्रश्न, 5.मुण्डक, 6.माण्डूक्य, 7.तैत्तिरीय, 8.ऐतरेय, 9.छांदोग्य, 10.बृहदारण्यक, 11.कौषीतकि और 12.श्वेताश्वतर।

षड्दर्शन क्या है?

गीता में क्या है?

महाभारत के 18 अध्यायों में से 1 भीष्म पर्व का हिस्सा है गीता। गीता में भी कुल 18 अध्याय हैं। 10 अध्यायों की कुल श्लोक संख्या 700 है। वेदों के ज्ञान को नए तरीके से किसी ने व्यवस्थित किया है तो वे हैं भगवान श्रीकृष्ण। अतः वेदों का पॉकेट संस्करण है गीता, जो हिन्दुओं का सर्वमान्य एकमात्र ग्रंथ है। किसी के पास इतना समय ही नहीं है कि वह वेद या उपनिषद पढ़े। उनके लिए गीता ही सबसे उत्तम धर्मग्रंथ है। गीता को बार-बार पढ़ने के बाद ही वह समझ में आने लगती है। गीता में भक्ति, ज्ञान और कर्म मार्ग की चर्चा की गई है। उसमें यम-नियम और धर्म-कर्म के बारे में भी बताया गया है। गीता ही कहती है कि ब्रह्म (ईश्वर) एक ही है। गीता को बार-बार पढ़ेंगे तो आपके समक्ष इसके ज्ञान का रहस्य खुलता जाएगा। गीता के प्रत्येक शब्द पर एक अलग ग्रंथ लिखा जा सकता है। गीता में सृष्टि उत्पत्ति, जीव विकास क्रम, हिन्दू संदेशवाहक क्रम, मानव उत्पत्ति, योग, धर्म-कर्म, ईश्वर, भगवान, देवी-देवता, उपासना, प्रार्थना, यम-नियम, राजनीति, युद्ध, मोक्ष, अंतरिक्ष, आकाश, धरती, संस्कार, वंश, कुल, नीति, अर्थ, पूर्व जन्म, जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण, आत्मा, कर्मसिद्धांत, त्रिगुण की संकल्पना, सभी प्राणियों में मैत्रीभाव आदि सभी की जानकारी है।

श्रीमद्भगवद्गीता योगेश्वर श्रीकृष्ण की वाणी है। इसके प्रत्येक श्लोक में ज्ञानरूपी प्रकाश है जिसके प्रस्फुटित होते ही अज्ञान का अंधकार नष्ट हो जाता है। ज्ञान-भक्ति-कर्म योग मार्गों की विस्तृत व्याख्‍या की गई है। इन मार्गों पर चलने से व्यक्ति निश्चित ही परम पद का अधिकारी बन जाता है। गीता को अर्जुन के अलावा और संजय ने सुना और उन्होंने धृतराष्ट्र को सुनाया। गीता में श्रीकृष्ण ने 574, अर्जुन ने 85, संजय ने 40 और धृतराष्ट्र ने 1 श्लोक कहा है। उपरोक्त ग्रंथों के ज्ञान का सार बिंदुवार।

ईश्वर के बारे में :

ब्रह्म (परमात्मा) एक ही है जिसे कुछ लोग सगुण (साकार) तो कुछ लोग निर्गुण (निराकार) कहते हैं। हालांकि वह अजन्मा, अप्रकट है। उसका न कोई पिता है और न ही कोई उसका पुत्र है। वह किसी के भाग्य या कर्म को नियंत्रित नहीं करता। न कि वह किसी को दंड या पुरस्कार देता है। उसका न तो कोई प्रारंभ है और न ही अंत। वह अनादि और अनंत है। उसकी उपस्थिति से ही संपूर्ण ब्रह्मांड चलायमान है। सभी कुछ उसी से उत्पन्न होकर अंत में उसी में लीन हो जाता है। ब्रह्मलीन।

ब्रह्मांड के बारे में :

यह दिखाई देने वाला जगत फैलता जा रहा है और दूसरी ओर से यह सिकुड़ता भी जा रहा है। लाखों सूर्य, तारे और धरतीयों का जन्म है, तो उसका अंत भी। जो जन्मा है वह मरेगा भी। सभी कुछ उसी ब्रह्म से जन्मे और उसी में लीन हो जाने वाले हैं। यह ब्रह्मांड परिवर्तनशील है। इस जगत का संचालन उसी की शक्ति से स्वतः ही होता है, जैसे कि सूर्य के आकर्षण से ही धरती अपनी धुरी पर टिकी हुई होकर चलायमान है। उसी तरह लाखों सूर्य और तारे एक महासूर्य के आकर्षण से टिके होकर संचालित हो रहे हैं। उसी तरह लाखों महासूर्य उस एक ब्रह्म की शक्ति से ही जगत में विद्यमान हैं।

आत्मा के बारे में :

आत्मा का स्वरूप ब्रह्म (परमात्मा) के समान है। जैसे सूर्य और दीपक में जो फर्क है उसी तरह आत्मा और परमात्मा में फर्क है। आत्मा के शरीर में होने के कारण ही यह शरीर संचालित हो रहा है। ठीक उसी तरह जिस तरह कि संपूर्ण धरती, सूर्य, ग्रह-नक्षत्र और तारे भी उस एक परमपिता की उपस्थिति से ही संचालित हो रहे हैं। आत्मा का न जन्म होता है और न ही उसकी कोई मृत्यु होती है। आत्मा एक शरीर को छोड़कर दूसरा शरीर धारण करती है। यह आत्मा अजर और अमर है। आत्मा को प्रकृति द्वारा 3 शरीर मिलते हैं- एक, वह जो स्थूल आंखों से दिखाई देता है। दूसरा, वह जिसे सूक्ष्म शरीर कहते हैं, जो कि ध्यानी को ही दिखाई देता है और तीसरा, वह शरीर जिसके कारण शरीर कहते हैं, उसे देखना अत्यंत ही मुश्किल है। बस उसे वही आत्मा महसूस करती है, जो कि उसमें रहती है। आप और हम दोनों ही आत्मा हैं। हमारे नाम और शरीर अलग-अलग हैं लेकिन भीतरी स्वरूप एक ही है।

स्वर्ग और नरक के बारे में :

वेदों के अनुसार पुराणों के स्वर्ग या नर्क को गतियों से समझा जा सकता है। स्वर्ग और नर्क 2 गतियां हैं। आत्मा जब देह छोड़ती है तो मूलतः 2 तरह की गतियां होती हैं- 1.अगति और 2.गति।

1.अगति : अगति में व्यक्ति को मोक्ष नहीं मिलता है उसे फिर से जन्म लेना पड़ता है।

2.गति : गति में जीव को किसी लोक में जाना पड़ता है या वह अपने कर्मों से मोक्ष प्राप्त कर लेता है।

*अगति के 4 प्रकार हैं- 1.क्षिणोदर्क, 2.भूमोदर्क, 3.अगति और 4.दुर्गति।

*क्षिणोदर्क : क्षिणोदर्क अगति में जीव पुनः पुण्यात्मा के रूप में मृत्युलोक में आता है और संतों-सा जीवन जीता है।

*भूमोदर्क : भूमोदर्क में वह सुखी और ऐश्वर्यशाली जीवन पाता है।

*अगति : अगति में नीच या पशु जीवन में चला जाता है।

*दुर्गति : दुर्गति में वह कीट-कीड़ों जैसा जीवन पाता है।

* गति के भी 4 प्रकार- गति के अंतर्गत 4 लोक दिए गए हैं- 1.ब्रह्मलोक, 2.देवलोक, 3.पितृलोक और 4.नर्कलोक। जीव अपने कर्मों के अनुसार उक्त लोकों में जाता है।

तीन मार्गों से यात्रा :

जब भी कोई मनुष्य मरता है या आत्मा शरीर को त्यागकर यात्रा प्रारंभ करती है तो इस दौरान उसे 3 प्रकार के मार्ग मिलते हैं। ऐसा कहते हैं कि उस आत्मा को किस मार्ग पर चलाया जाएगा और यह केवल उसके कर्मों पर निर्भर करता है। ये 3 मार्ग हैं- अर्चि मार्ग, धूम मार्ग और उत्पत्ति-विनाश मार्ग। अर्चि मार्ग ब्रह्मलोक और देवलोक की यात्रा के लिए होता है, वहीं धूममार्ग पितृलोक की यात्रा पर ले जाता है और उत्पत्ति-विनाश मार्ग नर्क की यात्रा के लिए है।

धर्म और मोक्ष के बारे में :

धर्मग्रंथों के अनुसार धर्म का अर्थ है यम और नियम को समझकर उसका पालन करना। नियम ही धर्म है। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष में से मोक्ष ही अंतिम लक्ष्य होता है। हिन्दू धर्म के अनुसार व्यक्ति को मोक्ष के बारे में विचार करना चाहिए। मोक्ष क्या है? स्थितप्रज्ञ आत्मा को मोक्ष मिलता है। मोक्ष का भावार्थ यह कि आत्मा शरीर नहीं है, इस सत्य को पूर्णतः अनुभव करके ही अशरीरी होकर स्वयं के अस्तित्व को पुख्‍ता करना ही मोक्ष की प्रथम सीढ़ी है।

व्रत और त्योहार के बारे में :

हिन्दू धर्म के सभी व्रत, त्योहार या तीर्थ सिर्फ मोक्ष की प्राप्ति हेतु ही

निर्मित हुए हैं। मोक्ष तब मिलेगा जब व्यक्ति स्वस्थ रहकर प्रसन्नचित्त और खुशहाल जीवन जीएगा। व्रत से शरीर और मन स्वस्थ होता है। त्योहार से मन प्रसन्न होता है और तीर्थ से मन और मस्तिष्क में वैराग्य और अध्यात्म का जन्म होता है।

मौसम और ग्रह-नक्षत्रों की गतियों को ध्यान में रखकर बनाए गए व्रत और त्योहारों का महत्व अधिक है। व्रतों में चतुर्थी, एकादशी, प्रदोष, अमावस्या, पूर्णिमा, श्रावण मास और कार्तिक मास के दिन व्रत रखना श्रेष्ठ है। यदि उपरोक्त सभी नहीं रख सकते हैं तो श्रावण के पूरे महीने व्रत रखें। त्योहारों में मकर संक्रांति, महाशिवरात्रि, नवरात्रि, रामनवमी, कृष्ण जन्माष्टमी और हनुमान जन्मोत्सव ही मनाएं। पर्व में श्राद्ध और कुंभ का पर्व जरूर मनाएं।

व्रत करने से काया निरोगी और जीवन में शांति मिलती है। सूर्य की 12 और 12 चन्द्र की संक्रांतियां होती हैं। सूर्य संक्रांतियों में उत्सव का अधिक महत्व है, तो चन्द्र संक्रांति में व्रतों का अधिक महत्व है। चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक, अगहन, पौष, माघ और फाल्गुन। इसमें से श्रावण मास को व्रतों में सबसे श्रेष्ठ मास माना गया है। इसके अलावा प्रत्येक माह की एकादशी, चतुर्दशी, चतुर्थी, पूर्णिमा, अमावस्या और अधिकमास में व्रतों का अलग-अलग महत्व है। सौरमास और चान्द्रमास के बीच बढ़े हुए दिनों को मलमास या अधिकमास कहते हैं। साधुजन चातुर्मास अर्थात 4 महीने श्रावण, भाद्रपद, आश्विन और कार्तिक माह में व्रत रखते हैं।

उत्सव, पर्व और त्योहार सभी का अलग-अलग अर्थ और महत्व है। प्रत्येक ऋतु में एक उत्सव है। उन त्योहार, पर्व या उत्सव को मनाने का महत्व अधिक है जिनकी उत्पत्ति स्थानीय परंपरा या संस्कृति से न होकर जिनका उल्लेख वैदिक धर्मग्रंथ, धर्मसूत्र, स्मृति, पुराण और आचार संहिता में मिलता है। चन्द्र और सूर्य की संक्रांतियों के अनुसार कुछ त्योहार मनाए जाते हैं। 12 सूर्य संक्रांतियां होती हैं जिसमें 4 प्रमुख हैं- मकर, मेष, तुला और कर्क। इन 4 में मकर संक्रांति महत्वपूर्ण है। सूर्योपासना के लिए प्रसिद्ध पर्व है छठ, संक्रांति और कुंभ। पर्वों में रामनवमी, कृष्ण जन्माष्टमी, गुरुपूर्णिमा, वसंत पंचमी, हनुमान जयंती, नवरात्रि, शिवरात्रि, होली, ओणम, दीपावली, गणेश चतुर्थी और रक्षाबंधन प्रमुख हैं। हालांकि सभी में मकर संक्रांति और कुंभ को सर्वोच्च माना गया है।

तीर्थ के बारे में :

तीर्थ और तीर्थयात्रा का बहुत पुण्य है। जो मनमाने तीर्थ और तीर्थ पर जाने के समय हैं, उनकी यात्रा का सनातन धर्म से कोई संबंध नहीं। तीर्थों में 4 धाम ज्योतिर्लिंग, अमरनाथ, शक्तिपीठ और सप्तपुरी की यात्रा का ही महत्व है। अयोध्या, मथुरा, काशी और प्रयाग को तीर्थों का प्रमुख केंद्र माना जाता है जबकि कैलाश मानसरोवर को सर्वोच्च तीर्थ माना गया है। बद्रीनाथ, द्वारका, रामेश्वरम और जगन्नाथपुरी ये 4 धाम हैं। सोमनाथ, द्वारका, महाकालेश्वर, श्रीशैल, भीमाशंकर, ओंकारेश्वर, केदारनाथ, विश्वनाथ, त्र्यंबकेश्वर, रामेश्वरम, घृष्णेश्वर और बैद्यनाथ ये द्वादश ज्योतिर्लिंग हैं। काशी, मथुरा, अयोध्या, द्वारका, माया, कांची और अवंति उज्जैन ये सप्तपुरियां हैं। उपरोक्त कहे गए तीर्थ की यात्रा ही धर्मसम्मत है।

संस्कार के बारे में :

संस्कारों के प्रमुख प्रकार 16 बताए गए हैं जिनका पालन करना हर हिन्दू का कर्तव्य है। इन संस्कारों के नाम हैं- गर्भाधान, पुंसवन, सीमंतोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, मुंडन, कर्णवेधन, विद्यारंभ, उपनयन, वेदारंभ, केशांत, सम्वर्तन, विवाह और अंत्येष्टि। प्रत्येक हिन्दू को उक्त संस्कार को अच्छे से नियमपूर्वक करना चाहिए। यह मनुष्य के सभ्य और हिन्दू होने की निशानी है। उक्त संस्कारों को वैदिक नियमों के द्वारा ही संपन्न किया जाना चाहिए।

पाठ करने के बारे में :

वेदों, उपनिषद या गीता का पाठ करना या सुनना प्रत्येक हिन्दू का कर्तव्य है। उपनिषद और गीता का स्वयं अध्ययन करना और उसकी बातों की किसी जिज्ञासु के समक्ष चर्चा करना पुण्य का कार्य है। लेकिन किसी बहसकर्ता या भ्रमित व्यक्ति के समक्ष वेद वचनों को कहना निषेध माना जाता है। प्रतिदिन धर्मग्रंथों का कुछ पाठ करने से देव शक्तियों की कृपा मिलती है। हिन्दू धर्म में वेद, उपनिषद और गीता के पाठ करने की परंपरा प्राचीनकाल से रही है। वक्त बदला तो लोगों ने पुराणों में उल्लेखित कथा की परंपरा शुरू कर दी, जबकि वेदपाठ और गीता पाठ का अधिक महत्व है।

धर्म, कर्म और सेवा के बारे में :

धर्म-कर्म और सेवा का अर्थ यह कि हम ऐसा कार्य करें जिससे हमारे मन और मस्तिष्क को शांति मिले और हम मोक्ष का द्वार खोल पाएं। साथ ही जिससे हमारे सामाजिक और राष्ट्रीय हित भी साधे जाते हों अर्थात ऐसा कार्य जिससे परिवार, समाज, राष्ट्र और स्वयं को लाभ मिले। धर्म-कर्म को कई तरीके से साधा जा सकता है, जैसे- 1.व्रत, 2.सेवा, 3.दान, 4.यज्ञ, 5.प्रायश्चित, दीक्षा देना और मंदिर जाना आदि।

सेवा का मतलब यह कि सर्वप्रथम माता-पिता, फिर बहन-बेटी, फिर भाई-बंधु की किसी भी प्रकार से सहायता करना ही धार्मिक सेवा है। इसके बाद अपंग, महिला, विद्यार्थी, संन्यासी, चिकित्सक और धर्म के रक्षकों की सेवा-सहायता करना पुण्य का कार्य माना गया है। इसके अलावा सभी प्राणियों, पक्षियों, गाय, कुत्ते, कौओं, चींटी आदि को अन्न-जल देना- ये सभी यज्ञ कर्म में आते हैं।

दान के बारे में :

दान से इन्द्रिय भोगों के प्रति आसक्ति छूटती है। मन की ग्रंथियां खुलती हैं जिससे मृत्युकाल में लाभ मिलता है। देव आराधना का दान सबसे सरल और उत्तम उपाय है। वेदों में 3 प्रकार के दाता कहे गए हैं- 1.उत्तम, 2.मध्यम और 3.निकृष्टतम। धर्म की उन्नति, रूप, सत्य विद्या के लिए जो देता है, वह उत्तम। कीर्ति या स्वार्थ के लिए जो देता है वह मध्यम और जो वेश्यागमनादि, भांड, भाटे, पंडे को देता वह निकृष्ट माना गया है। पुराणों में अन्नदान, वस्त्रदान, विद्यादान, अभयदान और धनदान को ही श्रेष्ठ माना गया है, यही पुण्य भी है।

यज्ञ के बारे में :

यज्ञ के प्रमुख 5 प्रकार हैं- ब्रह्मयज्ञ, देवयज्ञ, पितृयज्ञ, वैश्वदेव यज्ञ और अतिथि यज्ञ। यज्ञ पालन से ऋषि ऋण, देव ऋण, पितृ ऋण, धर्म ऋण, प्रकृति ऋण और मातृ ऋण समाप्त होता है। नित्य संध्यावंदन, स्वाध्याय तथा वेदपाठ करने से ब्रह्म यज्ञ संपन्न होता है। देवयज्ञ सत्संग तथा अग्निहोत्र कर्म से संपन्न होता है। अग्नि जलाकर होम करना अग्निहोत्र यज्ञ है। पितृयज्ञ को श्राद्धकर्म भी कहा गया है। यह यज्ञ पिंडदान, तर्पण और संतानोत्पत्ति से संपन्न होता है। वैश्वदेव यज्ञ को भूत यज्ञ भी कहते हैं। सभी प्राणियों तथा वृक्षों के प्रति करुणा और कर्तव्य समझना व उन्हें अन्न-जल देना ही भूत यज्ञ कहलाता है। अतिथि यज्ञ से अर्थ मेहमानों की सेवा करना। अपंग, महिला, विद्यार्थी, संन्यासी, चिकित्सक और धर्म के रक्षकों की सेवा-सहायता करना ही अतिथि यज्ञ है। इसके अलावा अग्निहोत्र, अश्वमेध, वाजपेय, सोमयज्ञ, राजसूय और अग्निचयन का वर्णन यजुर्वेद में मिलता है।

मंदिर जाने के बारे में :

प्रति गुरुवार को मंदिर जाना चाहिए। घर में मंदिर नहीं होना चाहिए। मंदिर में जाकर परिक्रमा करना चाहिए। भारत में मंदिरों, तीर्थों और यज्ञादि की परिक्रमा का प्रचलन प्राचीनकाल से ही रहा है। मंदिर की 7 बार (सप्तपदी) परिक्रमा करना बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह 7 परिक्रमा विवाह के समय अग्नि के समक्ष भी की जाती है। इसी प्रदक्षिणा को इस्लाम धर्म ने परंपरा से अपनाया जिसे तवाफ कहते हैं। प्रदक्षिणा षोडशोपचार पूजा का एक अंग है। प्रदक्षिणा की प्रथा अतिप्राचीन है। हिन्दू सहित जैन, बौद्ध और सिख धर्म में भी परिक्रमा का महत्व है। इस्लाम में मक्का स्थित काबा की 7 परिक्रमा का प्रचलन है। पूजा-पाठ, तीर्थ परिक्रमा, यज्ञादि पवित्र कर्म के दौरान बिना सिले सफेद या पीत वस्त्र पहनने की परंपरा भी प्राचीनकाल से हिन्दुओं में प्रचलित रही है। मंदिर जाने या संध्यावंदन के पूर्व आचमन या शुद्धि करना जरूरी है। इसे इस्लाम में वुजू कहा जाता है।

संध्यावंदन के बारे में :

संध्यावंदन को संध्योपासना भी कहते हैं। मंदिर में जाकर संधिकाल में ही संध्यावंदन की जाती है। वैसे संधि 8 वक्त की मानी गई है। उसमें भी 5 महत्वपूर्ण हैं। 5 में से भी सूर्य उदय और अस्त अर्थात 2 वक्त की संधि महत्वपूर्ण है। इस समय मंदिर या एकांत में शौच, आचमन, प्राणायामादि कर गायत्री छंद से निराकार ईश्वर की प्रार्थना की जाती है। संध्योपासना के 4 प्रकार हैं- 1.प्रार्थना, 2.ध्यान, 3.कीर्तन और 4.पूजा-आरती। व्यक्ति की जिसमें जैसी श्रद्धा है, वह वैसा करता है।

धर्म की सेवा के बारे में :

धर्म की प्रशंसा करना और धर्म के बारे में सही जानकारी को लोगों तक पहुंचाना प्रत्येक हिन्दू का कर्तव्य होता है। धर्म प्रचार में वेद, उपनिषद और गीता के ज्ञान का प्रचार करना ही उत्तम माना गया है। धर्म प्रचारकों के कुछ प्रकार हैं। हिन्दू धर्म को पढ़ना और समझना जरूरी है। हिन्दू धर्म को समझकर ही उसका प्रचार और प्रसार करना जरूरी है। धर्म का सही ज्ञान होगा, तभी उस ज्ञान को दूसरे को बताना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को धर्म प्रचारक होना जरूरी है। इसके लिए भगवा वस्त्र धारण करने या संन्यासी होने की जरूरत नहीं। स्वयं के धर्म की तारीफ करना और बुराइयों को नहीं सुनना ही धर्म की सच्ची सेवा है।

मंत्र के बारे में :

वेदों में बहुत सारे मंत्रों का उल्लेख मिलता है, लेकिन जपने के लिए सिर्फ प्रणव और गायत्री मंत्र ही कहा गया है, बाकी मंत्र किसी विशेष अनुष्ठान और धार्मिक कार्यों के लिए है। वेदों में गायत्री नाम से छंद है जिसमें हजारों मंत्र हैं किंतु प्रथम मंत्र को ही गायत्री मंत्र माना जाता है। उक्त मंत्र के अलावा किसी अन्य मंत्र का जाप करते रहने से समय और ऊर्जा की बर्बादी है। गायत्री मंत्र की महिमा सर्वविदित है। दूसरा मंत्र है महामृत्युंजय मंत्र, लेकिन उक्त मंत्र के जप और नियम कठिन हैं इसे किसी जानकार से पूछकर ही जपना चाहिए।

प्रायश्चित के बारे में :

प्राचीनकाल से ही हिन्दुओं में मंदिर में जाकर अपने पापों के लिए प्रायश्चित करने की परंपरा रही है। प्रायश्चित करने के महत्व को स्मृति और पुराणों में विस्तार से समझाया गया है। गुरु और शिष्य परंपरा में गुरु अपने शिष्य को प्रायश्चित करने के अलग-अलग तरीके बताते हैं। दुष्कर्म के लिए प्रायश्चित करना तपस्या का एक दूसरा रूप है। यह मंदिर में देवता के समक्ष 108 बार साष्टांग प्रणाम, मंदिर के इर्द-गिर्द चलते हुए साष्टांग प्रणाम और कावड़ी अर्थात वह तपस्या, जो भगवान मुरुगन को अर्पित की जाती है, जैसे कृत्यों के माध्यम से की जाती है। मूलतः अपने पापों की क्षमा भगवान शिव और वरुणदेव से मांगी जाती है, क्योंकि क्षमा का अधिकार उनको ही है। जैन धर्म में 'क्षमा पर्व' प्रायश्चित करने का दिन है।

दीक्षा देने के बारे में :

दीक्षा देने का प्रचलन वैदिक ऋषियों ने प्रारंभ किया था। प्राचीनकाल में पहले शिष्य और ब्राह्मण बनाने के लिए दीक्षा दी जाती थी। माता-पिता अपने बच्चों को जब शिक्षा के लिए भेजते थे तब भी दीक्षा दी जाती थी। हिन्दू धर्मानुसार दिशाहीन जीवन को दिशा देना ही दीक्षा है। दीक्षा एक शपथ, एक अनुबंध और एक संकल्प है। दीक्षा के बाद व्यक्ति द्विज बन जाता है। द्विज का अर्थ दूसरा जन्म। दूसरा व्यक्तित्व। सिख धर्म में इसे अमृत संचार कहते हैं। यह दीक्षा देने की परंपरा जैन धर्म में भी प्राचीनकाल से रही है, हालांकि दूसरे धर्मों में दीक्षा को अपने धर्म में धर्मांतरित करने के लिए प्रयुक्त किया जाने लगा। हिन्दू धर्म से इस परंपरा को ईसाई धर्म ने अपनाया जिसे वे बपतिस्मा कहते हैं। अलग-अलग धर्मों में दीक्षा देने के भिन्न-भिन्न तरीके हैं। यहूदी धर्म में खतना करके दीक्षा दी जाती है।

वेद से निकला षड्दर्शन

वेद और उपनिषद को पढ़कर ही 6 ऋषियों ने अपना दर्शन गढ़ा है। इसे भारत का षड्दर्शन कहते हैं। दरअसल, यह वेद के ज्ञान का श्रेणीकरण है। ये 6 दर्शन हैं- 1.न्याय, 2.वैशेषिक, 3.सांख्य, 4.योग, 5.मीमांसा और 6.वेदांत। वेदों के अनुसार सत्य या ईश्वर को किसी एक माध्यम से नहीं जाना जा सकता। इसीलिए वेदों ने कई मार्गों या माध्यमों की चर्चा की है।

धनबाद में नीट पेपर लीक के खिलाफ युवा कांग्रेस का आक्रोश मार्च, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबादः नीट पेपर लीक मामले और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सोमवार को धनबाद युवा कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने आईआईटी-आईएसएम गेट से रणधीर वर्मा चौक तक पैदल आक्रोश मार्च निकाला और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। रणधीर वर्मा चौक पर आयोजित सभा में वक्ताओं ने कहा कि इस गड़बड़ी से देश के 22 लाख से अधिक छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया है।कार्यक्रम के प्रभारी और युवा कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव प्रीति मांझी ने कहा कि सरकार इस मामले में जवाबदेही तय करने में पूरी तरह विफल रही है। शिक्षा मंत्री को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में प्रतियोगी

परीक्षाओं के पेपर लीक होने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन इस गंभीर मुद्दे पर प्रधानमंत्री की चुप्पी युवाओं में आक्रोश पैदा कर रही है।वहीं, युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कुमार गौरव ने कहा कि यह सिर्फ एक परीक्षा का मामला नहीं, बल्कि लाखों युवाओं के भरोसे का सवाल है। परीक्षा प्रणाली में लगातार हो रही धांधली के कारण छात्र मानसिक तनाव का सामना कर रहे हैं। कांग्रेस युवाओं के हक के लिए सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष जारी रखेगी। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस कार्यकर्ता और छात्र शामिल हुए, जिन्होंने परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता लाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। बता दें कि इस कार्यक्रम में युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब को भी शामिल होना था, लेकिन अपरिहार्य कारणों से वे नहीं पहुंच सके।

सोनाहातु प्रधान के घर की चारदीवारी में सिमटी ग्राम सभा, जामुदाग के ग्रामीणों ने उठाए सवाल सार्वजनिक बैठक न होने से पारदर्शिता पर संदेह, जांच की मांग

रफ़्तार मिडिया सोनाहातु संवाददाता

सोनाहातु प्रखंड के जामुदाग गांव में ग्राम सभा की कार्यशैली को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। नाम न छापने की शर्त पर गांव के कई लोगों ने बताया कि पिछले कई वर्षों से ग्राम सभा सार्वजनिक स्थल पर नहीं बुलाई जा रही है।ग्रामीणों का कहना है कि नियम के अनुसार ग्राम सभा गांव की खुली जगह, चौपाल या पंचायत भवन में होनी चाहिए। लेकिन जामुदाग गाँव में ग्राम प्रधान द्वारा इसे अपने घर की चारदीवारी के अंदर ही कर लिया जाता है। चारदीवारी के अंदर होने वाली इस बैठक में सिर्फ चुनिंदा लोग ही शामिल रहते हैं। आम ग्रामीण को इसकी सूचना तक नहीं दी जाती है।चारदीवारी के अंदर होने वाली इस व्यवस्था का असर अभी तक ये रहा कि गांव के काफी लोग आवास, शौचालय, मनरेगा, पेंशन जैसी पर्सनल योजनाओं से वंचित रह गए हैं। जिससे गरीब ग्रामीण इस तरह की ब्यबस्था से काफी प्रभावित हुए हैं।ब्यबस्था से क्षुब्ध ग्रामीण अब बड़े सवाल खड़े कर रहे हैं। जब ग्राम सभा सार्वजनिक स्थल पर होती ही नहीं, तो फिर पंचायत क्षेत्र में योजना धडल्ले से कैसे आ रही है। क्या ग्राम प्रधान गांव के लोगों का फर्जी हस्ताक्षर कर देते हैं क्या गांव के दबंग लोगों की योजना देने वाले अधिकारियों से साठगांठ है? क्या इस पूरे मामले की कभी निष्पक्ष जांच होगी?ग्रामीणों का कहना है कि चारदीवारी के अंदर होने वाली सभा की वजह से ही ये सारी आशंका पैदा हो रही है।वंचित ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और प्रखंड विकास पदाधिकारी से मांग की है कि पूरे मामले की जांच कराई जाए। उनका कहना है कि ग्राम सभा की रजिस्टर, उपस्थिति पंजी और योजना की स्वीकृति की फाइल की जांच होनी चाहिए। ग्रामीण चाहते हैं कि आगे से ग्राम सभा पंचायत भवन या सार्वजनिक जगह पर हो और इसकी सूचना मुनादी कर हर व्यक्ति तक पहुंचाई जाए।इस मामले में ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो वे उच्च अधिकारियों तक शिकायत करेंगे।ग्राम सभा गांव की सबसे बड़ी संस्था है। हर तीन महीने में होने वाली इस बैठक में गांव का बजट, योजनाओं का चयन, लाभुकों की सूची और विकास कार्यों का लेखा जोखा रखा जाता है। हर वयस्क ग्रामीण को इसमें सवाल पूछने और सुझाव देने का अधिकार है।निष्पक्ष रूप से गांव के सार्बजनिक बिकास पर ग्रामीण निस्वार्थ भाव से अपनी बातों को रखने का अधिकार को ही सरकार द्वारा ग्रामसभा को सर्बपरि माना गया है।

आधी रात आग का तांडवः रूपनारायणपुर सब्जी बाजार में भीषण अग्निकांड, 16 दुकानें जलकर खाक, लाखों का नुकसान

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन

रविवार की आधी रात रूपनारायणपुर सब्जी बाजार में लगी भीषण आग ने भारी तबाही मचा दिया। आग की लपटों ने देखते ही देखते बाजार की 16 दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे व्यापारियों को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार, आग की शुरूआत मछली बाजार के पास स्थित एक स्टॉल से हुई। बाजार में रखे चावल, केरोसिन तथा अन्य ज्वलनशील सामान के कारण आग तेजी से फैली और कुछ ही समय में विकराल रूप धारण कर लिया। आग की सूचना मिलते ही स्थानीय व्यापारियों और आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दमकल विभाग की गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचने में लगभग आधा घंटा देर से पहुंचीं। इस दौरान व्यापारी और स्थानीय लोग बाल्टियों से पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास करते रहे। बाजार की संकरी गलियों के कारण राहत एवं बचाव कार्य में भी काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। बाद में दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि आग देर रात लगने के कारण बाजार में भीड़ नहीं थी, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई और बड़ा हादसा टल गया। हालांकि, दुकानों में रखा सामान पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया। नुकसान का आकलन किया जा रहा है। घटना के बाद व्यापारियों में भारी निराशा और आक्रोश है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। प्रशासन एवं संबंधित विभाग मामले की जांच में जुटे हुए हैं।

शहर में एक बार फिर चला अतिक्रमण हटाओ अभियान, कई वाहनों का काटा गया चलान, अतिक्रमणकारियों में हड़कंप

रफ्तार मीडिया

गिरिडीह। नगर निगम एवं यातायात पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा सोमवार को शहर के टावर चैक कचहरी चैक से नेताजी चैक तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सड़क किनारे लगाए गए ठेले-खोमचे हटाए गए तथा अवैध रूप से सड़क पर खड़े दोपहिया और चारपहिया वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चालान काटा गया। अभियान का नेतृत्व नगर निगम और यातायात पुलिस के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान सड़क पर यातायात बाधित करने वाले अस्थायी अतिक्रमणों को हटाया गया और लोगों को सार्वजनिक मार्गों को अतिक्रमण मुक्त रखने की हिदायत दी गई। इस संबंध में नगर निगम के सिटी मैनेजर कुणाल कुमार सिंह ने बताया कि शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने और आम लोगों को जाम की समस्या से राहत दिलाने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। साथ ही लोगों से अपील की कि वे सड़क किनारे ठेले-खोमचे, वाहन या अन्य सामान लगाकर अतिक्रमण न करें। अभियान के दौरान यातायात इंस्पेक्टर दुगन टोपनो, एसआई एतवा खेस, इमरान खान, सिटी मैनेजर कुणाल कुमार सिंह, सिटी मैनेजर अभिषेक प्रकाश, कुमार कौशिक, शिवम कुमार, रवि वर्मा सहित यातायात पुलिस एवं नगर निगम के कर्मी मौजूद रहे। नगर निगम और यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया कि शहर में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए ऐसे अभियान नियमित रूप से चलाए जाते रहेंगे और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

राज्यसभा चुनाव में मुस्लिम प्रतिनिधित्व की अनदेखी, कांग्रेस ने ऐतिहासिक अवसर गंवाया : शमीम अख्तर आजाद

रफ़्तार संवाददाता अभिषेक गुप्ता मांडर ।

रांची जिला मोमिन कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष शमीम अख्तर आजाद ने झारखंड राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी द्वारा मुस्लिम उम्मीदवार को मौका नहीं दिए जाने पर निराशा व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने झारखंड के लगभग 50 लाख मुसलमानों की भावनाओं और राजनीतिक प्रतिनिधित्व की अपेक्षाओं को नजरअंदाज करते हुए एक महत्वपूर्ण अवसर गंवा दिया है।
शमीम अख्तर आजाद ने जारी बयान में कहा कि राज्यसभा केवल एक राजनीतिक पद नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जवाबदेही और जनहित के मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने का महत्वपूर्ण मंच है। उनका कहना है कि वर्तमान समय में अल्पसंख्यक समुदाय, विशेषकर मुस्लिम समाज, विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में राज्यसभा में समुदाय की प्रभावी भागीदारी और प्रतिनिधित्व की आवश्यकता और अधिक बढ़ जाती है।
उन्होंने कहा कि कांग्रेस यदि मुस्लिम समाज से किसी योग्य और अनुभवी व्यक्ति को राज्यसभा भेजती तो इससे न केवल पार्टी की विश्वसनीयता मजबूत होती, बल्कि सामाजिक न्याय और समावेशी राजनीति का भी सकारात्मक संदेश जाता। उन्होंने सवाल उठाया कि मुस्लिम समाज की राजनीतिक भागीदारी और प्रतिनिधित्व को लेकर गंभीर पहल कब होगी। शमीम अख्तर आजाद ने कहा कि राज्यसभा में प्रतिनिधित्व की कमी के कारण समुदाय से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने में कठिनाई हो सकती है। उन्होंने राजनीतिक दलों से सभी वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व देने की अपील करते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती समावेशी भागीदारी से ही संभव है।

झारखंड को मिली बड़ी सौगात, सरमाटांड़-निमियाघाट समेत 163 किमी रेलखंड पर शुरू हुआ कवच 4.0

भारतीय रेलवे ने तीन महत्वपूर्ण सेक्शन में लागू की अत्याधुनिक स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली, पूर्व मध्य रेल में 256.3 रूट किमी तक पहुंचा कवच का दायरा

झुमरी तिलैया । भारतीय रेलवे ने रेल सुरक्षा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए कवच वर्जन 4.0 को 163 रूट किलोमीटर लंबे तीन महत्वपूर्ण रेलखंडों पर चालू कर दिया है। इसके तहत झारखंड के सरमाटांड़ से निमियाघाट (76 किलोमीटर), फ्लाईओवर केबिन से भभुआ रोड (43 किलोमीटर) तथा सासाराम से फेसर (44 किलोमीटर) सेक्शन में कवच प्रणाली के साथ ट्रेनों का संचालन शुरू हो गया है। इस उपलब्धि से झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश से होकर गुजरने वाले व्यस्त रेल मार्गों की सुरक्षा और अधिक मजबूत हो जाएगी।रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इन तीनों सेक्शनों के शुरू होने के बाद पूर्व मध्य रेल में कवच 4.0 का दायरा बढ़कर 256.3 रूट किलोमीटर हो गया है। इसमें पहले से चालू मानपुर-सरमाटांड़ (93.3 किलोमीटर) रेलखंड भी शामिल है। यह परियोजना पूर्व मध्य रेल के पंडित दीन दयाल उपाध्याय

मंडल के अंतर्गत संचालित की गई है।
कवच प्रणाली से लैस पहले ट्रेन संचालन के तहत फेसर-सासाराम खंड पर 15137 बुद्ध पूर्णिमा एक्सप्रेस का सफल परिचालन किया गया। यह ट्रेन तड़के 3:02 बजे फेसर से गुजरी और 3:50 बजे सासाराम पहुंची। वहीं भभुआ रोड से पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन की दिशा में भी कवच प्रणाली के साथ ट्रेनों का सफल संचालन किया गया।
रेलवे ने बताया कि पूर्व मध्य रेल के कुल 4,238 रूट किलोमीटर पर कवच प्रणाली स्थापित की जा रही है। इसमें पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन से प्रधानखंटा तक का 417 किलोमीटर लंबा महत्वपूर्ण रेलखंड भी शामिल है, जो दिल्ली-हावड़ा ग्रैंड ट्रंक रूट का अहम हिस्सा है। इस मार्ग पर यात्री और मालगाड़ियों का भारी आवागमन होता है तथा वर्तमान में यहां 130 किलोमीटर प्रति घंटे तक की गति से ट्रेनों का परिचालन किया जाता है।
कवच 4.0 भारतीय रेलवे की स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली का नवीनतम और सबसे उन्नत संस्करण है। इसे अनुसंधान डिजाइन एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) द्वारा अनुमोदित किया गया है तथा यह वैश्विक स्तर के एसआईएल-4 सुरक्षा मानकों का पालन करता है। यह प्रणाली माइक्रोप्रोसेसर, जीपीएस और रेडियो संचार तकनीक के माध्यम से कार्य करती है।
कवच लोको पायलट को संभावित खतरे की स्थिति में पहले से सतर्क करता है और आवश्यकता पड़ने पर स्वचालित रूप से ब्रेक लगाकर दुर्घटना की संभावना को समाप्त कर देता है। यह सिग्नल पासिंग एट डेंजर (एसपीएडी), आमने-सामने, पीछे से तथा साइड टक्कर जैसी घटनाओं को रोकने में सक्षम है। साथ ही यह ओवरस्पीडिंग पर निगरानी रखता है और कम दृश्यता या खराब मौसम में भी सुरक्षित ट्रेन संचालन सुनिश्चित करता है।
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चन्द्र ने कहा कि कवच का लगातार विस्तार भारतीय रेलवे की सुरक्षित, आधुनिक और आत्मनिर्भर रेल व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे लाखों यात्रियों को सुरक्षित एवं विश्वसनीय रेल यात्रा का लाभ मिलेगा।

आमकुड़ा में जिला परिषद डे-नाइट शॉर्ट पिच क्रिकेट टूनार्मेंट का भव्य आयोजन

संवाददाता समामा औसाल, मैथन : मैथन के आमकुड़ा गांव में ग्रामीणों के सहयोग से आयोजित जिला परिषद डे-नाइट शॉर्ट पिच क्रिकेट टूनार्मेंट का समापन बड़े ही उत्साह और खेल भावना के साथ हुआ। टूनार्मेंट में खिलाड़ियों के जोश, दर्शकों के उत्साह और अतिथियों की मौजूदगी ने आयोजन को यादगार बना दिया।
टूनार्मेंट के मुख्य अतिथि निरसा एसडीपीओ लिलेश्वर महतो एवं जिला परिषद सदस्य मोहम्मद गुलाम कुरैशी रहे। आयोजन स्थल पहुंचने पर ग्रामीणों ने दोनों अतिथियों का बुके, मोमेंटो एवं अंगवस्त्र भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत और सम्मान किया।
इस दौरान मुख्य अतिथि निरसा एसडीपीओ लिलेश्वर महतो ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल को युवाओं के सर्वांगीण विकास का माध्यम बताया। वहीं जिला परिषद सदस्य मोहम्मद गुलाम कुरैशी ने ग्रामीण क्षेत्रों में

खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे आयोजनों की सराहना की।
फाइनल मुकाबले में जेएमके आमकुड़ा की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। हालांकि टीम निर्धारित पांच ओवर में मात्र 36 रन ही बना सकी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी निताई-11 की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया और जिला परिषद चैंपियंस ट्रॉफी 2026 सीजन-1 की विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया।
विजेता टीम को मुख्य अतिथि निरसा एसडीपीओ लिलेश्वर महतो द्वारा ट्रॉफी एवं पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं उपविजेता टीम को जिला परिषद सदस्य मोहम्मद गुलाम कुरैशी ने ट्रॉफी एवं पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया।
खेल युवाओं को अनुशासन, समर्पण और टीम भावना सिखाता है। ऐसे आयोजन ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हैं और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।
इस अवसर पर मुखिया अजय मुर्मू, मुखिया प्रतिनिधि दुबराज महतो, माणिक बाउरी, काजल बाउरी, तापस कुमार बाउरी, पंकज पासवान, राजा खान, सरीफ बैग, सुब्रतो बाउरी, प्रकाश बाउरी, कृष्णा बाउरी, सन्नी बाउरी, रोहित बाउरी, आशीष बाउरी, उदय बाउरी, अनुज बाउरी, अजय बाउरी, वरुण रुद्र सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।
खेल के रोमांच, खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन और ग्रामीणों के उत्साह के बीच संपन्न हुआ यह टूनार्मेंट क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को नई पहचान देने में सफल रहा। विजेता टीम निताई-11 की इस शानदार जीत की पूरे क्षेत्र में चर्चा हो रही है।

ग्रामीणों को उनके अधिकारों को दिलाना ही उद्देश्यः राजेश कुमार

रफ़्तार संवाददाता अभिषेक गुप्ता मांडर : प्रखंड के मंदरो पंचायत भवन मे न्यायमूर्ति सह कार्यपालक अध्यक्ष झालसा सुजीत नारायण प्रसाद एव न्यायमूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा श्री सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश पर एवं माननीय सदस्य सचिव झालसा, कुमारी रंजना अस्थाना एवं माननीय न्यायायुक्त, रांची श्री अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में तथा डालसा सचिव श्री राकेश रौशन की मौजुदगी मेंसोमवार को 90 दिवसीय विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
इस अवसर पर डिप्टी एलएडीसी राजेष कुमार सिन्हा ने कहा कि भारत में जंगलों के सिकुड़ने और इंसानी बस्तियों के विस्तार के कारण मानव और वन्यजीवों के बीच टकराव तेजी से बढ़ा है. हाथियों, बाघों और तेंदुओं जैसे

वन्यजीवों के हमलों में हर साल सैकड़ों लोग अपनी जान गंवाते हैं और फसलों को भारी नुकसान होता है. इस गंभीर समस्या से प्रभावित लोगों, विशेषकर आदिवासी और ग्रामीण समुदायों को त्वरित न्याय, कानूनी सहायता और मुआवजा दिलाने के लिए राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण ने मानव-वन्यजीव संघर्ष पीड़ितों के लिए न्याय तक पहुंच योजना, 2025 की शुरूआत की है। इसके साथ ही बाल विवाह, बाल श्रम, डायन प्रथा, दहेज प्रथा, मानव नषामुक्ति, पेषा अधिनियम, लोक अदालत, प्री-लिटिगेषन, मध्यस्थता के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी गयी। पेसा अधिनियम के तहत ग्राम सभा के अधिकारों की चर्चा की गयी तथा आदिवासी बाहुल क्षेत्रों में जंगल, जल जमीन के संरक्षण के बारे में जानकारी दी। आगे उन्होंने नालसा टॉल फ्री नम्बर - 15100 पर भी चर्चा किये।
इसके अलावा डालसा के पीएलवी गणेष कुमार ने बाल विवाह तथा बाल श्रम पर लोगों को बताया। सुमन ठाकुर ने वृद्धा पेंषन और विधवा पेंसन मईया सम्मान योजना पर विस्तृत चर्चा करते हुए आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी दी जो कि 12 सितम्बर को आयोजित होगी।
मौके पर पीएलवी गणेश कुमार, सोनी कुमारी, कलिन्द्र गोप,तालिब अंसारी, दानिश अंसारी सहित विधि की छात्र छात्राएं एवं अन्य उपस्थित थे।

धनबाद के सुशासन मॉडल को परखने पहुंचे देश के 7 प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी, उपायुक्त से की मुलाकात

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबादः लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी, मसूरी (देहरादून) में प्रशिक्षण ले रहे भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) 2025 बैच के सात प्रशिक्षु अधिकारियों की टीम सोमवार को धनबाद पहुंची। अपने तय जिला भ्रमण कार्यक्रम के दौरान इन युवा अधिकारियों ने समाहरणालय पहुंचकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन से शिष्टाचार मुलाकात की। उपायुक्त ने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों का जिले में स्वागत किया और धनबाद की भौगोलिक, आर्थिक और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी उनके साथ साझा की।मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र से लेकर कस्तूरबा विद्यालय तक का किया दीदार
उपायुक्त से मुलाकात करने से पहले इन प्रशिक्षु अधिकारियों ने धनबाद जिले में चल रही विभिन्न लोक-कल्याणकारी और नवाचारी योजनाओं का जमीनी निरीक्षण किया। अधिकारियों की टीम सबसे पहले बाबूडीह स्थित मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र पहुंची, जहां बच्चों के पोषण और खेल-खेल में शिक्षा देने के आधुनिक तौर-तरीकों को देखकर वे काफी प्रभावित हुए। इसके बाद टीम ने सदर अस्पताल के पैट्रियोटिक वार्ड की व्यवस्थाओं को परखा। युवा सिविल सेवकों ने गोविंदपुर प्रखंड के गोटोप्पा में संचालित फार्मर प्रोड्यूसर आगेर्नाइजेशन (एफपीओ) और कृषक पाठशाला का भी अवलोकन किया, जहां उन्होंने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की तकनीकों को समझा।
टीम ने गोविंदपुर स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का भी रुख किया और वहां छात्राओं को मिल रही आवासीय व शैक्षणिक सुविधाओं की सराहना की।भारत दर्शन के तहत सीख रहे हैं 'गुड गवर्नेंस' के गुरः आदित्य रंजन इस उच्च स्तरीय भ्रमण कार्यक्रम के महत्व को रेखांकित करते हुए उपायुक्त आदित्य रंजन ने बताया:सभी प्रशिक्षु आईएएस पदाधिकारी अपने बुनियादी प्रशिक्षण के हिस्से के रूप में 'भारत दर्शन' कार्यक्रम के तहत धनबाद के दौरे पर आए हैं। इस राष्ट्रव्यापी भ्रमण का मुख्य उद्देश्य युवा सिविल सेवकों को अलग-अलग राज्यों में चल रही 'गुड गवर्नेंस' (सुशासन) की बेहतरीन और सफल पहलों से रूबरू कराना है। इससे इन अधिकारियों में भविष्य की चुनौतियों से निपटने और प्रशासनिक कौशल विकसित करने में मदद मिलेगी। साथ ही उन्हें देश के वाणिज्य-उद्योग (कॉमर्स और इंडस्ट्री), खनिज संसाधन, वित्तीय प्रबंधन तथा देश की अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा।"
प्रशिक्षु अधिकारियों के इस पूरे शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के दौरान जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा तथा जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) की पीएमयू टीम के सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे, जिन्होंने अधिकारियों को जिले में डीएमएफटी फंड से हो रहे जन-विकास के कार्यों की तकनीकी जानकारी दी।

झज्जर में बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों की सुनवाई के लिए बिजली अदालत आज

झज्जर,

उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) द्वारा अधीक्षण अभियंता कार्यालय में आज 09 जून मंगलवार को बिजली अदालत व उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम की बैठक का आयोजन किया जाएगा। बिजली अदालत तथा उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम की बैठक का आयोजन सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक किया जाएगा।

गोविंदपुर के बड़ा पिछरी में ज्ञान केंद्र लाइब्रेरी का शिलान्यास: ग्रामीण छात्र-छात्राओं को मिलेगी बड़ी सुविधा

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद(गोविंदपुर): धनबाद उपायुक्त (डीसी) आदित्य रंजन के निर्देश पर सोमवार को गोविंदपुर प्रखंड क्षेत्र के बड़ा पिछरी पंचायत सचिवालय में ज्ञान केंद्र लाइब्रेरी का भव्य शिलान्यास किया गया। इस ऐतिहासिक मौके पर स्थानीय मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, वार्ड सदस्य, सैकड़ों ग्रामीण और छात्र-छात्राएं मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस लाइब्रेरी के खुलने से क्षेत्र के विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए बेहतर माहौल और आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी।शिलान्यास समारोह में उपस्थित जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग

कार्यक्रम का नेतृत्व बड़ा पिछरी पंचायत की मुखिया यशोदा देवी और उप मुखिया कौशल्या देवी ने किया। इसके साथ ही पंचायत समिति सदस्य ललन प्रसाद पांडेय भी मौजूद रहे। प्रखंड क्षेत्र के इस पंचायत सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में वार्ड सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिनमें मुख्य रूप से निम्नलिखित लोग शामिल थे:उज्ज्वल लाल महतो (वार्ड सदस्य)गंगाधर महतो

(वार्डसदस्य)परमेश्वर महतो (वार्ड सदस्य)इकबाल अंसारी (वार्ड सदस्य)सुषमा देवी (वार्ड सदस्य) ललिता देवी (वार्ड सदस्य) पिंटू मंडल (वार्ड सदस्य)

इसके अलावा क्षेत्र के कई अन्य गणमान्य व्यक्ति और विद्यार्थी भी इस दौरान उपस्थित थे।

ज्ञान केंद्र के सदस्य जो बने इस पहल का हिस्सा

गोविंदपुर प्रखंड के इस नए ज्ञान केंद्र की शुरूआत और संचालन में स्थानीय युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।शिलान्यास के अवसर पर ज्ञान केंद्र के निम्नलिखित सदस्य उपस्थित रहे: दुर्योधन महतो,विशाल महतो,अनुज कु० साव,अंकित कु० पांडेय जितेन्द्र कु० पांडेय,उमेश कु० साव,विवेक कु० पांडेय,अमित कु० पांडेय,राजेश कु० रजक,करण कुमार,वकील कु० साव,गंगाधर महतो

ग्रामीणों में खुशी की लहर

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि उपायुक्त आदित्य रंजन की यह पहल गोविंदपुर प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के भविष्य को संवारने में अत्यंत शिक्षा के प्रति उपलब्धि साबित होगी। अब बड़ा पिछरी पंचायत और आसपास के गांव के छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और उच्च शिक्षा के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और पंचायत प्रतिनिधियों के इस सामूहिक प्रयास की सराहना की है।

सड़क दुर्घटना में कुजू कोलियरी के युवक की मौत, क्षेत्र में शोक

आशीष कुमार मुखर्जी/ रफ्तार मीडिया

कुजू (रामगढ़): कुजू कोलियरी निवासी एक युवक की सड़क दुर्घटना में मौत हो जाने से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुजू कोलियरी निवासी नेपाल रजवार के पुत्र राहुल कुमार सोमवार की सुबह अपनी बाइक (संख्या खल24ङ-2189) से रांची जाने के लिए घर से निकले थे।

इसी दौरान रामगढ़ के चुटुपालू घाटी में उनकी बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। दुर्घटना में राहुल कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उनका शव कुजू कोलियरी लाया गया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल बन गया। अंतिम दर्शन के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बाद में स्थानीय श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं मोहल्ले के लोगों ने भी युवक के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

तेज रफ्तार का कहर, अनियंत्रित बाइक डिवाइडर से टकराई, तीन युवक घायल

आशीष कुमार मुखर्जी/ रफ्तार मीडिया

कुजू (रामगढ़)। कुजू ओपी क्षेत्र के नया मोड़ चौक के समीप रविवार को तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बाइक पर सवार तीन युवक घायल हो गए, जिनमें दो की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बनवार निवासी आर्यन कुमार, अमर कुमार एवं विकास कुमार पल्सर बाइक (संख्या जेएच 24 क्यू 2057) पर सवार होकर रामगढ़ से कुजू की ओर जा रहे थे। इसी दौरान नया मोड़ चौक के पास सामने एक ट्रक को देखकर चालक बाइक पर नियंत्रण खो बैठा, जिससे बाइक डिवाइडर से जा टकराई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और तीनों युवक सड़क पर गिर पड़े। हादसे में अमर कुमार एवं विकास कुमार को गंभीर चोटें आई हैं, जबकि आर्यन कुमार को मामूली चोट लगी है। घायलों की उम्र 15 से 18 वर्ष के बीच बताई जा रही है। बताया जाता है तीनों मंडा पूजा देखकर लौट रहे थे ।

घटना की सूचना मिलने पर कुजू पुलिस के एएसआई ओंकार पाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने क्षतिग्रस्त बाइक को जब्त कर थाना परिसर ले गई तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने दुर्घटना का कारण तेज रफ्तार और असावधानी को बताया है।

गिरिडीह में हैवान पिता ने अपनी तीन बेटियों की धारदार हथियार से की हत्या

रफ्तार मीडिया गिरिडीह । मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के तुरूकडीहा से हृदयविदारक घटना सामने आई है। तुरुकडीहा गांव में एक पिता ने अपनी तीन बेटियों रिद्धि, सिद्धि और पल्लवी की धारदार हथियार से हत्या कर दी। घटना सोमवार सुबह की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, आरोपी की पहचान तुरुकडीहा निवासी नंदू यादव के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने अपनी तीनों बेटियों पर धारदार हथियार से हमला कर उनकी जान ले ली। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और ग्रामीणों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गई। सूचना मिलते ही एसडीपीओ जीतबाहन उरांव तथा मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पिता नंदू यादव को गिरफ्तार कर लिया है। एसडीपीओ जीतबाहन उरांव ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की जांच की जा रही है। हत्या के कारणों का अभी खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच में जुटी है। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। इधर घटना को लेकर फॉरेंसिक की टीम जांच में पहुंची है।

बुंडू में सड़क दुर्घटनाओं पर झारखंड छात्र मोर्चा चिंतित, एसडीपीओ को सौंपा ज्ञापन

रफ्तार मीडिया बुंडू संवाददाता

झारखंड छात्र मोर्चा ने बुंडू अनुमंडल क्षेत्र में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को लेकर चिंता जताई है। छात्र संगठन के पूर्व रांची जिला उपाध्यक्ष सह छात्र नेता राजु कुमार उर्फ राजीव के नेतृत्व में छात्राओं ने सोमवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बुंडू से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन देते हुए राजु कुमार ने कहा कि बुंडू अनुमंडल क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। इससे कई लोगों की जान जा रही है और अनेक लोग गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं। सबसे अधिक चिंता की बात ये है कि इन दुर्घटनाओं में बड़ी संख्या में युवा और छात्र अपनी जान गंवा रहे हैं। यह स्थिति

पूरे समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है।राजु कुमार ने बताया कि तेज रफ्तार वाहन चलाना, नाबालिगों द्वारा वाहन संचालन, यातायात नियमों की अनदेखी और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता की कमी दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण हैं। उन्होंने कहा कि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों में स्थिति और भयावह हो सकती है।झारखंड छात्र मोर्चा ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। तेज गति से वाहन चलाने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जाए। नाबालिगों द्वारा वाहन संचालन पर सख्ती से रोक लगाई जाए। विद्यालयों और महाविद्यालयों में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में चेतावनी संकेतक, स्पीड ब्रेकर और अन्य यातायात सुविधाएं विकसित की जाएं। साथ ही पुलिस पेट्रोलिंग और ट्रैफिक निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया जाए।राजु कुमार ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए प्रशासन और आम जनता दोनों को मिलकर प्रयास करने होंगे। युवाओं का जीवन सुरक्षित रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।इस मौके पर लोकेश यादव, जयराम महतो,

टुंडी में हाथियों का तांडव: बेघर हुए ग्रामीण, बारिश के मौसम में सिर छुपाने की चिंता

पीरटांड़ से घुसा 35 हाथियों का झुंड, पर्वतपुर और बसहा गांव में मचाया भारी उत्पात। महालाल किस्कू और सुनील हेंब्रम के आशियाने तोड़े, घर में रखा अनाज चट कर गए हाथी। दहशत के साए में रतजगा करने को मजबूर ग्रामीण, वन विभाग की टीम हाथियों को खदेड़ने में जुटी।

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद (टुंडी)। धनबाद जिले का टुंडी प्रखंड एक बार फिर हाथियों के डर के साए में जीने को मजबूर है। गिरिडीह जिले के पीरटांड़ क्षेत्र से आए करीब 35 हाथियों के एक विशाल झुंड ने टुंडी के सुदूरवर्ती पश्चिमी क्षेत्र में भारी तबाही मचाई है। रविवार की देर रात करीब एक बजे इस झुंड ने पर्वतपुर और बसहा गांव में अचानक धावा बोल दिया। हाथियों ने आते ही महालाल किस्कू और सुनील हेंब्रम के कच्चे मकानों को मलबे में तब्दील कर दिया और घर में रखा सारा धान व चावल खा गए। मानसून की दस्तक के बीच आशियाना छिन जाने से पीड़ितों के सामने इस बारिश में रहने और खाने का बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

सूचना मिलते ही वन विभाग की 'मशालची टीम' तुरंत अलर्ट मोड पर आ गई। वन कर्मियों ने ग्रामीणों के सहयोग से हाथियों के झुंड को खदेड़ना शुरू किया। ताजा जानकारी के अनुसार, हाथियों को नवतार होते हुए टुंडी के पहाड़ों की तरफ भेजने का प्रयास जारी है।

हाथियों के आने की भनक मिलते ही आसपास के गांवों के लोग भी अलर्ट थे, जिससे जान-माल का बड़ा नुकसान टल गया। हालांकि, इस इलाके में हाथी पिछले कई वर्षों से लगातार जान-माल का नुकसान कर रहे हैं, जिससे ग्रामीणों में गहरा आक्रोश और दहशत का माहौल है। पश्चिमी टुंडी की जनता अब सरकार और प्रशासन से इस समस्या के स्थायी समाधान की गुहार लगा रही है।

पीड़ितों का दर्द: "बड़े हाथी घर तोड़ते हैं, बच्चे अनाज खाते हैं"

लीला कुमारी (स्थानीय पीड़ित महिला):

"हाथियों का झुंड जब आता है तो पूरा गांव कांप उठता है। जो बड़े हाथी हैं, वे अपनी ताकत से हमारे कच्चे घरों की दीवारें और दरवाजे तोड़ देते हैं। इसके बाद उनके पीछे चल रहे छोटे बच्चे (बच्चे हाथी) घरों में घुसकर अंदर रखा धान, चावल और दूसरा अनाज खा जाते हैं। अब इस बारिश के मौसम में हमारा घर टूट गया है, हम अपने बच्चों को लेकर कहां जाएं और क्या खाएं? हमें डर के साए से मुक्ति चाहिए।"

मशालची, हाथियों को पहाड़ों की ओर खदेड़ने का प्रयास जारी

बहादुर महतो (वन विभाग कर्मी):

"हाथियों के टुंडी जंगल में प्रवेश करने की सूचना मिलते ही हमारे मशालचियों के दल को पहले से ही तैनात और अलर्ट कर दिया गया था। जैसे ही झुंड पर्वतपुर और बसहा गांव की तरफ बढ़ा, हमारी टीम ने तुरंत मोर्चा संभाला। हाथियों को आबादी वाले क्षेत्र से दूर खदेड़ते हुए नवतार तक पहुंचा दिया गया है। हमारी कोशिश इन्हें टुंडी के मुख्य पहाड़ी क्षेत्र की ओर मोड़ने की है ताकि ग्रामीण सुरक्षित रह सकें। प्रभावित ग्रामीणों के नुकसान का आकलन कर उचित मुआवजे की प्रक्रिया की जाएगी।"

आखिर कब मिलेगा स्थायी समाधान?

टुंडी के ग्रामीण पिछले कई सालों से हाथियों के इस आतंक को झेल रहे हैं। कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, तो दर्जनों परिवार बेघर हो चुके हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हर बार सिर्फ हाथियों को खदेड़ दिया जाता है, लेकिन कुछ दिनों बाद वे फिर लौट आते हैं। टुंडी की जनता का सरकार से एक ही सवाल है– आखिर कब तक वे इस डर के साए में जिंदगी काटने को मजबूर रहेंगे?

स्फटिक महामणि सीधेश्वर महादेव प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक संपन्न

रफ़्तार संवाददाता अभिषेक गुप्ता मांडर। महावीर मंडल हिन्दू धर्म रक्षक संघ, सोसई आश्रम के तत्वावधान में आगामी 4 जुलाई से आयोजित होने वाले श्री श्री 1008 स्फटिक महामणि सीधेश्वर महादेव प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ को लेकर सोमवार को यज्ञ समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता गिरीश दुबे ने की।

बैठक में यज्ञ को भव्य एवं सफल बनाने के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। आयोजन की तैयारियों, श्रद्धालुओं की सुविधा, व्यवस्थापन, प्रचार-प्रसार एवं विभिन्न समितियों के दायित्वों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में मुख्य रूप से भुनेश्वर सिंह, उमेश प्रसाद सिंह, मनोज सिंह, बटकेश्वर सिंह, रामनरेश गिरी, शैलवान कुमार, बाबू पाठक, ब्रजबिहारी ओझा, विकास कुमार तिवारी, रमेश केशरी, आनंद कुमार सिंह, हरीश दुबे, सुरेश गिरी, मनकू महतो, अजय ठाकुर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

समिति के सदस्यों ने आयोजन को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया। बताया गया कि 4 जुलाई से आरंभ होने वाला यह धार्मिक अनुष्ठान क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र होगा।

ऑपरेशन अमानत के तहत आरपीएफ कोडरमा ने यात्री का छूटा बैग लौटाया, यात्री ने जताया आभार

झुमरीतिलैया - रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) कोडरमा ने ऑपरेशन अमानत के तहत एक यात्री का ट्रेन में छूटा सामान बरामद कर उसे सुरक्षित वापस सौंपकर ईमानदारी एवं तत्परता का परिचय दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रेल मदद पोर्टल के माध्यम से आरपीएफ को सूचना मिली कि ट्रेन संख्या 12324 बाड़मेर-हावड़ा एक्सप्रेस में प्रयागराज से गया तक यात्रा कर रहे यात्री विशाल पुरी का एक हरे रंग का छोटा हैंडबैग गया स्टेशन पर उतरने के दौरान ट्रेन में ही छूट गया था। यात्री कोच संख्या एस-3 के बर्थ संख्या 68 पर यात्रा कर रहे थे।

सूचना प्राप्त होने पर ट्रेन के कोडरमा स्टेशन पहुंचने पर आरपीएफ जवानों ने संबंधित कोच एवं बर्थ की जांच की, जहां से यात्री का छूटा हुआ बैग बरामद कर लिया गया। इसके बाद शिकायतकर्ता से मोबाइल के माध्यम से संपर्क कर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैग एवं उसमें रखे सामान का सत्यापन कराया गया। सत्यापन के उपरांत बैग को आरपीएफ पोस्ट कोडरमा में सुरक्षित रखा गया। बाद में शिकायतकर्ता के रिश्तेदार संदीप कुमार जैन, निवासी झुमरी तिलैया, आरपीएफ पोस्ट कोडरमा पहुंचे। आवश्यक सत्यापन प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें यात्री का बैग सुपुर्द कर दिया गया। बैग में एक रेडमी मोबाइल फोन, चार्जर एवं पेट्रोन कंपनी का एयरफोन रखा हुआ था। बरामद सामान की अनुमानित कीमत लगभग 16 हजार रुपये बताई गई है। अपना खोया हुआ सामान वापस मिलने पर यात्री विशाल पुरी ने आरपीएफ कोडरमा की त्वरित कार्रवाई एवं ईमानदारी की सराहना करते हुए धन्यवाद व्यक्त किया।

पीआरजीआई/आरएनआई पंजीयन संख्या RNI NO. JHHIN/26/3481 स्वतत्वाधिकारी,संपादक एवं प्रकाशक गौरव कुमार, कार्यकारी संपादक अरविंद कुमार, उत्तम निवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, अरगोड़ा थाना के पास, हरमू, रांची, झारखंड 834002 से प्रकाशित, एसएच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, रातू काठीटांड़ नियर टेंडर बगीचा एचपी पेट्रोल पंप, पीओ रातू, रांची 835222 से मुद्रित, फोन नंबर 6203592707,ईमेल -raftaarhr@gmail.com(पीआरबी अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेवार) समस्त विवादों का क्षेत्राधिकार रांची न्यायलय रहेगा।